मकर सक्रांति की शुभकामनाएं

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

वर्ष 69 ▸▸ अंक 107 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, बुधवार 14 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 11, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

ईरान से व्यापार पड़ सकता है भारी, ट्रंप बोले- लगाऊंगा 25% टैरिफ

ईरान से चीन, भारत का बड़ा व्यापार

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका ने ईरान को हर तरफ से घेरना शुरू कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप के इस फैसले से ईरान के अंदर विरोध प्रदर्शनों पर हिंसक कार्रवाई को लेकर खामेनेई सरकार पर दबाव बढ़ गया है, जिसमें करीब 648 लोग मारे गए हैं और पूरे देश में हजारों की गिरफ्तारियां हुई हैं। ट्रंप की यह टैरिफ कार्रवाई संभावित रूप से भारत और चीन सहित कई देशों को प्रभावित कर सकती है, जो ईरान और अमेरिका, दोनों के साथ व्यापार करते हैं।

ट्रंप ने लिखा, तुरंत प्रभाव से, इस्लामी गणराज्य ईरान के साथ व्यापार करने वाला कोई भी देश अमेरिका के साथ होने वाले सभी व्यापार पर 25 फीसदी टैरिफ देगा। यह आदेश अंतिम और निर्णायक है। टैरिफ की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका के पास एक विकल्प यह भी है कि वह ईरान पर हवाई हमला करे, लेकिन उन्होंने कहा, ईरान के पास ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से बात करने का एक राजनयिक चैनल भी खुला है। उन्होंने कहा कि ईरान अपने सार्वजनिक बयानों की तुलना में निजी तौर पर बहुत अलग बोली बोल रहा है। ध्यान रहे कि अमेरिका ने पहले ही रूसी तेल की खरीद के लिए भारतीय सामानों पर कुल 50 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया है। अगर ईरान से व्यापार के लिए भी भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगता है, तो व्यापार में और बाधा आएगी। हालांकि, अमेरिका और भारत, दोनों पक्ष एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए महीनों से काम कर रहे हैं। अगर यह समझौता हो जाता है तो यह नई दिल्ली को लंबे समय से अपेक्षित टैरिफ राहत प्रदान करेगा।

भारत पर 75 फीसदी टैरिफ, क्या असर होगा?

चीन को ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार माना जाता है, लेकिन ट्रंप के इस कदम का असर भारत, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की पर भी पड़ेगा, जो तेहरान के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से हैं। तेहरान में मौजूद भारतीय दूतावास के अनुसार, भारत ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में ईरान को 1.24 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया, जबकि 0.44 अरब डॉलर का आयात किया, जिससे कुल व्यापार 1.68 अरब डॉलर (लगभग 14,000 - 15,000 करोड़ रुपए) हो गया। इनमें सबसे बड़ा हिस्सा 512.92 मिलियन डॉलर मूल्य के कार्बनिक केमिकल्स का था। इसके बाद फल, मेवे, खट्टे फलों के छिलके और खरबूजे 311.60 मिलियन डॉलर और खनिज ईंधन, तेल और आसवन उत्पाद 86.48 मिलियन डॉलर के थे।

ट्रंप बोले-संस्थानों पर कर लें कब्जा, मदद रास्ते में है

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान में प्रदर्शन कर रह लोगों को सरकारी इमारतों पर कब्जा करने की सलाह दी है। उन्होंने मंगलवार को ट्रूथ सोशल पर लिखा, ईरान के देशभक्त प्रदर्शन करते रहें और अपनी संस्थाओं को कब्जे में लें। ट्रंप ने प्रदर्शन जारी रखने अपील की और कहा कि मदद रास्ते में हैं, जो लोग प्रदर्शनकारियों की हत्या और उन पर अत्याचार कर रहे हैं, उनके नाम दर्ज किए जा रहे हैं। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ट्रंप ने कहा, उन्होंने ईरान के अधिकारियों के साथ होने वाली सभी बैठकों को रद्द कर दिया है। जब तक प्रदर्शनकारियों की हत्याएं बंद नहीं होतीं, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी।

सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं !

संक्षिप्त खबरें

बांग्लादेश टी-20 वर्ल्डकप भारत में न खेलने पर अड़ा

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टी-20 वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत में न खेलने की मांग पर अड़ा हुआ है। वह चाहता है कि उसके मैच भारत की बजाय श्रीलंका में खेले जाएं। बीसीबी ने प्रेस रिलीज जारी करके कहा- उसने मंगलवार को आईसीसी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस पर एक बार फिर अपनी मांग दोहराई है। आईसीसी ने बांग्लादेशी बोर्ड से इस मांग पर फिर से विचार करने के लिए कहा है। सोमवार को आईसीसी ने बीसीबी की वेन्यू बदलने की मांग खारिज कर दी थी। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने की अनुमति नहीं दी है। बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने 3 जनवरी को उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां आईपीएल मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की।

कहा- खिलाड़ियों की सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी

ब्लिंकिट ने 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाया

नई दिल्ली, जेएनएन। ब्लिंकिट जैसी क्विक कॉमर्स कंपनियों ने '10 मिनट में डिलीवरी' का दावा हटा दिया है। यह बदलाव डिलीवरी बॉयज की हड़ताल व सरकार की दखल के बाद आया है। सरकार के साथ हुई बैठक में ब्लिंकिट के अलावा स्विगी, जेप्टो ने भी भरोसा दिया है कि वे अब ग्राहकों से समय सीमा का वादा करने वाले विज्ञापन नहीं करेंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही इन कंपनियों के टॉप अधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इसमें 3 अहम फैसले लिए गए। श्रम मंत्री ने स्पष्ट किया कि ये मॉडल वर्कर्स की जान जोखिम में डालकर नहीं चलना चाहिए। 10 मिनट जैसी समय सीमा न सिर्फ खतरनाक है, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी जोखिम पैदा करती है।

एलओसी के पास दिखे संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में मंगलवार शाम एलओसी के पास दो बार संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए। भारतीय सेना ने फायरिंग कर दी। सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान मंडराते हुए नजर आए। फायरिंग के बाद ड्रोन पीओके की ओर लौट गए। रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि शाम 7 बजे ड्रोन राजौरी के चिंगुस इलाके के डुंगा गाला क्षेत्र में भारतीय सीमा में घुसे। सेना ने एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिव किया तो गायब हो गए। फिर शाम करीब 7.35 बजे दो ड्रोन जैसे ऑब्जेक्ट धरि धरा गांव में स्पॉट किए गए। जवानों ने कई राउंड फायर किए, जिसके बाद ये ड्रोन पीओके की ओर लौट गए। बीते तीन दिनों में ड्रोन दिखने की दूसरी घटना है।

प्रयागराज माघ मेले में आग, 20 दुकानें खाक

प्रयागराज, जेएनएन। प्रयागराज माघ मेले में लगे नारायण शुक्ला धाम शिविर में मंगलवार शाम आग लग गई। इससे 15 टेंट और 20 दुकानें जलकर राख हो गईं। शिविर में कल्पवास कर रहे लोग जान बचाकर भागे। एक कल्पवासी के झुलसने की सूचना है। शिविर सेक्टर 5 में है। 5 किमी दूर से ही आग की लपटें और धुआं दिख रहा था। पुलिस और संतों ने बचाव कार्य शुरू किया। दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग रुक-रुककर आग भड़क रही थी। करीब डेढ़ घंटे की मेहनत के बाद आग बुझा ली गई। आग लगने के पीछे शार्ट सर्किट वजह बताई जा रही है।

कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्तः आवारा कुत्तों को खाना देने वाले भी होंगे जिम्मेदार

कुत्ते के काटने पर राज्य गंभीर नहीं, तय होगा भारी मुआवजा

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा, बच्चों या बुजुर्गों को कुत्तों के काटने, चोट लगने या मौत के हर मामले में हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा दिलवाएंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले 5 सालों में नियमों को लागू करने के लिए कुछ नहीं किया। कोर्ट ने कहा, आवारा कुत्तों को खाना खिलाने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है, तो इन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते। ये कुत्ते सड़कों पर क्यों घूमते रहें, लोगों को काटें और डराएं। उन्हें हम ऐसे ही नहीं छोड़ सकते।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने कहा, कुत्तों में एक खास तरह का वायरस होता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। अब तक चार दिन की सुनवाई में इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही दिख रही है। जब कुत्ते 9 साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या हम इसपर आंखें मूंद लें। इस मामले में अब अगली सुनवाई 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से होगी।

अब तक इंसानों के लिए इतनी लंबी बहस नहीं देखी

जस्टिस संदीप मेहता ने महिला वकील की दलील पर कहा-क्या आप सच में ऐसा कह रही हैं? एक वकील ने अभी-अभी हमें सड़कों पर रहने वाले अनाथ बच्चों के आंकड़े दिखाए। शायद कुछ वकील उन बच्चों को गोद लेने की पैरवी कर सकते हैं। जस्टिस मेहता ने कहा- 2011 में प्रमोशन के बाद से मैंने इतनी लंबी बहसें कभी नहीं सुनीं। और अब तक किसी ने भी इंसानों के लिए इतनी लंबी बहस नहीं की है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने आज की सुनवाई खत्म कर दी। अब 20 जनवरी को दोपहर 2 बजे से अगली सुनवाई होगी।

'सड़कों से बच्चों को हटाएं, कुत्तों को नहीं'

एक अन्य महिला वकील ने दलीलें पेश करते हुए कहा-जब रेलवे स्टेशन पर एक छोटी बच्ची के बगल में कोई आवारा कुत्ता सो रहा होता है, तो उसके साथ रेप नहीं होगा। एक महिला होने के नाते, मुझे दिल्ली में उन कुत्तों के साथ चलने में सुरक्षित महसूस होता है। अगर मुझ पर कोई हमला करेगा, तो वे भौंकेंगे। वकील ने आगे कहा- जब किसी शेल्टर होम में कोई कुत्ता बीमार पड़ जाता है, तो उनमें से जो वायरस पैदा होते हैं, उनपर दवाओं का असर नहीं होगा। मुझे बुरा लगता है जब आरडब्लूए कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाने के लिए और अधिक फंड की मांग करते हैं। सबसे पहले बच्चों को सड़कों से हटाना होगा, कुत्तों को नहीं। बच्चों को शेल्टर होम की ज्यादा जरूरत है। वकील ने कहा- मैं एक 80 साल की महिला का प्रतिनिधित्व कर रही हूं जो सड़क पर रहती है। वह 200 कुत्तों की देखभाल करती है। दिल्ली में उन्हें 'डॉग अम्मा' के नाम से जाना जाता है। कुत्तों गोद लेने की पॉलिसी पर विचार किया जाना चाहिए। एक राष्ट्रीय अभियान शुरू किया जा सकता है। यहां कई वकील हैं जिनके घर में 8-10 देसी कुत्ते हैं।

निष्क्रियता से समस्या 1000 गुना बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट में दो एनिमल ट्रस्ट का पक्ष रखते हुए वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा-यह एक इमोशनल मामला है। इस पर जस्टिस मेहता ने कहा-अब तक तो ऐसा लगता है कि इमोशन सिर्फ कुत्तों के लिए ही हैं। गुरुस्वामी ने कहा- ऐसा नहीं है। मैं इंसानों के बारे में भी उतनी ही चिंतित हूं। जस्टिस मेहता ने कहा-शुक्र है! आप सभी हमें अधिकारियों से सवाल करने की इजाजत दें, ताकि हम प्रक्रिया शुरू कर सकें। सभी एक ही बात दोहरा रहे हैं। हमें आदेश पारित करने दें। हमें अधिकारियों से जवाब लेने में आधा दिन लग जाता है। उनकी निष्क्रियता के कारण समस्या 1000 गुना बढ़ गई है। यह एक अदालती कार्यवाही के बजाय एक सार्वजनिक मंच बन गया है। जस्टिस मेहता ने कहा- अगर कोई आवारा कुत्ता किसी पर हमला कर दे तो जिम्मेदारी किसकी होगी? मेहता ने कहा- आवारा कुत्ता किसी के कब्जे में नहीं होना चाहिए। अगर आप पालतू जानवर रखना चाहते हैं, तो लाइसेंस लें।

सीएम की घोषणा पर कैबिनेट की मुहर

सवा लाख शिक्षकों का 5 हजार तक बढ़ेगा वेतन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति वेतनमान देने की घोषणा की गई थी, जिस पर मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में मुहर लगा दी गई। मप्र के 1.25 लाख शिक्षकों को हर माह 5 हजार तक का फायदा होगा। कैबिनेट ने सोलर नीति, सिंचाई परियोजनाओं को भी हरी झंडी दी है। बैठक में स्पेस टेक नीति 2026 को भी मंजूरी दी गई, जिससे ऐसा करने वाला मप्र केरल और ओडिसा के बाद तीसरा राज्य हो जाएगा। उज्जैन, ग्वालियर व्यापार मेलों में वाहन खरीदी पर मोटरयान कर पर 50 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की गई है।

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि शैक्षणिक संवर्ग में आने वाले सहायक शिक्षक, शिक्षक, नवीन शैक्षणिक वर्ग के प्राथमिक एंव माध्यमिक शिक्षकों के लिए चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान योजना का लाभ दिया जाएगा। यह लाभ 1 जुलाई 2023 अथवा उसके बाद की तिथि से 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वालों को मिलेगा। कैबिनेट ने 322 करोड़ 34 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। द्वितीय चरण के लिए 200 सर्वसुविधा युक्त सांदीपनि विद्यालय की स्थापना के लिए 3660 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई।

नई सोलर नीति के तहत 4 घंटे के लिए 3 हजार मेगावाट व 24 घंटे के लिए 200 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। सिंहस्थ-2028 के चलते उज्जैन की 1,133.67 करोड़ की जलावर्धन योजना को मंजूरी दी गई। अमृत योजना के लिए 5 करोड़ की राशि स्वीकृत कर दी गई। इसमें विशेष तौर पर शत-प्रतिशत पेयजल आपूर्ति व सीवरेज से संबंधित कार्य प्राथमिकता के तौर पर कराए जाएगे।

कैबिनेट ने राजगढ़ एवं रायसेन जिले की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 898 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। वर्ष 2026-27 की आबकारी नीति के निर्धारण के लिए कैबिनेट कमेटी गठन की स्वीकृति प्रदान की गई। मऊगंज में हुई घटना में दिवंगत स्व. रामचरण गौतम, सहायक उपनिरीक्षक के परिवार को 90 लाख की श्रद्धा निधि स्वीकृति की गई। दिवंगत गौतम के परिवार को 10 लाख की विशेष अनुग्रह राशि 1 अप्रैल को प्रदान की जा चुकी है।

पाक बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप एक्टिवः आर्मी चीफ

बोले-ऑपरेशन सिंदूर जारी, दुस्साहस का देंगे जवाब

नई दिल्ली, जेएनएन। आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए। आर्मी चीफ ने कहा, हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि कोई कार्रवाई तो नहीं हो रही है। वे जांचना चाहते हैं कि सेना कहीं कोई कमी या ढिलाई तो नहीं कर रही, जिससे वे आतंकियों को भेज सकें। बॉर्डर और एलओसी के सामने 8 आतंकी कैंप हैं, जिसमें ट्रेनिंग जैसी गतिविधि चल रही है। सेना नजर बनाए हुए है, एक भी गलती पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा।

दिग्विजय का एलान नहीं जाएंगे राज्यसभा

विशेष संवाददाता, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपना दूसरा कार्यकाल पूरे होने से लगभग तीन माह पहले एलान कर दिया है कि वे तीसरी बार राज्यसभा नहीं जाएंगे और अपना पूरा समय मप्र में पार्टी और संगठन को मजबूत बनाने में देंगे। अप्रैल 2026 को मप्र से आने वाली 3 राज्यसभा सीटें मौजूदा सांसदों का कार्यकाल पूरा होने से खाली हो रही हैं, जिसके लिए कांग्रेस-भाजपा में अभी से राज्यसभा चुनाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। विधानसभा में संख्या बल के आधार पर इन 3 सीटों में से कांग्रेस के खाते में एक सीट जाना तय है। इसके लिए पिछले दिनों अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेशाध्यक्ष प्रदीप अहिरवार से एससी वर्ग से किसी नेता को राज्यसभा भेजने की मांग की गई है। इधर, मंगलवार को पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने साफ कर दिया कि वे राज्यसभा की तीसरी बार उम्मीदवारी नहीं करेंगे और पार्टी को मजबूत करने तथा जमीनी स्तर पर काम करने पर ध्यान देंगे।

ढाई साल मप्र को नापेंगे संगठन को देंगे ताकत

चर्चा — तमिलनाडु दौरे पर पहुंचे नेता प्रतिपक्ष ने की स्कूली बच्चों से चर्चा

स्कूल में केमिस्ट्री टीचर बहुत पसंद थीं : राहुल

गुडलूर, जेएनएन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को तमिलनाडु के गुडलूर में थॉमस इंग्लिश हाई स्कूल में बच्चों से मिले। राहुल ने बच्चों से बातचीत में बताया कि उन्हें केमिस्ट्री टीचर बहुत पसंद थीं, क्योंकि वह परीक्षा की तैयारियों में बहुत मदद करती थीं। वे बहुत अच्छा पढ़ाती थीं और परीक्षा की तैयारी में मदद करती थी, इसीलिए उन्हें वह टीचर बहुत अच्छी लगती थीं। मैं स्कूल में हर दिन कुछ न कुछ शरारत करता था। जब मैं बोर्डिंग स्कूल में पढ़ता था, तो अपने माता-पिता को यह यकीन दिलाता था कि मैं खुश नहीं हूं, जिससे वह मुझसे मिलने आएं। मैं सच में उदास नहीं रहता था, बल्कि स्कूल में बहुत खुश रहता था।

एआई से इंडस्ट्री में आएंगी मुश्किलें

राहुल गांधी ने कहा कि हमने आईटी क्षेत्र में काफी अच्छा काम किया है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में हमारी सफलता के बारे में सभी ने सुना है, लेकिन एआई के कारण अब यह इंडस्ट्री मुश्किलों में फंसने वाला है, ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि हम सर्विस सेक्टर में पिछड़ न जाएं, जहां हम अच्छा काम कर रहे हैं। ऐसे में हमें अब मैन्यूफै. रिंग सेक्टर में शुरुआत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज जो स्थिति है वह यह है कि चीन ने मैन्यूफैक्चरिंग पर अपना दबदबा बना लिया है। हम जो कुछ भी इस्तेमाल करते हैं, यह माइक्रोफोन, वह कैमरा, ये सब चीजें चीन में बनी हैं, और हम चाहते हैं कि ये भारत में भी बनें। ऐसा करने के लिए हमें मानसिकता बदलनी होगी।

बोले-शिक्षा महंगी नहीं होना चाहिए

राहुल गांधी ने कहा कि वो सोचते हैं कि शिक्षा बहुत महंगी नहीं होनी चाहिए। साथ ही इसका निजीकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राइवेट स्कूल और कॉलेज हो सकते हैं, लेकिन अच्छी और गुणवत्ता पूर्ण सरकारी शिक्षा की भी अपनी भूमिका है और इसके लिए सरकार को शिक्षा के बजट में पैसा लगाना होगा। दूसरी बात यह है कि रोजगार देने वाला माहौल होना चाहिए, वो भी सिर्फ सर्विस, इंडस्ट्री और आईटी सेक्टर में नहीं बल्कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भी रोजगार अवसर मिलने चाहिए, ताकि वे देश के विकास में योगदान दे सकें और युवा लड़के-लड़कियों को रोजगार मिल सके, उन्होंने कहा कि वो यही करेंगे।

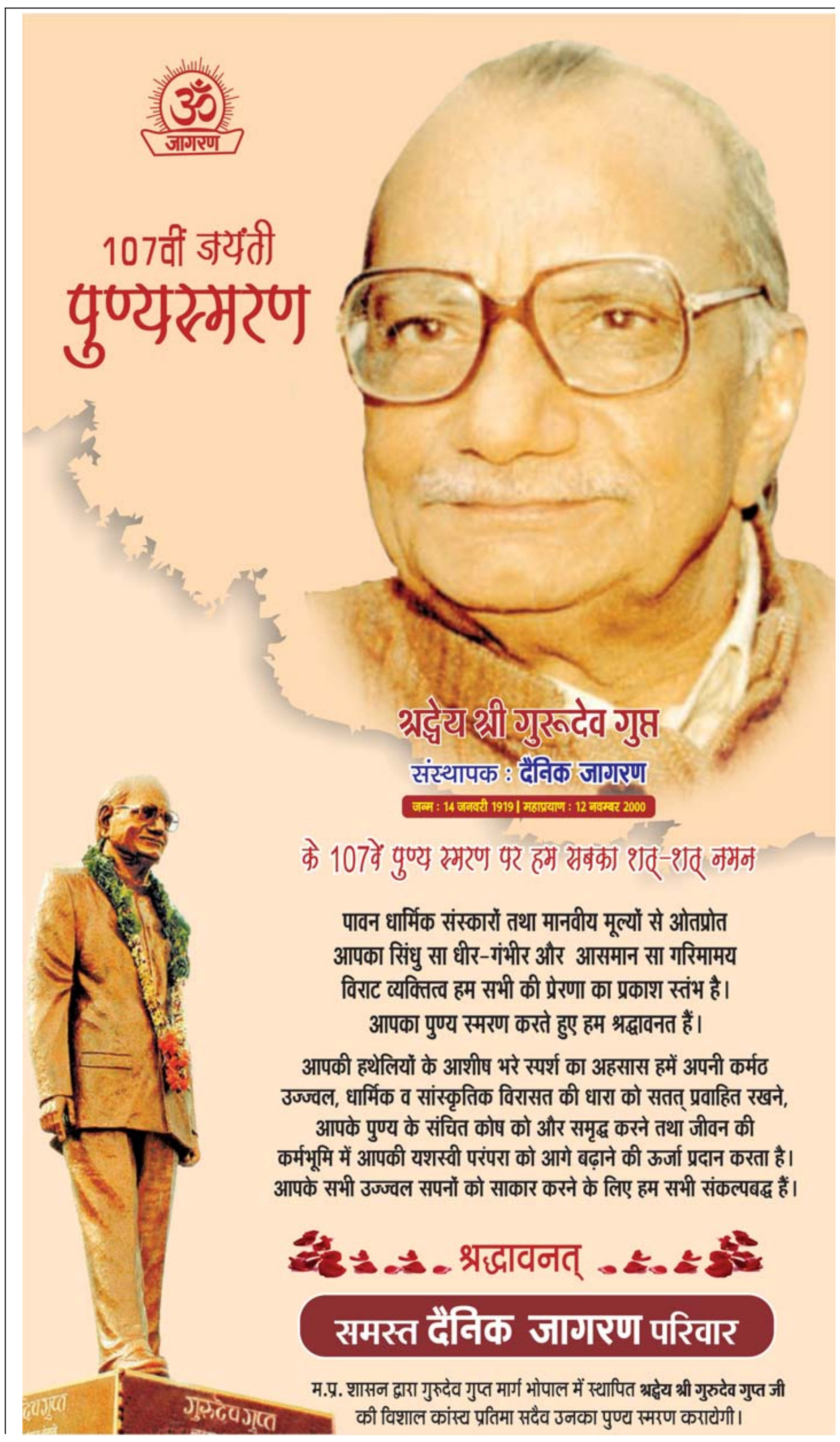

संक्षिप्त खबरें

छः राज्यों के अफसरों ने इंदौर में देखी स्मार्ट मीटरिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर द्वारा स्मार्ट मीटर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन एवं नॉलेज शेयरिंग का कार्य किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में मंगलवार को पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश, केरल, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र राज्यों के बिजली अधिकारी भारतीय प्रबंध संस्थान इंदौर से सीधे पोलोग्राउंड स्थित स्मार्ट मीटर कंट्रोल सेंटर पहुंचे। दल में स्वप्निल गर्ग, एनए देसाई, राकेश नायर, ज्ञान प्रकाश, मुनीष चौपड़ा, जीजी चंदाकर, अरविंद बैनर्जी, कौशिक मुखर्जी, केएस बत्री के साथ मिनी केवी, आशा पीए आदि शामिल थे। राज्यों के दल ने स्मार्ट मीटर की स्थापना, संचालन, उपभोक्ता संवाद, उपभोक्ता संतुष्टि, बिलिंग, छूट के साथ ही योजना क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों एवं समाधान इत्यादि के बारे में जानकारी ली। दल ने मीटरों के म्यूजियम को भी देखा, जहां 4 किग्रा वजनी मीटरों के साथ ही अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर रखे गए हैं।

स्वदेशी संकल्प दौड़ में राष्ट्र निर्माण का संदेश

भोपाल। स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी संकल्प दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि युवा दिवस से लेकर 23 जनवरी तक इस तरह के आयोजन लगातार किए जाएंगे। जिसमें विभिन्न संस्थानों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बताया गया है कि इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवा शक्ति को स्वदेशी भाव से जोड़ना, उन्हें स्वावलंबन, उद्यमिता, स्वरोजगार एवं सहकारिता की दिशा में प्रेरित करना तथा राष्ट्र सशक्तिकरण में उनकी भूमिका का आत्मबोध कराना है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को स्वदेशी अपनाने, आत्मनिर्भर बनने और राष्ट्र के आर्थिक सशक्तिकरण में योगदान देने का संकल्प दिलाया। इस आयोजन में क्षेत्रीय संगठक केशव दुबोलिया, क्षेत्रीय संयोजक सुधीर दाते, प्रांत संयोजक श्रीकांत बुधौलिया, प्रांत महिला कार्य प्रमुख सीमा भारद्वाज ,तथा भोपाल विभाग संयोजक शोभराज सुखवानी शांतनु शर्मा, सूर्यदेव सतीश विश्वकर्मा, रमन तिवारी, हरिओम सेन, वैभव पांडे, अभिनव सहित सह-प्रमुख साधना शर्मा, संगीता शर्मा, वीना जैन, मनीषा चौरासिया, प्रिया जैन, अंशिका सोनी, प्रज्ञा सेन एवं बड़ी कार्यकर्ता टीम सक्रिय रूप से कार्य कर रही है।

मराठी गौरव दिवस पर भोपाल में होगा सम्मान

भोपाल। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा स्थापित कविवर्य भास्कर रामचंद्र तांबे कृति पुरस्कारोंकी घोषणा की गई है। कैलेंडर वर्ष 2021 के लिए यह पुरस्कार कविता/नाटक और कहानी/उपन्यास की श्रेणियों में प्रदान किए जाएंगे। जलगांव के रचनाकार श्री बालकृष्ण सोनवणे को कविता/नाट्य लेखन श्रेणी में उनकी कृति समजूतदार जाणिवांचे कवाडसे को पुरस्कार के लिए चुना गया है। कहानी (कथा)/कादम्बरी (उपन्यास) श्रेणी में दो रचनाकारों को संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा। इसमें मुंबई के जयंत पवार की कृति मोरी नींद नसानी होय और सोलापुर की सुश्री गीता जोशी की कृति च्चडोकं शाबूत आहे का चयन किया गया है। मंत्री लोधी ने बताया कि इन पुरस्कारों का वितरण आगामी 27 फरवरी, 2026 को मराठी भाषा दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित होने वाले मराठी गौरव दिवसकार्यक्रम में किया जाएगा। पुरस्कृत होने वाले तीनों साहित्यकारों को सम्मान निधि के रूप में 51,000-51,000 रुपये की राशि, प्रशस्ति पत्र, शॉल और श्रीफल भेंट कर पुरस्कृत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मराठी साहित्य अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न विधाओं में श्रेष्ठ कृतियों के लिए कविवर्त भास्कर रामचंद्र तांबे पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

कहीं एसआईआर खेल न बिगाड़ दे दावेदारों का

अगले सप्ताह निगम मंडल की पहली सूची जारी होने की चर्चा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश के निगम मंडलों की राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। कहा जा रहा है कि खरमास खत्म होते ही सूचियां जारी होने लगेगी। लेकिन खबर यह भी है कि एसआईआर में मंत्रियों से लेकर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी नए सिरे से तय की गई है,ऐसे में कयास लगाए जा रहे है कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया होने तक निगम मंडलों की नियुक्तियों को रोका जा सकता है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में निगम मंडल,प्राधिकरण और आयोग सहित कई सरकारी संस्थाओं में अध्यक्ष उपाध्यक्ष के पद से लेकर सदस्यों तक की राजनीतिक नियुक्तियां की जानी है। इसके लिए प्रदेश से लेकर दिल्ली और संघ स्तर पर भी मंथन पूरा हो चुका है। कहा जा रहा है कि खरमास शुरु होते ही सरकार एक दर्जन से ज्यादा पदों पर नियुक्तियां करने की सूची जारी कर देगी। इसके उपरांत फरवरी माह में शेष सूचियां जारी होगी। लेकिन इन संभावनाओं के बीच सूत्रों से आ रही खबर नियुक्तियों को कुछ दिनों के लिए टाल सकती है। कहा जा रहा है कि जिस तरह से प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया जारी है और जिस तरह से प्रदेश भर में मतदाता सूची से नाम काटे गए है,उससे भाजपा चिंतित है और इसके लिए वरिष्ठ नेताओं और सरकार के मंत्रियों को स्वयं मैदान संभालने को कहा गया है। बताया गया है कि मंत्रियों को उनके प्रभार वाले जिलों के अलावा उनके खुद के गृह क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है,कि वे स्वयं इस बात की पुष्टि करें कि उनके मतदाताओं के नाम किसी कारण वश सूची से पृथक तो नहीं हो रहे है। भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व के सामने यह बात रखी गई है कि यदि राजनीतिक नियुक्तियां शुरु हो जाएगी,तो एसआईआर के काम में लगा पदाधिकारी और कार्यकर्ता प्रभावित हो सकता है,जिससे एसआईआर को लेकर तय लक्ष्य पूरा नहीं होगा। ऐसे में जब तक यह प्रक्रिया जारी रहती है,तब तक नियुक्तियों की सूचियों को जारी नहीं किया जाए।

कुछ को मंत्री बनने की उम्मीद

सूत्रों का कहना है कि पहली सूची में कुछ ऐसे विधायकों को नाम भी निगम मंडल,प्राधिकरण व आयोग के अध्यक्ष उपाध्यक्ष पदों के लिए तय जाने जा रहे है,जिन्हें अभी भी प्रदेश मंत्रिमण्डल के विस्तार में खुद के मंत्री बनने की उम्मीद है,तो बतौर मंत्री रहे उपचुनाव हार चुके रामनिवास रावत को भरोसा कि उनके चुनाव को लेकर चल रही न्यायायिक प्रक्रिया के जरिए उन्हें न्याय मिलेगा। ऐसे में वे फिलहाल निगम मंडल में राजनीतिक नियुक्ति के पक्ष में नहीं है।

एक दर्जन नाम पर सहमति की खबर

इधर प्रदेश में 12 निगम मंडलों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए नामों की पहली सूची पर मुहर लगा दी गई है। जिसे 14 जनवरी के उपरांत जारी किया जा सकता है। इस सूची में भाजपा के उन बड़े नेताओं को कैबिनेट या राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त पद देने की तैयारी की जा रही है,जो कभी मंत्री व वजनदार पदों पर काम कर चुके है। इनमें संघ करीबी माने जाने वाले सहकारिता मंत्री रहे अरविंद सिंह भदौरिया,कृषि मंत्री कमल पटेल, कांग्रेस से भाजपा में आकर मंत्री बनें रामनिवास रावत और निगम अध्यक्ष रही चुकी केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक इमरती देवी के अलावा कुछ मौजूदा वरिष्ठ विधायकों के नाम इस सूची में शामिल बताए जा रहे है।

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में लागू होगा ई-विधान

ई-विधान को लेकर विधानसभा में हुई मंत्रणा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से ई-विधान लागू किया जा सकता है। इस पर मंगलवार को स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव,उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा व राजेन्द्र शुक्ल और संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ मंत्रणा की। बैठक में विधायकों के वेतन भत्तों और उनके आवासों को लेकर भी च र्चा की गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मौजूदगी में विधानसभा से जुड़े मुद्दों और अगले बजट सत्र को लेकर चर्चा की गई। जानकारों की माने तो इस बैठक में विधायकों के वेतन भत्तों के लिए बनाई गई कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा की गई। कहा जा रहा है कि इस रिपोर्ट के बाद विधायकों के वेतन भत्ते बढ़ाने का प्रस्ताव बजट सत्र से पहले कैबिनेट में लाया जाएगा। इसके बाद इसे विधानसभा में लाकर मंजूरी दी जा सकती है।

इसके अलावा बैठक में विधायकों के विश्राम गृह कैम्पस में नए आवास बनाने और पेड़ों को काटने को लेकर विवाद के बाद उनसे समाधान पर भी चर्चा की गई। गौरतलब है कि विधानसभा में ई-विधान लागू करने की पिछले जून माह से तैयारी की गई थी।

हर हाल में इसी माह सभी पैक्स तब्दील हो ई-पैक्स में: सांरग

विसं भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अधिकारियों से कहा है कि हर में जनवरी माह के अंत तक राज्य की सभी पैक्स ई-पैक्स में परिवर्तित होनी चाहिए। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिलों में आई.टी. सेल, नवाचार सेल एवं सीपीपीपी सेल के गठन किए जाए।

मंत्री सारंग मंगलवार को अपेक्स बैंक में सहकारिता विभाग के संभागों में पदस्थ संयुक्त आयुक्तों एवं जिलों में पदस्थ उप एवं सहायक आयुक्तों के साथ विभागीय कार्यो की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ई-पैक्स व्यवस्था से पारदर्शिता और गति आएगी तथा किसानों एवं सदस्यों को समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध होंगी। इनके कार्यों की पाक्षिक समीक्षा की जाए तथा रिपोर्ट उच्च स्तर पर प्रस्तुत की जाए, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में निरंतर निगरानी बनी रहे। उन्होंने कहा कि समस्त मैदानी अधिकारी सीपीपीपी मॉडल को व्यवहार में लाकर सहकारिता संस्थाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और व्यवसायिक रूप से सक्षम बनाएं।

बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता डी.पी. आहूजा, आयुक्त सहकारिता श्री मनोज पुष्प, प्रबंध संचालक (उपभोक्ता संघ) ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक महेंद्र दीक्षित, प्रबंध संचालक (अपेक्स बैंक) मनोज गुप्ता सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हॉक फोर्स के 61 जवानों को मिलेगा आउट ऑफ टर्म प्रमोशन, डीजीपी ने दी मंजूरी

पिछले साल जून में मार गिराए थे चार नक्सली, कार्रवाई में इन जवानों ने लिया था भाग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा मे एंटी नक्सल ऑपरेशन के दौरान चार नकस्लियों को मार गिराने वाली हॉक फोर्स के 60 जवानों को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन देने की मंजूरी दे दी है। हॉक फोर्स के इन जवानों ने पिछले साल 14 जून को बालाघाट जिले के रूपझर थाना इलाके में पचामादादर-कटेझिरिया के दुर्गम जंगली और पहाड़ी इलाके में केजीआरबी के मलाजखंड दलम के माओवादियों रीता हिड़ामी, सुमन, तुलसी उर्फ इमला एवं रवि मडावी को एनकाउंटर में मार गिराया था। इस ऑपरेशन में शामिल हॉक फोर्स के स्टाफ को आउट ऑफ टर्म प्रमोशन के लिए आईजी बालाघाट ने 61 जवानों के नाम का प्रस्ताव डीजीपी को भेजा था। सोमवार को इस पर सहमति देते हुए सक्षम स्तर पर अग्रिम कार्यवाही के निर्देश उन्होंने संबंधित शाखाओं को जारी कर दिए हैं। हालांकि इनमें से एक प्रधान आरक्षक संत कुमार धुर्वे के खिलाफ जिले के लांजी थाने में दर्ज एफआईआर के कारण उसका लिफाफा बंद रखा गया है।

इन्हें मिलेगा आउट ऑफ टर्म प्रमोशन

सब इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर- : विपिनचंद्र खलको, इंदर सिंह विदूरी, शुभम प्रताप सिंह तोमर, रत्नेश मीणा, नर्बदेश श्रीवास्तव

एसआई से सब इंस्पेक्टर - मुनेंद्र सिंह

हेड कॉन्स्टेबल से एएसआई - रुद्रीचंद्र जखमोला, अनिल सिंह भदौरिया, मत्ते सिंह मरावी, उच्जवल घोरमारे, मनोज कुमार यादव, देवेंद्र धुर्वे, रवेंद्र कुशवाह, हरेंद्र सिंह, प्रदीप गोसाई, निवोद कुमार मर्सकोले, उमेश कुमार पटेल, विकाश कुमार राजपूत

आरक्षक से हेड कॉन्स्टेबल - मुकेश सगर, विवेक परस्ते, राघवेंद्र सिंह गुर्जर, आशीष रजक, शिवहरी मरावी, प्रवीण धुर्वे, टीकाराम ढकालु, प्रवीण कुमार, अमित यादव, राम आशीष यादव, संदीप शर्मा, लोकपाल धाकड़, कृष्णा श्रेष्ठ, जितेंद्र सिंह पटेल, वीरसिंह, शंकरचंद सरयाम, सुनील परियार, चंद्रकांत पांडे, सत्यम द्विवेदी, सुनील यादव, देवराज कलमें, सुरेंद्र सिंह मार्को, सुशील उईके, रामलाल भील, उमेश चंद्र दुबे, संतोष कुमार मरावी, प्रदीप कुमार परते, राजा मालवीय, विशाल कुमार सिंह, नरेंद्र सोनवे, दीपक पवार, कन्हैया मरकाम, सुनील सिंह कुशवाह, मुलायम सिंह, वरुण देव सिंह चाहर, मुनीष कुमार द्विवेदी, नीलेश, महेंद्र सिंह, रवि कुमार यादव, छठु यादव, सलेश कुमार द्विवेदी एवं संजू शर्मा

स्कूल शिक्षा विभाग के समय पर कार्य नहीं होने पर एजेंसियों पर लें एक्शन: मंत्री सिंह

विसं भोपाल। प्रदेश में अगले शैक्षणिक सत्र से पहले शासकीय विद्यालयों व अन्य आवासों का कार्य पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। विभागीय मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने अधिकारियों से कहा कि जो निर्माण एजेसी निर्धारित समय सीमा पर काम नहीं करती,तो उनके खिलाफ मापदण्ड के अनुरुप एक्शन लिया जाए।

मंत्री सिंह मंगलवार को मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी वर्किंग एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि कोई एजेंसी तय टाइमलाइन में कार्य पूर्ण नहीं करती है, तो उसके विरुद्ध निर्माण अनुबंध की शर्तों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग बोर्ड, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, पीआईयू, आईडीए, बीडीए, यूडीए और भवन विकास निगम सहित विभिन्न वर्किंग एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। सिंह ने निर्देश दिए कि मासिक आधार पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाए तथा स्टेप-बाय-स्टेप और मंथ-बाय-मंथ लक्ष्य तय कर निर्माण कार्य पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक एजेंसी अपनी कार्ययोजना स्पष्ट रूप से विभाग को उपलब्ध कराए।मंत्री सिंह ने स्कूल शिक्षा विभाग में एक तकनीकी विंग गठित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह विंग विभागीय जांच दल के रूप में कार्य करेगा और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, प्रगति एवं मानकों की नियमित जांच करेगा। उन्होंने कहा कि चेक एंड बैलेंस का मजबूत सिस्टम विकसित किया जाना आवश्यक है, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उन्होंने सभी वर्किंग एजेंसियों को निर्देश दिए कि वे थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से विभाग को प्रस्तुत करें, ताकि निर्माण कार्यों की निष्पक्ष और तकनीकी जांच सुनिश्चित हो सके। बैठक में सांदीपनि विद्यालयों से संबंधित प्रयोगशालाओं, अतिरिक्त कक्षों, खेल मैदानों एवं अन्य शैक्षणिक अधोसंरचना से जुड़े निर्माण कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस मौके पर सचिव स्कूल शिक्षा डॉ संजय गोयल एवं आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय श्रीमती शिल्पा गुप्ता भी उपस्थित रहीं।

प्रदेश के वनों के समीप गांव बनेंगे क्षीर धारा ग्राम

विसं भोपाल। प्रदेश के सभी वन क्षेत्रों-अभयारण्यों-राष्ट्रीय उद्यानों की पांच किलोमीटर परिधि में स्थित ग्रामों को क्षीर धारा ग्राम के रुप में विकसित किया जाएगा। यह कार्य पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा किया जाएगा। इन ग्रामों का चयन चरणवद्ध तरीके से किया जाएगा।

वनों के समीप पशुओं सुरक्षा को लेकर सरकार ने बड़े कदम उठाए है। इसके लिए दो चरणों में रणनीति तय की गई है। जिससे पशुपालकों की आजीविका सुरक्षा एवं वन संपदा के संरक्षण किया जा सके। प्रत्येक वन मंडल से कुछ ग्रामों को क्षीर धारा ग्राम योजना के निर्धारित मापदंडों के आधार पर पहले चरण के लिए चयनित किया जाएगा। इस चयन में कम पशु संख्या वाले, जागरूक पशुपालक तथा सक्रिय सदस्यों वाली संयुक्त वन प्रबंधन समिति के ग्रामों को प्राथमिकता दी जाएगी। इन ग्रामों में शत-प्रतिशत उच्च नस्ल से गर्भाधारण, पशु स्वास्थ्य (टीकाकरण व टैगिंग) एवं हरा चारा उत्पादन पर तत्काल ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दूसरे चरण में शेष सभी पात्र ग्रामों को योजना में शामिल किया जाएगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने और वन-वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इसके लिए अब एक नई पहल की गई है। इस पहल के अंतर्गत वन क्षेत्रों के समीपस्थ ग्रामों में रहने वाले पशुपालकों के सतत विकास, उनकी आजीविका में सुधार तथा वन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के बीच सामंजस्य स्थापित किया जाएगा।

थाने में एफआईआर के बाद स्लाटर हाउस में पदस्थ प्रभारी अधिकारी निलंबित

जागरण संवाददाता, भोपाल। जहांगीराबाद स्लाटर हाउस में काम में लापरवाही करने वाले और वाहनों में मांस को ले जाते समय ओके रिपोर्ट देने वाले नगर निगम भोपाल में पदस्थ पशु चिकित्सा सहायक डॉ. बेनी प्रसाद गौर को संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने निलंबित कर दिया है। डॉ. बेनी प्रसाद गौर स्लाटर हाउस में प्रभारी के रूप में पदस्थ थे। माना जा रहा है कि स्लाटर हाउस के अंदर हुए गौवध और वाहनों में मांस भरते समय दी गई रिपोर्ट में उन्होंने जानबूझकर लापरवाही की है। जिसके चलते नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने रिपोर्ट देते हुए जानकारी दी थी कि डॉ. गौर के पास स्लाटर हाउस के मैनेजमेंट, जांच और विभाग से समन्वय का जिम्मा था। आयुक्त की रिपोर्ट में जिक्र है कि पिछले दिनों गौमांस के संदिग्ध परिवहन में जहांगीराबाद थाने में दर्ज एफआईआर में भी सामने आया था कि प्रभारी अधिकारी ने काम में लापरवाही की है और यह लापरवाही गंभीर है। निगम आयुक्त की रिपोर्ट को देखते हुए संभाग आयुक्त सिंह ने पाया कि डॉ. गौर ने सौंपे गए दायित्वों के प्रति लापरवाही बरती और अपने काम का निर्वहन ठीक ढंग से नहीं किया।

योजना

कृषि लोकरंग का आयोजन 26 जनवरी से

प्रदेश में खेती-किसानी से जोड़ा जाए युवाओं को : सीएम

विशेष संवाददाता,भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि कृषि वर्ष के दौरान ग्रामीणों,युवाओं और विद्यार्थियों को भावनात्मक रुप से खेती - किसानी से जोड़ने के प्रयास किए जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सफल किसानों के एग्री बिजनेस मॉडल का प्रदर्शन किया जाए,जिससे दूरे किसानों को प्रेरणा मिल सके।

सीएम मंगलवार को अपने निवास स्थिच समत्व भवन में कृषि लोकरंग - 2026 के आयोजन की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। कृषि लोकरंग आगामी 26 से 30 जनवरी 2026 तक मनाया जाएगा। बैठक में सीएम ने कहा कि अब प्रदेश में कृषि आधारित रोजगारपरक उद्योगों के समावेशी विकास लक्ष्य को लेकर कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। किसान कल्याण,स्वाभिमान एवं पर्व कृषि ग्राम सभा जैसे आयोजन सहित कृषि से जुड़े उन्नत उपकरणों के क्रेता-विक्रेताओं का सम्मेलन, कृषि उत्सव और किसान मेले भी आयोजित किए जाएंगे। डॉ. यादव ने कहा कि कृषि लोकरंग वास्तव में ग्राम पंचायतों एवं विकास खंड स्तर पर नागरिकों और युवाओं को खेती से जोड़ने और इसके व्यापक लोकव्यापीकरण का प्रयास है। लोकरंग के दौरान प्रदेश के बड़े कस्बों और बड़े शहरों में सरकार द्वारा कृषि और किसानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी सांस्कृतिक एवं नाट्य प्रस्तुतियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से दी जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि हमारी सहज परम्पराओं और धार्मिक अनुष्ठानों को भी कृषि से जुड़े विषयों से जोड़ा जाए।

टैबलेट लेकर कैबिनेट में पहुंचे मंत्री सीएम बोले पेयजल पर रखें नजर

विशेष संवाददाता, भोपाल। सरकार के मंत्री मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में भाग लेने के लिए टैबलेट लेकर पहुंचे और उन्होंने स्कोल कर मुद्दे पर चर्चा में भाग लिया। इस मौके पर सीएम ने अपने मंत्रियों से कहा कि उन्हें राज्य में स्वच्छ जल अभियान पर नजर रखनी है। उन्होंने बताया कि 15 जनवरी को बाबई नर्मदापुरम से लाडली बहनों के खाते में जनवरी माह की 1500 रूपये की किश्त डाली जाएगी। कैबिनेट की बैठक से पहले अपने मंत्रियों के साथ चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि राज्य में स्वच्छ जल अभियान प्रारम्भ हो चुका है। पहला चरण 10 जनवरी से 28 फरवरी और द्वितीय चरण एक मार्च से 31 मार्च के मध्य संचालित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी को शुद्ध पेयजल देने के लिए प्रतिबद्ध है। आम नागरिकों की पेयजल समस्या के लिये हर मंगलवार को जल सुनवाई की भी व्यवस्था रखी गई है। अभियान के तहत समस्त जल शोधन यंत्र और पेयजल संग्रहण टंकियों की सफाई होगी, जिसकी निगरानी जीआईएस मैप आधारित एप से होगी। पेयजल संबंधी शिकायतों को 181 पर दर्ज करने की विशेष व्यवस्था की गई है। डॉ. यादव ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती युवा दिवस से प्रारंभ किया गया है। यह अभियान चार चरणों में 31 मार्च तक चलेगा। इस अभियान में शासन की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिया जाएगा। इसमें 16 विभागों की 91 योजनाएं/सेवाएं शामिल है। यह नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र दोनों में साथ-साथ चलेगा। डॉ. यादव ने मकर संक्रांति की अग्रिम मंगलकामनाएं दी। इस मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 10 जनवरी को भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित विशाल किसान सम्मेलन में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्षच के रूप में मनाने की घोषणा की गई।

मकर संक्रांति के दिन लाड़ली बहनों के खातों में आएंगे 15 सौ

समाधान योजना के परिणामों को लेकर नाराजगी जताई मंत्री ने

विसं भोपाल। समाधान योजना के क्रियान्वयन में कोताही पर सख्त कार्यवाई की जाएगी। अभी तक योजना में अपेक्षित प्रगति परिलक्षित नहीं हो रही है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात मंगलवार को विभागीय योजना की समीक्षा के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि इस योजना की सफलता में कम्पनी का भविष्य भी निहित है। तोमर ने कहा कि कितना बिजली बिल बकाया है, कितना वसूली योग्य है और कितना वसूली योग्य नहीं है, इसकी पूरी जानकारी दें। उन्होंने कहा कि बड़े डिफॉल्टरों के विरूद्ध पहले कार्यवाई करें।

613 करोड़ 26 लाख रुपए जमा

समाधान योजना में अभी तक 613 करोड़ 26 लाख रूपये उपभोक्तओं द्वारा जमा कराएं जा चुके है। इन उपभोक्ताओं के 271 करोड़ रूपये के सरचार्ज माफ किये गए है। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अंतर्गत 115 करोड़ 58 लाख, मध्य क्षेत्र में 395 करोड़ 96 लाख और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी में 101 करोड़72 लाख रूपये जमा हुए हैं। मंत्री ने आरडीएसएस के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। बिजली अवरूद्ध होने की जानकारी उपभोक्ताओं को कारण सहित दें। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को उनके घरों में विद्युत उपयोग की क्षमता के अनुसार लोड स्वीकृत कराने के लिये समझाइश दें। बैठक में सचिव ऊर्जा विशेष गढ़पाले एवं तीनों विद्युत वितरण कम्पनियों के चीफ इंजीनियर उपस्थित थे।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 26.8°c | न्यूनतम 8.0°c

राजधानी में सर्दी का मौसम शुरू हो गया है, आज भी तापमान गिर सकता है

संक्षिप्त खबरें

राजधानी में दो युवकों ने फांसी लगाकर दी जान

जागरण, भोपाल। अशोकागार्डन थाना क्षेत्र में युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिससे आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय रासिद उर्फ शेरू आजादनगर झुग्गी में रहता था। वह तीन में भाइयों बीच का था। तीनों भाइयों में अभी तक किसी की भी शादी नहीं हुई है। उनके माता पिता का देहांत हो चुका है। रासिद नशे का आदी था। शाम 6 बजे उसका छोटा भाई शदम काम करके घर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक खटखटाने के बाद जब उसने दरवाजा तोड़ा तो रासिद फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इधर, बिलखिरिया इलाके में युवक ने खेत में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय होशियार सिहं रायसेन के रहने वाले थे, वह खेती किसानी करते थे। पिछले सात साल से वह मानसिक रूप से परेशान थे। परिजन उनका भोपाल में इलाज भी करवा रहे थे। सोमवार को वह घर से बिना बताए कहीं चले गए थे। इसके बाद उनका शव शाम 7 बजे नीम के पेड़ पर गमछे से बने फांसी के फंदे पर लटका मिला।

दो मादक तस्कर गिरफ्तार एमडी ड्रग व मोबाइल बरामद

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। क्राइम ब्रांच ने दो मादक तस्करों को गिरफ्तार कर 10.49 एमडी ड्रग व दो मोबाइल जब्त किए हैं। मादक पदार्थ और मोबाइल की कुल कीमत 3.14 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक, मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बाहुबली सेल के बगल में खाली मैदान एमपी नगर जोन-1 से एक्टिवा पर खड़े दो लड़कों को दबोचा था। तलाशी लेने पर उनकी उनके पास एमडी ड्रग मिला। वह किसी ग्राहक को ड्रग बेचने की फिराक में खड़े थे। एमडी ड्रग पारदर्शी पन्नी में रखी थी। आरोपियों की पहचान अयान उर्फ अरबाज (25) पिता अनीस युसुफ खान निवासी बुधवारा चार बत्ती चौराहा थाना कोतवाली और अनस खान (18) पिता मो. मुश्ताक खान निवासी ताज कालोनी थाना शाहजहांनाबाद के रूप में हुई। तौल कराने पर 10.49 ग्राम एमडी निकली। पुलिस ने मादक पदार्थ और उनके मोबाइल जब्त कर लिए हैं।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर एक युवक के साथ ठगी हो गई। जालसाज ने उसे वाट्सएप पर लिंक भेजकर खाते में 1.21 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। पैसे कटने के बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद सायबर पुलिस में शिकायत की थी, जिसकी जांच के बाद केस कमला नगर थाना को भेजा गया। जहां पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, 48 वर्षीय तेजेंद्र सिंह कोटरा सुल्तानाबाद में रहते हैं। वह प्रायवेट ड्राइविंग करते हैं। 6 दिसंबर 2025 की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे उनके वाट्सएप पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉलर ने खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए कहा कि तुम्हारे पास जो क्रेडिट कार्ड है, आप उसकी लिमिट बढ़वा सकते हो। इस बीच जालसाज ने उनके वाट्सएप पर एक लिंक भेजकर बताया कि उक्त लिंक को ओपन कर उसमें दी गई सभी जानकारी आपको देना होगा। इसके बाद क्रेडिट कार्ड की लिमिट बैंक द्वारा बढ़ा दी जाएगी।

परिषद बैठक में गौवध को लेकर हंगामा, अध्यक्ष बोले परमानेंट बंद हो स्लाटर हाउस, राजधानी नहीं बनेगी मांस की मंडी

लाइव स्टॉक आजीवन के लिए प्रतिबंधित, 11 कर्मचारी निलंबित होंगे, महापौर व एमआईसी पर कार्रवाई को लेकर कांग्रेस का वॉकआउट

जागरण संवाददाता, भोपाल। 2026 की पहली नगर निगम परिषद की बैठक में भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के हंगामे की भेंट चढ़ गई। कांग्रेस के आंसदी के सामने प्रदर्शन और हंगामे के कारण न तो प्रश्नकाल हो सका और न ही मेयर इन काउंसिल द्वारा लाए गए प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए कांग्रेसी पार्षद सदन में रुके। कांग्रेस पार्षद दल स्लाटर हाउस में हो रही गौहत्या में महापौर मालती राय, एमआईसी सदस्यों और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उन पर कार्रवाई को लेकर अड़े थे। जिसके बाद नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने इस मुद्दे की सबसे पहले चर्चा कराए जाने की कांग्रेस की अनुशंसा को स्वीकार कर लिया।

कार्यपालन यंत्री की भूमिका संदिग्ध

नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने बताया कि स्लाटर हाउस के संचालन पर मप्र हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी, लेकिन कार्यपालन यंत्री उदित गर्ग के प्रयासों से यह रोक हट गई। 13 अगस्त 25 को इसका संचालन लाइव स्टॉक को दिया गया।

बैठक से बाहर निकल गए भाजपा पार्षद

इसके बाद भाजपा के पार्षद देवेन्द्र भार्गव सभी आरोपियों के सस्पेंशन ऑर्डर निकलवाने की मांग पर अड़ गए। उन्होंने निगम पार्षद होने के नाते इसे अपनी नैतिक जिम्मेदारी बताया। उन्होंने सस्पेंड न होने के चलते इस्तीफा देने की बात कहते हुए परिषद से जाने की बात कही और बाहर चलेगा। इसके बाद परिषद 20 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

एमआईसी ने सार्वजनिक कर दिए आरोपियों के नाम

दोपहर 2.34 रविन्द्र यति ने इसे नाजायज मांग बताते हुए सभी आरोपियों के नाम सार्वजनिक कर दिए। अब्दुल रहमान, ईसा मोहम्मद खान, मोहम्मद फैजान खान, वहीद खान, राजा खान, सलीम, बशीर खान, यूसुफ खान, अब्दुल हकीम और मोहम्मद रफीक सहित एक अन्य व्यक्ति का नाम लिया। एमआईसी यति के अनुसार इनकी नियुक्ति एमआईसी और परिषद ने नहीं की। इसलिए हमारी जिम्मेदारी कैसे हो सकती है। भाजपा के सभी पार्षद अपनी कुर्सियों से नीचे उतरकर आसंदी के सामने बैठ गए। एमआईसी का तर्क था कि 2022 में स्लाटर हाउस का काम शुरू हुआ तो निगम में प्रशासक थे। वर्तमान की परिषद का कोई भी पार्षद अस्तित्व में नहीं था। कांग्रेस एमआईसी काउंसिल पर कार्रवाई के लिए अड़ी रही। इस पर यति ने आरोप लगाया कि मध्य विधानसभा के एक नेता को बचाने के लिए कांग्रेस यह सब कर रही है। इसी नेता का पैसा स्लाटर हाउस में लगा हुआ है। दोपहर 2.38 मामले को देखते हुए निगम अध्यक्ष ने सभी पार्षदों के सामने नगर निगम आयुक्त जैन से स्पष्टीकरण मांगा। आयुक्त ने कहा कि जो भी निर्णय परिषद द्वारा लिया जाएगा और आसंदी से निर्देश जारी होगा। उसका हम पालन करेंगे। इस पर नेता प्रतिपक्ष जकी ने कहा कि आयुक्त क्यों स्पष्टीकरण देंगी। स्पष्टीकरण तो महापौर को देना चाहिए। इसके कुछ देर बाद कांग्रेस के पार्षदों ने परिषद से वॉक आउट कर दिया।

इस तरह हुआ घटना क्रम

दोपहर 12.30 : भाजपा पार्षद देवेन्द्र भार्गव परिषद बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे। हालांकि वे जैकेट पर गौवध के विरोध में कागज के पोस्टर लगाकर पहुंचे थे।

दोपहर 12.40 : कांग्रेस पार्षदों ने गौ हत्या को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। पार्षद दल सबसे पहले इसी मुद्दे पर चर्चा को लेकर अड़ा हुआ था। कांग्रेसी महापौर का इस्तीफा भी मांग रहे थे।

दोपहर 1.00: एमआईसी सदस्य आरके सिंह बघेल ने मामले में उच्च स्तरीय जांच करवाने के लिए समिति गठित करने की मांग की, लेकिन पार्षद दल हंगामा करते हुए आसंदी के सामने प्रदर्शन करते हुए नीचे बैठ गए। सभी ने एक स्वर में महापौर का इस्तीफा मांगा। महापौर बोलीं इस विषय पर चर्चा की जरूरत नहीं, सीधे दोषियों पर कार्रवाई हो। लेकिन कांग्रेस दल असलम चमड़ा के साथ दोषी अधिकारी, महापौर मालती राय और एमआईसी सदस्यों की भी जवाबदेही तय कर कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

दोपहर 1.05 : कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान गुड्डू ने सदन को बताया कि स्लाटर हाउस के संचालन का एमआईसी द्वारा गोपनीय तरीके से पास किया गया था। इस पर परिषद में चर्चा नहीं हुई थी।

दोपहर 1.10 : अध्यक्ष बोले इसके पहले भी स्लाटर हाउस का संचालक असलम कुरैशी चमड़ा विवादों में रहा है। उसके बाद भी नियमों के विपरीत जाकर स्लाटर हाउस के संचालन का ठेका इसे दिया गया। यह गहन जांच का विषय है। अध्यक्ष ने आसंदी से निगम आयुक्त को निर्देश दिए कि संचालनकर्ता कंपनी लाइव स्टॉक को आजीवन के लिए ब्लैक लिस्टेड किया जाए। भविष्य में ये फर्म काम के लिए किसी भी तरह से पार्टिसिपेट ही नहीं कर पाए। जो 11 कर्मचारी स्लाटर हाउस में काम कर रहे हैं, उन्हें निलंबित किया जाए। लाभ दिलाने वाले अधिकारियों को भी जांच के बाद निलंबित किया जाए। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से थाने में शिकायत क्यों नहीं की गई? जिन भी कर्मचारी व अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका हो, उन्हें जांच के दायरे में लाया जाए। सूर्यवंशी ने कहा कि राजधानी में स्लाटर हाउस की क्या आवश्यकता है? इस स्लाटर हाउस को परमानेंट बंद कर दिया जाए और भोपाल को मांस की मंडी नहीं बनने देंगे।

829 कालोनियों को मिलेगा निजी कनेक्शन

स्लाटर हाउस को लेकर हंगामे के बाद नगर निगम की परिषद की बैठक में शहर विकास से जुड़े तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। हालांकि इस दौरान कांग्रेस पार्षद दल का एक भी व्यक्ति परिषद में मौजूद नहीं था। कांग्रेस के सभी पार्षद अपनी मांगों के पूरी न होने के कारण परिषद से वॉक आउट कर गए थे, लेकिन आंसदी ने बहुमत के आधार पर तीनों प्रस्तावों को परिषद में पास करवाया।

योजना पर 874 करोड़ होंगे खर्च

शहर की 1566 कालोनियों में से 829 में पेयजल सप्लाई बल्क कनेक्शन से होती है। अब इन कालोनियों के रहवासियों को निजी कनेक्शन मिल सकेंगे। हालांकि इन कालोनियों में पानी सप्लाई आउटसोर्सिंग के माध्यम से होगी। इन कालोनियों के 74905 आवासों में स्मार्ट मीटर के जरिए पानी की सप्लाई होगी। प्रत्येक घर पर 9709 का खर्च आएगा। योजना पर कुल 874.34 करोड़ खर्च होंगे, जिसमें 801 करोड़ वाल्वमैन, ऑपरेटर, सुपरवाइजर और इंटरकनेक्शन पर और 72.73 करोड़ स्मार्ट मीटर पर खर्च होंगे। पानी सप्लाई आउटसोर्सिंग के जरिए होगी। निगम इन कालोनियों को बल्क कनेक्शन देगा और 17 रुपए प्रति हजार लीटर पानी के वसूलेगा। बाकी की राशि एजेंसी कालोनी के लोगों से वसूलेगी। यह व्यवस्था उन कालोनियों में होगी जहां से 70 फीसदी लोगों की सहमति मिलेगी। भविष्य में कालोनी नगर निगम को जलप्रदाय व्यवस्था हस्तांतरित नहीं कर सकेगी।

सस्ता होगा मैरिज सर्टिफिकेट बनवाना

नगर निगम से मैरिज सर्टिफिकेट बनवाना आसान होगा। विवाह के 60 दिन तक अप्लाई करने पर 130 रुपए देने होंगे। इसके बाद 60 दिन तक 1100 रुपए लगेंगे। पहले यह शुल्क 1100 रुपए था और विलम्ब करने पर 500 रुपए सालाना लेट फीस लगती थी। अधिकतम शुल्क 5 हजार तय था। अब अधिकतम शुल्म 1100 रुपए तय कर दिया गया है।

ग्रीन म्युनसिपल बॉन्ड से जुटाई जाएगी राशि

अमृत 2.0 के तहत जलप्रदाय, सीवेज परियोजना के चार पैकेज और बड़ा तालाब, कलियासोत नदी और शाहपुरा तालाब के जीर्णोद्धार पर 1757 करोड़ 20 लाख का खर्च होना है। इस राशि में से 25 फीसदी राशि केंद्र, जबकि 58 फीसदी राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। शेष 17 फीसदी राशि ग्रीन म्युनसिपल बॉन्ड के जरिए जुटाई जाएगी। यानि केंद्र व राज्य सरकार से 1263.5 करोड़ की राशि मिलेगी। शेष 493.49 करोड़ रुपए की राशि की व्यवस्था निगम को स्वयं के स्रोतों से करनी होगी। इसमें से 200 करोड़ ग्रीन म्युनसिपल बान्ड के जरिए जुटाए जाएंगे।

छात्रा की हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार, 3 दिन की रिमांड पर

चरित्र संदेह के चलते तुषार ने छात्रा से की थी मारपीट, नीचे गिरने से हुई थी मौत

लखनऊ, दिल्ली, विशाखापट्नम में काटी फरारी, भोपाल लौटने पर दबोचा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। चूनाभट्टी पुलिस ने छात्रा के साथ मारपीट कर हत्या करने वाले आरोपी तुषार कपिल को गिरफ्तार कर लिया है। उसने लखनऊ, दिल्ली, विशाखापट्नम में फरारी काटी। भोपाल आने पर पुलिस ने उसे आरआरएल चौराहे के पास से दबोच लिया। प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह छात्रा के चरित्र पर संदेह करता था। इसे लेकर कुछ दिन से उनके बीच झगड़ा हो रहा था। घटना के रोज उसे बात करने के लिए बुलाया था। जहां उनके बीच कहासुनी हुई। गुस्से में आकर उसने छात्रा के साथ मारपीट कर दी थी। इस बीच वह छत से नीचे गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे 5 दिन की रिमांड पर लिया है। जहां उससे पूछताछ जारी है।

शव को रखकर किया था चक्काजाम

गुरुवार को शव का पीएम हुआ। परिजनों ने दानिश चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। करीब आधा घंटे त मिसरोद रोड एक की लेन पर जाम रहा। हंगामा होते देख पुलिस मौके पर पहुंच गई। परिजनों की मांग थी कि बेटी की हत्या की गई है। दोषी को फांसी की सजा मिले। पुलिस की समझाइश के बाद परिजन माने और शव लेकर चले गए।

साक्ष्यों के आधार पर हत्या का केस

परिजन के बयान औ परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी तुषार कपिल के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया। तब से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस की टीम उसे खोज रही थी। सोमवार रात आरोपी के भोपाल आने पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस की जांच जारी है।

पूरे शरीर पर थे चोट के निशान

चुनाभट्टी थाना प्रभारी धर्मेंद्र मौर्य ने बताया कि 23 वर्षीय प्रिया मेहरा ईश्वर नगर बावड़िया कला में रहती थी। वह नूतन कालेज में पढ़ाई कर रही थी। 7 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे वह घर से कालेज जाने के लिए निकली थी। वह कालेज न जाकर भूमि होम्स स्टे पारिका सोसायटी पहुंची। यहां उसका दोस्त तुषार कपिल रहता है। तुषार यहीं पर केयरटेकर का काम भी करता है। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। सुबह करीब 12 बजे पहली मंजिल से गिरते हुए कैमरे में कैद हुई थी। लहूलुहान हालत में तुषार उसे जेपी अस्पताल लेकर पहुंचा था। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद तुषार मौके से भाग निकला।

एसआईआर — बीएलओ को नोटिस तामील करवाने में ही आ रहे पसीने

नौ दिनों तक 3386 मतदाताओं को तामील करवाने होंगे नोटिस, 3168 की रोजाना करनी होगी सुनवाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिले में 1 लाख 16 हजार 925 नो मैपिंग वाले मतदाताओं में से अब तक 86 हजार 446 लोगों को नोटिस तामील करवा दिए गए हैं। हालांकि इनमें से केवल 12386 लोगों की ही सुनवाई जिले 93 सुनवाई केंद्रों पर हो सकी है। यानि बीएलओ को अगले 9 दिनों तक रोजाना 3 हजार 386 मतदाताओं को नोटिस तामील करवाना होंगे। वहीं लगभग 3168 मतदाताओं की सुनवाई रोजाना करनी होगी, तब जाकर सभी नो मैपिंग वाले मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़ सकेंगे।

हालांकि अभी बीएलओ को जिले में नोटिस तामील करवाने और फार्म 6 देने में ही पसीने आ रहे हैं। ऐसे में अगले 9 दिन बहुत ही चुनौती भरे होने वाले हैं। वहीं जिले में सुनवाई लगभग 32 दिनों तक चलेगी। यानि प्रत्येक दिन करीब 3 हजार 168 मतदाताओं की सुनवाई करनी होगी, तभी जाकर जिले में काम पूरा हो सकेगा।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने 29 हजार से ज्यादा मतदाताओं ने किया आवेदन

इसी तरह नई मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जिले के 29 हजार 164 मतदाताओं ने आवेदन किया है। वहीं मतदाता सूची से नाम कटवाने के लिए भी 1106 आवेदन प्राप्त हुए हैं। नाम, पते व मोबाइल नंबर का संशोधन कराने के लिए भी 23 हजार 541 मतदाताओं ने आवेदन किया है। बीएलओ के पास अब तक कुल 53 हजार 811 फार्म जमा हो चुके हैं।

एसआईआर के तहत अब तक हुआ ये काम

विधानसभा	फार्म-6	फार्म-7	फार्म-8	भेजे गए नोटिस	सुनवाई हुई
बैरसिया	1628	170	1077	1727	517
उत्तर	4279	107	3272	8190	1347
नरेला	6331	63	3950	15873	1308
दक्षिण पश्चिम	1821	199	2024	12561	1416
मध्य	3314	61	3025	6872	797
गोविंदपुरा	6482	173	5965	23286	4721
हुजूर	5309	333	4228	17937	2280
कुल	**29164**	**1106**	**23541**	**86446**	**12386**

लोकधुनों की शास्त्रीयता

संगीतायन

मालिनी अवस्थी
लखनऊ

लोकसंगीत को वह बीज माना जा सकता है, जिस पर शास्त्रीय संगीत का विशाल वृक्ष उगा है। लोकधुनों और शास्त्रीय संगीत के अंतर्संबंधों पर आलेख...

लोकधुन वह बीज है, जिसके आधार पर राग-रागिनियों का वृक्ष उगा है। विद्वानों का मानना है कि लोकगीतों की सहज- स्वाभाविक धुनों से ही शास्त्रीय संगीत के राग और रागिनियों के नियम और ढांचे विकसित हुए। जहां लोकगीत सहज और स्वाभाविक होते हैं, वहीं शास्त्रीय संगीत नियमों से बंधा होता है। कहीं किसी शिशु का जन्म हुआ, घर, परिवार, कुल हितैषियों ने गा-बजाकर अपनी खुशी व्यक्त की। मां ने लोरी गाकर बच्चे को सुलाया, किसान अपनी फसल देखकर नाचा, प्रकृति की सुरम्यता देख किसी प्रेमी के हृदय में श्रृंगार का गीत फूटा। इन अभिव्यक्तियों को विद्वानों ने विस्तार दिया, वही शास्त्र बने।

जिस अंचल की धुन है, उस अंचल की छाप उस राग में होगी। जैसे राग पहाड़ी अर्थात पर्वतीय क्षेत्रों में गाई - बजाई जाने वाली धुन । यह दिलचस्प अध्ययन है कि कैसे आप पहाड़ी राग की स्वर लहरियां सुनते ही मन से पहाड़ों पर पहुंच जाते हैं । यह टेलीपोर्टेशन, मानसिक यात्रा कैसे संभव हो पाती है? क्योंकि हजारों साल से इस अंचल में रहने वालों ने अनुभव के आधार पर अनुसंधानात्मक अध्ययन कर ऐसी स्वर संगतियों का सृजन किया, जो उनकी पहचान बन गई। इसीलिए आप आज राग पहाड़ी पर आधारित कोई गीत सुनें तो आपको ऐसा ही महसूस होता है। रोचक बात तो यह है कि हिमाचल हो या उत्तराखंड या फिर झारखंड के पहाड़ी क्षेत्र या फिर दक्षिण भारत में नीलगिरि पर्वतीय क्षेत्र की धुनें, भौगोलिक रूप से अलग होते हुए भी इन अंचलों की स्वर संगतियों में राग पहाड़ी की छटा दिखती है। अतः स्पष्ट है कि राग का आधार लोकधुन है। ऐसी ही राजस्थान की लोक धुन मांड है। केसरिया बालम आवो, पधारो म्हारे देस ...

यह प्रसिद्ध मांड राजस्थान की पहचान है । मांड की स्वर लहरियों में मरुभूमि की संस्कृति के दर्शन का आभास होने लगता है। इसी से राग मांड की उत्पत्ति हुई । मूलतः राग खमाज से प्रेरित राग मांड का चलन पारंपरिक लोक विधा मांड की गायकी से प्रेरित है। इसी प्रकार, राजस्थान के अन्य लोकगायकी के प्रकारों में राग देश, सारंग, सोरठ, मल्हार, तिलक कामोद जैसे वर्षा कालीन राग रागिनियों का प्रभाव अधिक दिखता है। राजस्थान मरुभूमि रही है, वहां वर्षा की अदम्य कामना को मन में लिए पूर्वजों ने संभवतः वर्षाकालीन रागों को लोकधुनों का आधार बनाया! घूमर सुनिए या राजस्थान का बनरा, सा रे मा रे पा रे मा रे रे पा, पा नी सा नी पा मा रे... ऐसी स्वर संगतियां दिखती हैं। जल को तरसते मरु भूमिवासियों के लिए राग रागिनी के माध्यम से ही भजने की कामना ने वर्षा कालीन रागों की आधारशिला पर ऐसी लोक धुनों को जन्म दिया। एक सुंदर उदाहरण राग भैरवी का है। इसे सदा सुहागन राग कहा गया है। बारहों सुरों से सजी भैरवी जब अपनी विराट उपस्थिति से प्रकट होती हैं तो उस सम्मोहन से कोई नहीं निकल पाता। उत्तर प्रदेश के अनेक पुराने भजन और दादरे भैरवी में मिलते हैं, लेकिन भैरवी का अनुपम लोक स्वरूप देखना हो तो पंजाब का लोकसंगीत सुनिए, पंजाब की हीर सुनिए, जुगनी, और टप्पे सुनिए, सब भैरवी और भैरवी के प्रकार। पंजाब के कण-कण राग भैरवी समाया हुआ है। सिंध भैरवी तो पंजाब के सिंध से ही उपजा है।

अध्ययन यह बताया है कि मनुष्य ने पहले कुछ स्वरों का गुनगुनाया, अपनाया, अध्ययन किया और उन्हें शब्द देकर गीत रचे। कालांतर में संगीत मर्मज्ञों विद्वानों ने, उन स्वर संगतियों के आधार पर थाट एवं राग-रागिनी पद्धति का निर्माण किया, जिसे आज हम शास्त्रीय संगीत के रूप में पूजते हैं। लोक के कारण ही शास्त्र स्वरूप पा सके । कला परिष्कृत होती रहती है, इसीलिए शास्त्र को भी निरंतर मांजते रहना होगा। यह तभी हो सकेगा जब लोक का आधार बना रहेगा।

विमर्श

डा. प्रदीप कुमार सिंह
दिल्ली

भारतीय साहित्य की चेतना का सत्य

पश्चिमी साहित्य के मूल में त्रासदी और अकेलापन है, जो व्यक्तिवादी चिंतन से उपजता है, जबकि भारतीय साहित्य समष्टिमूलक चेतना से अनुप्राणित है, जिसमें साझी सौंदर्यानुभूति, सामूहिक चेतना और आंतरिक सत्यानुभूति की एकता है। हाल ही में बुकर पुरस्कार प्राप्त हंगेरिन ब्रिटिश लेखक डेविड स्जेले का उपन्यास फ्लैश व अन्य पश्चिमी लेखकों की कृतियों से यह स्पष्ट होता है। अतः भारतीय साहित्य को पश्चिमी मानदंडों की तुला पर नहीं रखा जा सकता। इससे पाठकों में अरुचि होती है। पाठकों की घटती-बढ़ती रुचि का आकलन करता आलेख....

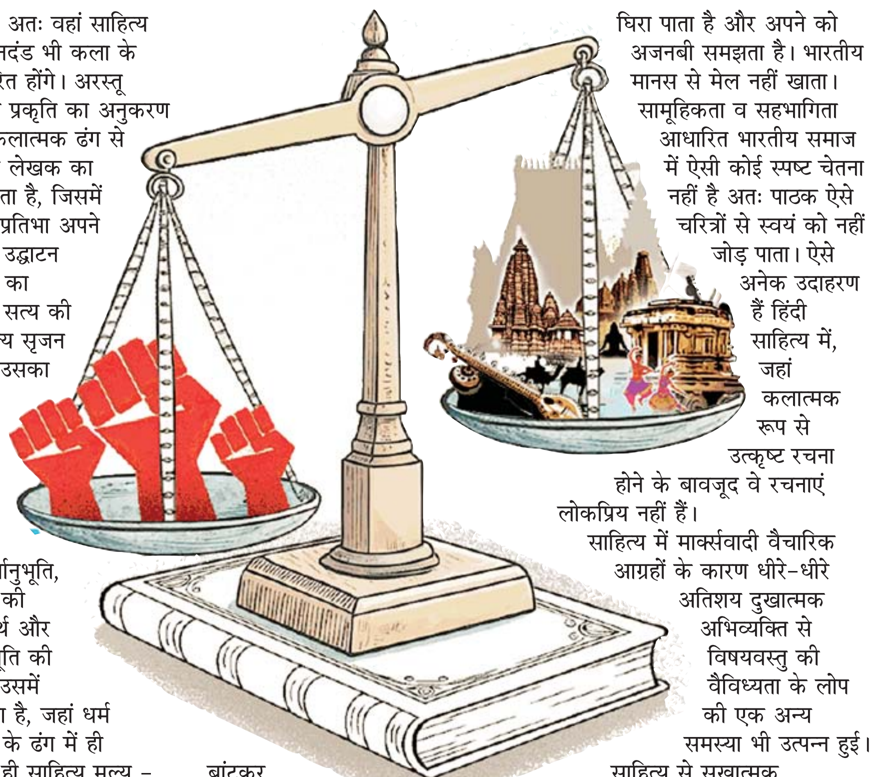

भारतीय साहित्य चिंतन की अपनी विशिष्ट परंपरा है। उसका विकास भी अपनी परंपरा से उपजीव्य ग्रहण करके ही हो सकता है। आधुनिक और नवीन के नाम पर उसे यूरोपीय या पश्चिमी तर्ज पर आगे बढ़ाने, जबरन उस सौंदर्यबोध को तलाशने के अनेक दुष्परिणाम हैं। पाठक वर्ग का घटता ग्राफ कुछ-कुछ इसी ओर संकेत कर रहा है। यूरोपीय साहित्य का अधिकांश व्यक्तिवादी चिंतन से उपजा साहित्य है, अतः स्वाभाविक रूप से उसमें एकाकीपन का संत्रास दिखेगा। साथ ही यह ध्यान देने की बात है कि यूरोपीय चिंतन साहित्य को ललित कला मानकर चलता है, जिसके पीछे प्लेटो, अरस्तू, कांट आदि के चिंतन की दृष्टि और कई आंदोलनों जैसे रेनेसां पुनर्जागरण (एनलाइटमेंट), स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म) आदि का प्रभाव रहा है। अतः वहां साहित्य को परखने के मानदंड भी कला के मानदंडों से निर्धारित होंगे। अरस्तू मानते हैं कि कला प्रकृति का अनुकरण करती है अर्थात कलात्मक ढंग से यथार्थ का उद्घाटन लेखक का मूल लक्ष्य बन जाता है, जिसमें उसकी व्यक्तिगत प्रतिभा अपने निजी अनुभव का उद्घाटन करती है । यथार्थ का उद्घाटन, वैज्ञानिक सत्य की तर्ज पर। कोई मूल्य सृजन या मनुष्य निर्माण उसका लक्ष्य नहीं है।

इससे इतर, भारतीय चिंतन परंपरा साहित्य को कला मात्र समझने के बजाय उसमें साझी सौंदर्यानुभूति, सामूहिक अनुभव की चेतना, बाह्य यथार्थ और आंतरिक सत्यानुभूति की एकता देखती है। उसमें आध्यात्मिक चेतना है, जहां धर्म हमारे जीवनयापन के ढंग में ही समाहित है। साथ ही साहित्य मूल्य - निर्माण, मानवीय चेतना का परिष्कार कर उच्च भावभूमि पर ले जाने वाले सत्य की खोज करने का माध्यम माना गया है। भारतीय मानस को इसी सौंदर्यबोध से संतुष्टि भी मिल सकती है। उसे नैतिक, मानवीय गुणों से भरपूर समरस साहित्य चाहिए । भारतीय परंपरा का सारा आस्वाद रस के आस्वाद का रहा है, जहां साहित्य में रस की निष्पत्ति सामूहिक चेतना और भाव से जुड़ती है। भारतीय साहित्य में जब से इन आयामों को छोड़ा गया है, तभी से पाठक वर्ग कम होना शुरू हुआ है। अधिकांश साहित्य अकादमिक पाठक वर्ग के भरोसे चल रहा है।

एक बात यह भी कि जब से साहित्य में तरह- तरह के विमर्शों का आरोपण किया गया है, तब से उसके खेमे तैयार हो गए हैं। साहित्य को बांटकर देखे जाने की यह युक्ति हिंदी में जितनी है, शायद अन्य भाषाओं के साहित्य में नहीं। पाठकीय परांगमुखता का यह भी एक कारण हो सकता है। हिंदी आलोचना में अनेक ऐसी अवधारणाओं के माध्यम से साहित्य की साहित्यिकता सिद्ध की जाती रही है, जो इस जमीन और संस्कृति से तो बिल्कुल साबका नहीं रखती। उदाहरण के लिए, पश्चिम के वर्ग संघर्ष के सिद्धांत के आधार पर साहित्य रचना करना और उसी आधार पर उसकी साहित्यिक मूल्यवत्ता का निर्धारण, उसे दिग्भ्रमित करने जैसा है। जबकि यह स्पष्ट है कि भारतीय समाज में न तो कोई स्पष्ट वर्ग चेतना है, न ही यूरोप की तरह स्पष्ट वर्ग है, या फिर अलगाववाद के सिद्धांत (थ्योरी आफ एलियनेशन) जहां साहित्यिक पात्र किसी जगह लोगों से घिरा पाता है और अपने को अजनबी समझता है। भारतीय मानस से मेल नहीं खाता। सामूहिकता व सहभागिता आधारित भारतीय समाज में ऐसी कोई स्पष्ट चेतना नहीं है अतः पाठक ऐसे चरित्रों से स्वयं को नहीं जोड़ पाता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं हिंदी साहित्य में, जहां कलात्मक रूप से उत्कृष्ट रचना होने के बावजूद वे रचनाएं लोकप्रिय नहीं हैं।

साहित्य में मार्क्सवादी वैचारिक आग्रहों के कारण धीरे-धीरे अतिशय दुखात्मक अभिव्यक्ति से विषयवस्तु की वैविध्यता के लोप की एक अन्य समस्या भी उत्पन्न हुई। साहित्य से सुखात्मक, मनोरंजक, ऐतिहासिक, साहसिक, करने आध्यात्मिक, पौराणिक, रहस्यात्मक, हास्य, रोमांच उत्पन्न वाले विषय चुक से गए। आलोचकों द्वारा दुखमूलक, एकपक्षीय यथार्थ को ही सच्चे साहित्य का मानक समझा गया। (जबकि दुखमूलक साहित्य की परिणति भी सुखात्मक ही होती है।) कथा - साहित्य या काव्य-विकास-क्रम में हमें अक्सर पढ़ने को मिलता है कि पहले कहानी का उद्देश्य मनोरंजन या शिक्षा होता था, आगे चलकर अमुक समय से कहानी - कला यथार्थ कि ओर अग्रसर हुई । अर्थात अब सच्ची कहानी या कविता वही हो सकती है, जिसमें ये तत्व न शामिल हों। आलोचकों का भले ही इस तरह के साहित्य में मन रमता हो, पर पाठकों को इससे एक स्तर के बाद ऊब ही होती है। बर्ट्रेंड रसेल ने अपने प्रसिद्ध राजनीतिक अध्ययन 'जर्मन सोशल डेमोक्रेसी' और 'व्हाई आई एम नाट ए कम्युनिस्ट' जैसे लेखों में मार्क्स द्वारा प्रतिपादित वर्ग संघर्ष के सिद्धांत में 'प्रालितेरियत' की धुर पक्षधरता को कर मार्क्सवाद की अलोकप्रिय परिणति की ओर बहुत पहले संकेत किया था। इसी वैचारिक पक्षधरता की अलोकप्रिय परिणति उसके संकुचित भावबोध में हम आज के साहित्य में देख सकते हैं। क्या एक ही वर्ग के सुख-दुख हो सकते हैं? साहित्य का धर्म दुख का उद्घाटन करना अवश्य है, मात्र वर्गीय दुख का ' नहीं। दुखात्मक अभिव्यक्तियों में भी करुणा और सहानुभूति बजाय वितृष्णा के स्तर तक उग्र विरोध, संत्रास, कुंठा और तिक्त भावों से भरे साहित्य का चित्रण पाठकों को विमुखता की ओर ले गया होगा, इसमें संदेह नहीं । अधूरे यथार्थ को सच्चा यथार्थ कहकर पाठकों पर थोपे हु साहित्य से अरुचि पैदा होना व्याप्त दुख का उद्घाटन साहित्य का एक प्रमुख उद्देश्य है, संपूर्ण नहीं। हाल ही में विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ मिलने पर प्रतिक्रियाओं द्वारा इस बात को बखूबी देखा जा सकता है। उनके समूचे साहित्य को समाजबोध, यथार्थ बोध से रहित कहकर नकारने के प्रयास देखने को मिल रहे हैं। हालांकि उनकी रचनाओं में मध्यवर्ग, निम्नमध्य वर्ग की संवेदनाएं ही अभिव्यक्त हुई हैं, किंतु उस तिक्त और वितृष्णा की शैली में नहीं, जिसको यथार्थ शैली का तक माना गया। आश्चर्य नहीं कि अपनी शैली के कारण वे पाठक वर्ग में काफी लोकप्रिय रहे हैं। हमारा साहित्य हमारे आस्वाद का होना चाहिए और इससमें मात्र अवसाद और दुख नहीं, करुणा, शब्द, अर्थ, रस, सौंदर्य, ज्ञान और नैतिकता सब है। हमारे विविध और व्यापक पाठक - वर्ग को चेतनानुरूप और अपने संस्कारों को तोष प्रदान करने वाला साहित्य चाहिए। कोरा प्रतिक्रियावादी और एक्टिविज्म का साहित्य बहुत देर तक नहीं टिक सकता।

भाषा विमर्श

डा. बुद्धिनाथ मिश्र
देहरादून

अविस्मरणीय हैं ये शंखमुखी शब्द

हमारी भारतीय उदात्तता की पहचान बन चुके शब्दों को हम किस प्रकार भूलते जा रहे हैं, इस पर विमर्श...

मैक्समूलर ने हमारे महान वेदों को 'चरवाहों का गीत' कहकर उपहास किया, जबकि वेद का अर्थ ही ज्ञान होता है। उसने जब 'पिंडदान' के 'पिंड' का अंग्रेजी अनुवाद 'बाल आफ राइस' किया, तब भी उसकी यही मानसिकता थी। सोचिए, क्या पिंड केवल 'भात का गोला' है? पिंड हमारा शरीर है। पिंडदान में पिंड पितरों का शरीर होता है, जिस पर अक्षत - तिल का अर्पण होता है। कहा भी है- यत्पिंडे तद्ब्रह्मांडे (जो पिंड यानी शरीर में है, वही पूरे ब्रह्मांड में है।) इसलिए पिंडदान एक ऐसा शब्द -पिटक है, जिसे खोलने से हजारों वर्षों के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक संदर्भ खुलते हैं। ऐसा ही महत्वपूर्ण शब्द है - दूर्वाक्षत। दूर्वा यानी दूब और अक्षत यानी चावल, जो कहीं से टूटा न हो। इन दोनों को हल्दी में रंगकर विवाह के उपरांत नव वर-वधू को और मुंडन / यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न होने के बाद वट को आशीर्वाद के स्वरूप सिर पर छींटा जाता है। दूब किसी भी परिस्थिति में धरती को छोड़ती नहीं और प्रत्येक ऋतु में जीवित रहती है। चावल को अक्षत कहते ही उसकी सनातनता और संपूर्णता रेखांकित हो जाती है। इन दोनों को मिलाकर जो शुभाशीष दिया जाता है, वह शब्द और अर्थ, दोनों दृष्टियों से अमोघ होता है।

'शुश्रूषा' शब्द जिजीविषा और जिज्ञासा की तरह है। जैसे जिजीविषा का अर्थ जीने की इच्छा और जिज्ञासा का अर्थ जानने की इच्छा है, उसी प्रकार शुश्रूषा का अर्थ सुनने की इच्छा है। यह शब्द प्रायः 'सेवा' के साथ आता है- सेवा-शुश्रूषा। यहां एक मनोवैज्ञानिक रहस्य है। रोगी की सेवा करने से अधिक महत्वपूर्ण उसके दुख-दर्द को सुनना है। इसीलिए अच्छे चिकित्सक द्वारा रोगी के दुख-दर्द को सुन लेने से उसका आधा कष्ट दूर हो जाता है।

'अभिज्ञान शाकुंतलम्' में कण्व ऋषि पुत्री शकुंतला को ससुराल भेजते समय निर्देश देते हैं- 'शुश्रूषस्व गुरून' अर्थात अपने बड़ों की बातें ठीक से सुनना। हिंदी के लेखक प्रायः 'मृगतृष्णा' को 'मृगमरीचिका' लिख देते हैं। दोनों के अर्थ अलग हैं। ग्रीष्मकाल में विस्तृत रेतीले स्थानों पर धूप में सूर्य की किरणें धरती पर पानी की लहरों की भ्रांति पैदा करती हैं। प्यासे मृग उसे पानी समझकर दौड़े चले जाते हैं। इसी को मृगतृष्णा कहते हैं। मरीचिका का संबंध सूर्य की किरणों से है। मरीचि का अर्थ किरण होता है। इसी से सूर्य का एक नाम मरीचिमाली भी है।

मरीचिका यानी सूर्य की किरणों से उत्पन्न जल का भ्रम। आप भी जब गर्मियों में पिच रोड पर कार चलाते हैं, तो दूर सड़क पर पानी लहराने का भ्रम होता है, जो निकट जाने पर टूट जाता है। ऐसे ही संदर्भ में कवि कहता है- अब तो इस बियाबान में पड़ाव ढूंढ़ रही, मृगतृष्णा की मारी जिंदगी। इसी को व्यापक अर्थ देते हुए मीरा कहती हैं- संतों, करम की गतिन्यारी / बड़े-बड़े नयन दिए मिरगन को वन-वन फिरत उघारी।

गीत

डा. कृष्ण कुमार 'नाज', मुरादाबाद,

पल में तोला पल में माशा

दर्शक बनकर देख रहा हूं
दुनियाभर का खेल-तमाशा।
आस कहीं पाई चुटकीभर
और कहीं पर घोर निराशा।
जिस क्षण मुश्किल हो जाता है,
अपनों से सम्मान बचाना।
मन को बोझिल कर देता है
संबंधों का ताना-बाना,
कैसे आखिर पहचानूं मैं
चेहरों से ऐसे लोगों को
भेष बदलकर हो जाते जो
पल में तोला, पल में माशा।
सब चेहरों पर सजे मुखौटे
सबने चढ़ा रखे दस्ताने,
भ्रम का ओवरकोट पहनकर
बरबस लगते हाथ मिलाने,
भाषा की मर्यादा तजकर
अनुशासन का पाठ पढ़ाते
बोली में विष घोल रहे हैं
रख दांतों के बीच बताशा।
पल में तोला, पल में माशा।

हास्य व्यंग्य

मुकेश नेमा

बड़ा सबाब का काम है बुढ़ापे में शादी करना...!

ऐसे हर बुजुर्गवार को जो अपनी बीती जिंदगी में कोई सबाब का काम नहीं कर पाये हों, मन होने के बावजूद चूक गये हों कोई भला काम करने से ,कंजूसी ने हाथ पकड़ लिया हो उनका, जिसकी तिजोरी भरी पूरी हो,उन्हें अपने बुढ़ापे में, जब भी मौका हासिल हो जाए ,ना हासिल हो तो तलाश कर दूसरी शादी कर ही लेना चाहिये।

चलाचली वाले सफेद खिचड़ी बालों और ऐसे मुंह के साथ जिससे दांत जवान औलादों की तरह नमस्ते कह चुके हो, किसी लड़की या खुद को लड़की समझती औरत का खाविंद हो जाना अपने आप में ऐसी नेकी है जो किसी से पूछ कर नहीं करना चाहिए। किसी से पूछेंगे आप तो वो इसके लिये कभी हामी भरे न भरे। क्या पता। मुमकिन है वो ऐसी आकर्षक बात सुन जल मरे। डरा दें आपको। ऐसे में इस नाजुक मामले में किसी दूसरे से सलाह मशविरा करने का कोई फायदा नहीं होगा।

यह नेकी इस मायने में है क्योंकि ऐसा करते आप अपनी ही उम्र के किसी ऐसे बुजुर्गवार को खुश होने का मौका देते है जिसकी अधेड़ बेटी उसकी छाती पर सिल की तरह सवार थी। आपका ऐसा करना ,किसी ऐसी सास को फिर से सांस लेने की गुंजाइश है जिसकी झगड़ालू और अपने इसी बर्ताव के कारण बेवा हुई बहू उसका गला दबोचे बैठी थी। यदि आपकी अंटी में माल हो और आपकी तकदीर जोर मार दे तो अपनी बेवकूफी की वजह से गरीब बंदे की पाँचवें सातवें नंबर की सुंदर लड़की के दूल्हा भी बन सकते हैं। ऐसा करने में झिझकना बेकार है। इसमें आपकी कोई गलती है भी नहीं। उस गरीब लड़की की बदकिस्मती के जिम्मेदार आप हरगिज नहीं। आप उसके जिद्दी बाप की कारिस्तानी को संवार ही रहे हैं और खुदा के यहाँ हिसाब किताब लिखने वाला फरिश्ता इसे नेकी के खाते में ही डालेगा यह तय है।

बुढ़ापे में ब्याह करना वह नेकी है जिसकी खुशबु आनन फानन में पूरे मोहल्ले में फै ल जाती है। पूरे मोहल्ले के अधेड़ हेयर डाई और फेशियल करवाये आपके आसपास फिरने लगते हैं। वो खूसट बुढ्ढे भी अचानक मिलनसार और खुशमिजाज हो उठते है जिन्हें अब तक आपकी नमस्ते का जवाब देना भी गवारा नहीं था। वो जवान जहान, बेरोजगार लड़के आपके पाँव छूने के लिये आपस में होड़ लगाने लगते हैं जो कभी आपकी खिल्ली उड़ाने के लिये आपको तके रहते थे। आपकी इस नेकचलनी की वजह से आपका दूधवाला, दूध में पानी कम मिलाने लगता है। ड्राईवर वक्त पर आने लगता है, सारे ही नौकर फरमारदार हो जाते हैं। और तो और डाकुओं जैसा दिखने वाला चौकीदार भी रात भर जागने लगता है। पूरा मोहल्ला जो अब तक ऐंठा ऐंठा रहता था अचानक आपसे दोस्ती गाँठने की फिराक में लग जाता है। आपकी तारीफों के ऐसे ऐसे पुल बांधे जाने लगते हैं जिन पर चलकर आपको खुद के अच्छे और मिलनसार आदमी होने की ग़लतफहमी होने लगती है।

आपकी इस नेकी का परनाला यही नहीं ठहरता। वह आपकी इस

बुढ़ापे में ब्याह करना वह नेकी है जिसकी खुशबु आनन फानन में पूरे मोहल्ले में फैल जाती है। पूरे मोहल्ले के अधेड़ हेयर डाई और फेशियल करवाये आपके आसपास फिरने लगते हैं। वो खूसट बुढ्ढे भी अचानक मिलनसार और खुशमिजाज हो उठते है जिन्हें अब तक आपकी नमस्ते का जवाब देना भी गवारा नहीं था। भरे बुढ़ापे में दुबारा शादी करना नेकियों की वो फेहरिस्त है जिसे लिखने वाले से ज़्यादा मोहल्ले वाले पढ़ते है।

दूसरी या तीसरी बीबी के हो चुके और होने वाले आशिकों को भी सराबोर करता है। वे अपनी आशकी के उन फायदों को सोच सोच कर खुश हो जाते हैं जो अब उन्हें बिना किसी जिम्मेदारी के हासिल होने वाले है। और फिर सबसे बड़ी नेकी तो ये उस लड़की के साथ हैं जो अब आपकी एलआईसी पॉलिसी की नॉमिनी हो चुकी। जो अब आपकी गुजरी बीबी के तमाम गहनों और साड़ियो पर काबिज है। आपके जीते जी आपके प्रॉवीडेंट फंड और पैतृक मकान की ऐसी आधी मालकिन है, जिसका आपके खुशी के मारे मर जाने पर पूरी मालकिन होना तय है।

किसी बेवा से शादी करके आप उसके उस मरहूम शौहर को भी तसल्ली बख्शते है जो जीते जी अपनी बीबी से हैरान रहा। और मरने के बाद भी अपनी बीबी की कारगुजारियों को याद कर करके लंबे अरसे से कब्र में करवटें बदल रहा था। उसे इस बात की खुशी होती है कि कयामत के दिन उसे अब अपनी बीबी से दो चार नहीं होना पड़ेगा और जो भी अब जो भी होगा उसे आप भुगतेंगे। हो सकता है ये मरहूम की खामख्याली हो पर किसी मरे हुये आदमी के कलेजे की ठंडक बनना भी नेकी ही गिनी जायेगी।

बुढ़ापे में ब्याह के फायदे अनगिनत। बंदा अपनी गिरती सेहत को दुरुस्त करने में लग जाता है। सलमान ,शाहरुख़ प्रेरणा स्तोत्र हो जाते है। अजय देवगन की फिल्में देखने को जी करता है। सफेद खिचडी बाल काले होकर लहराने लगते है। सुबह उठ कर चलने फिरने लगता है वो। दौड़ने के मंसूबे बांधता है।

जवानी की जीन्स में घुसने के ओवर डेटेट सपने फिर आने लगते है उसे। शहर के तमाम वैद्यो,हकीमों से जान पहचान हो जाती है। सामाजिक संपर्क का दायरा बढ़ता है। बंदा धार्मिक पुस्तको ,प्रवचनों के चंगुल से बाहर निकल आता है। उदास नहीं रह जाता। हँसने बोलने लगता है। आपकी वीरों में गिनती होती है। जो आपको अब तक गिनते नहीं थे ,वे भी रश्क करने लगते हैं आपसे। एक बार ब्याह कर लीजिये। इसके तमाम बाकी फायदे आपको अपने आप पता चल जाएँगे।

एक छोटा सा खतरा भर इस सलाह मशविरे से। बात दूसरे से तीसरे तक जाने में देर नहीं लगती। आपकी पहली बीबी से पैदा हुए लंब तडंग औलादों तक भी पहुँच सकती है। ऐसे मौके पर उनकी तरफ से बाप की इज्जत करने का तरीका बदलने का खतरा होता ही है। आपका कोई उजड्ड लड़का तलवार कुल्हाड़ी,जहर सुपारी जैसे परम्परागत साधनों का इस्तेमाल कर आपको निपटाने की सोच सकता है। पर ये इतनी बड़ी बात भी नहीं कि मन छोटा किया जाए। एक बार कर बैठेंगे ब्याह तो इस बात की पूरी गुंजाइश है कि हो चुकी औलादें वसीयत से बेदखल होने के डर से मन मार लेंगी। आप तो अपने मन की सुनिए और इसे कर ही डालिए, क्योंकि यह वह काम है जिसके बदले आपके लिये जन्नत के दरवाजे ,अपने आप चरमरा कर खुलेंगे ,यह तय है।

कुल मिलाकर भरे बुढ़ापे में दुबारा शादी करना नेकियों की वो फेहरिस्त है जिसे लिखने वाले से ज़्यादा मोहल्ले वाले पढ़ते है। अपने से ज्यादा दूसरों के भले की सोचने से बड़ी नेकी और क्या हो सकती है ? मैं उम्मीद करता हूँ कि यदि खुदा की मर्जी हो ही जाये तो आप भी ऐसी ,दरिया में डाल देने लायक नेकी जरूर करना चाहेंगे।

भारतीय लोककथाओं का समृद्ध संसार

संगीतायन

यतींद्र मिश्र
अयोध्या,
उत्तर प्रदेश

भारत की सांस्कृतिक पहचान उसकी लोक-परंपराओं और कथाओं में गहराई से जुड़ी है। गांव की चौपालों से लेकर आदिवासी अंचलों तक, लोककथाएं पीढ़ी- दर-पीढ़ी हमारी स्मृति, जीवन दृष्टि और नैतिक मूल्यों का आधार बनती रही हैं। यद्यपि भारतीय लोककथाएं दुनिया की सबसे समृद्ध धरोहर में गिनी जाती हैं, फिर भी अंतरराष्ट्रीय संग्रहों और अध्ययनों में ये अपेक्षाकृत उपेक्षित रही हैं। अक्सर इन्हें प्राचीन साहित्यिक स्त्रोतों से उद्धृत कर प्रस्तुत किया गया, जबकि मौखिक परंपराओं का असली स्वर अनदेखा रह गया। ऐसे में जब मौखिक परंपराएं लुप्तप्राय हैं और उपलब्ध अधिकांश अंग्रेजी अनुवाद बिखरे हुए हैं, 'फोकटेल्स आफ इंडिया' इन कहानियों को एक सुसंगठित रूप में प्रस्तुत कर वैश्विक पाठकों के लिए सुलभ बनाती है। ब्रेंडा ई.एफ. बेक, पीटर जे. क्लास, प्रफुल्लदत्त गोस्वामी और जवाहरलाल हांडू द्वारा संपादित इस संकलन के आठ खंडों में कुल 99 कहानियां समाहित हैं, जो ज्यादातर पारिवारिक संबंधों के इर्द-गिर्द बुनी गई हैं।

पहले पांच खंड विभिन्न पारिवारिक परिस्थितियों और चिंताओं को सुसंगठित रूप में प्रस्तुत करते हैं। शेष तीन खंडों में से दो खंड व्यक्तित्वगत विशेषताओं पर केंद्रित हैं, जबकि अंतिम खंड सृजन या विशेष प्रथा की उत्पत्ति से संबंधित है। प्रत्येक खंड विषयानुसार सुव्यवस्थित है, जिससे वे भारतीय लोक और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को समझने में सहायक और अर्थपूर्ण सिद्ध हों।

पहली कथा 'द गाडेस आफ माही रिवर', जिसे प्रो. पुष्कर चंदरवेकर ने 1962 में सेंधाबाई सेंधा से संकलित किया था, माही नदी को एक साहसी और योद्धा कन्या के रूप में दिखाती है। समुद्र द्वारा अस्वीकार किए जाने पर वह पिता से सेना लेकर युद्ध की चुनौती देती है। अंततः समुद्र पराजित होकर विवाह करता है। यह कथा स्त्री - स्वतंत्रता और आत्मसम्मान का सशक्त प्रतीक है। संकलन में 14 भाषाओं से, उत्तर और दक्षिण भारत के आदिवासी विस्तार, किसान समूह, शहरी क्षेत्र और गांव, साथ ही कश्मीर, असम और मणिपुर जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों समेत विभिन्न राज्यों से एकत्रित मौखिक कथाएं शामिल हैं।

'अ पुअरमैन' (तमिलनाडु), 'अ डेड हसबैंड' (असम), 'द अनइनवाइटेड गेस्ट' (कश्मीर), 'द ओरिजन आफ डिफरेंट वाटर एनिमल्स' (नगालैंड), 'अ जैकाल एंड फाक्स' (उत्तर प्रदेश), 'द डेथ आफ मास्किटो' (तमिलनाडु) जैसी अनेक कहानियां रोचकता के साथ गहरे अर्थ समेटे हुए हैं।

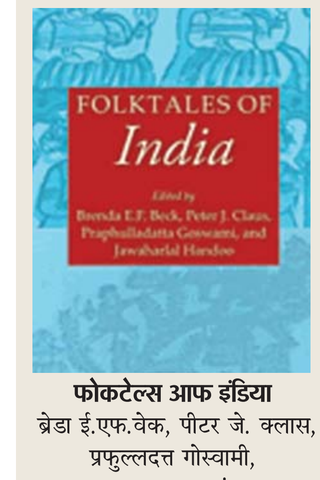

फोकटेल्स आफ इंडिया
ब्रेडा ई.एफ.वेक, पीटर जे. क्लास, प्रफुल्लदत्त गोस्वामी, जवाहरलाल हांडू
मिथक / संस्कृति प्रथम संस्करण
मनोहर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, न्यू दिल्ली
मूल्य : 1595 रुपये

संक्षिप्त खबरें

प्रतिभा गौरव सम्मान से सम्मानित हुईं अभिनेत्री सोनिया श्रीवास्तव

जागरण, भोपाल। कला और अभिनय के क्षेत्र में शहर का नाम रोशन करने वाली मशहूर फिल्म एवं टीवी अभिनेत्री सोनिया श्रीवास्तव को कायस्थ बंधु समिति द्वारा प्रतिष्ठित प्रतिभा गौरव सम्मान और चित्रगुप्त सम्मान से नवाजा गया है। सोमवार को कोलार रोड स्थित सर्वधर्म कॉलोनी में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में समिति ने उनकी उपलब्धियों को सराहा। समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव ने सोनिया श्रीवास्तव को पीला गमछा पहनाकर, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट किया। इस अवसर पर उन्हें भगवान चित्रगुप्त की तस्वीर भी प्रदान की गई। यह सम्मान उन्हें फिल्म और टेलीविजन जगत में उनके उत्कृष्ट अभिनय और निरंतर समर्पण के लिए दिया गया है। सोनिया ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत भोपाल रंगमंच से की थी। अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर उन्होंने बहुत कम समय में मुंबई की मायानगरी में अपनी पहचान बनाई और लोकप्रियता हासिल की। सम्मान समारोह के दौरान उनके माता-पिता भी मौजूद रहे। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि समाज के निर्माण में कलाकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कायस्थ बंधु समिति भविष्य में भी ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा, समाज सेवा, पत्रकारिता और कला जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान करती रहेगी।

16 से 18 जनवरी तक 'कहानियों का गांव' बनेगा भोपाल

जागरण, भोपाल। शहर 16 से 18 जनवरी 2026 तक एक अनोखे सांस्कृतिक अनुभव का गवाह बनेगा, जब यहां कहानियों का गांव (स्टोरी विलेज) सजेगा। भारत स्टोरीटेलर्स और प्रिस्टीन एक्सपीरियंस के सहयोग से आयोजित यह तीन दिवसीय आयोजन, दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारा प्रस्तुत भोपाल स्टोरी फेस्ट के अंतर्गत सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा इंटरनेशनल स्टोरीटेलिंग फेस्टिवल होगा। फेस्टिवल में देश-विदेश से आए कथावाचक, लेखक, कलाकार और विचारक भाग लेंगे। 50 से अधिक सेशन्स और 7 थीम आधारित जोन्स में लोककथाएं, मिथोलॉजी, इतिहास, बिजनेस, म्यूजिकल, आर्ट, एस्ट्रोनॉमी और एआई स्टोरीटेलिंग को एक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। बच्चों, युवाओं, प्रोफेशनल्स और परिवारों के लिए अलग-अलग अनुभवों के साथ यह आयोजन भोपाल को स्टोरीटेलिंग के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, महोत्सव में हजारों प्रतिभागियों की सहभागिता अपेक्षित है।

वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। टीटीनगर इलाके में अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, 62 वर्षीय घनश्याम रैकवार भीमनगर झुग्गी बस्ती में रहते थे। वह सिक्यूरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे वह कोलार से घर जाने के लिए साइकिल से निकले थे। वह अभी जेपी अस्पताल के पास खेल छात्रावास से गुजर रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने उन्हें पहचान लिया और परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंचे। जहां रातभर उनका इलाज चला। मंगलवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे में उन्हें सिर व शरीर में अन्य जगह गहरी चोट थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एलबीटी में पांच कहानियों का कोलाज 'सब चुप हैं' की प्रस्तुति

जागरण, भोपाल। एलबीटी के रागबन्ध सभागार में बालेन्द्र सिंह के निर्देशन में चर्चित कहानीकार संजय जैन की पाँच कहानियों का कोलाज नाटक सब चुप हैं का मंचन हम थियेटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा किया गया। बालेन्द्र सिंह ने बताया कि पाँचों कहानियों को फर्स्ट पर्सन के रूप में प्रस्तुत किया है। पांचों कहानियों का संदेश अलग अलग तरीक़े से दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया है । पहली कहानी एकांत में सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को उजागर करती है । दूसरी कहानी खुली दराज़ और बिखरी ख़ुशबूएँ में राहुल एक सॉफ़्टवेयर इंजीनियर है जो अपनी बॉस से प्रभावित है और उसे चाहता है। राहुल के काम की वजह से मुद्रा को जम्प मिलती है और उसकी पोस्टिंग विदेश में हो जाती है । राहुल अपने आप को ठगा सा महसूस करता है। तीसरी कहानी ग्रीन बेल्ट में एक ईमानदार पत्रकार की कलम का इस्तेमाल एक नेता द्वारा अपने स्वार्थ के लिए किया जाता है । चौथी कहानी में बाज़ारवाद के बढ़ते प्रभाव के चलते कैसे मिठाई की दुकान बंद हो जाती और दुकानदार अपने को मिठाई प्रेमियों का अपराधी महसूस करते हैं । पाँचवी कहानी एक वेटनरी डॉक्टर के माध्यम से बताती है कि कैसे अधिकारी और नेता अपने आप को बचाने के लिए एक ग़रीब मज़दूर को मोहरा बनाकर उसे जेल भेज देते हैं और सब को चुप रहने का आदेश दे देते हैं ।

बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत

भोपाल। छोलामंदिर थाना क्षेत्र में दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। घटना के वक्त युवक अस्पताल से दवाई लेकर घर लौट रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 65 वर्षीय समर कुरैशी आरिफ नगर का रहने वाला था। 17 दिसंबर सुबह 9 बजे वह मेमोरियल अस्पताल में दवाई लेकर घर जा रहा था। तभी आर्शीवाद शादी हॉल के पास सामने आ रही बाइक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा। हादसे में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। इस दौरान आसपास के लोगों ने उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। 28 दिन तक इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मकर संक्रांति आज : 2000 पतंगों के साथ सजेगा जंबूरी का आसमान

संक्रांति और पोंगल के अवसर पर पलाश रेसीडेंसी में चार दिवसीय फूड फेस्टिवल

जागरण, भोपाल। मकर संक्रांति की तिथि को लेकर बनी दुविधा अब समाप्त हो गई है। यह पर्व बुधवार को मनाया जा रहा है। वैदिक पंचांग के अनुसार, माघ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि यानी 14 जनवरी को मकर संक्रांति है। संक्रांति का पुण्य काल दोपहर 03 बजकर 13 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 45 मिनट तक है। इसके साथ ही महा पुण्य काल दोपहर 03 बजकर 13 मिनट से लेकर शाम 04 बजकर 57 मिनट तक है। च्योतिषियों के अनुसार 14 जनवरी बुधवार को दोपहर 03 बजकर 43 मिनट पर सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य देव के मकर राशि में प्रवेश के दिन मकर संक्रांति मनाई जाती है। इस दौरान पूजा और दान करने से सूर्य देव की विशेष कृपा प्राप्त होगी। भारतीय ज्योतिष कर्मकांड महासभा ने भी इसकी पुष्टि की है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य उत्तरायण होते हैं। पितरों को मोक्ष दिलाने हेतु शहर के जलाशयों में तिलांजलि भी की जाती है। साथ ही पितरों का तर्पण किया जाता है।

षट्तिला एकादशी का भी संयोग

इस बार उलझन इसलिए भी है कि 14 जनवरी को जिस दिन सूर्य मकर राशि में

प्रवेश कर रहे हैं उस दिन षट्तिला एकादशी का भी संयोग बन गया है। ऐसे संयोग 23 साल के बाद बना है। ऐसे में लोगों में उलझन है कि मकर संक्रांति का पर्व किस दिन मनाएं। क्योंकि एकादशी पर चावल और खिचड़ी बनाना, खाना और दान करना धर्म संगत नहीं माना गया है। जबकि शास्त्रीय मत है कि जिस दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं उसी दिन मकर संक्रांति का पर्व भी मनाया जाता है।

सनातन परंपरा में एकादशी तिथि को चावल खाने की मनाही है. इसलिए कनफ्यूजन इस बात पर है कि मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी खाई जाए या नहीं! इस कनफ्यूजन को दूर करने के लिए मकर संक्रांति और षटतिला एकादशी दोनों के समय पर गौर करना चाहिए. वैदिक पंचांग के अनुसार, षटतिला एकादशी तिथि की शुरुआत 13 जनवरी 2026 को दोपहर 03 बजकर 17 मिनट से हो रही है. इसकी समाप्ति 14 जनवरी 2026 को शाम 05 बजकर 52 मिनट पर होगी. सनातन परंपरा में उदयातिथि को मान्यता दी जाती है, इसलिए षटतिला एकादशी का व्रत 14 जनवरी 2026, बुधवार को रखा जाएगा।

होटल पलाश रेसीडेंसी में मकर संक्रांति और पोंगल के अवसर पर 15 से 18 जनवरी तक चार दिवसीय मेगा पोंगल फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। होटल द्वारा पोंगल मेगा फूड फेस्ट के लिए दक्षिण भारत से विशेष शेफ आमंत्रित किए गए हैं, जो पोंगल पर्व से जुड़े पारंपरिक व्यंजन तैयार कर अतिथियों को परोसेंगे। इस दौरान पूरे होटल को तमिलनाडु विलेज थीम पर फूलों, केले के पत्तों और आकर्षक रंगोली से सजाया जा रहा है। पलाश रेसीडेंसी के प्रबंधक विपिन कटारे ने बताया कि फेस्टिवल में आने वाले अतिथियों का स्वागत दक्षिण भारतीय परंपरा के अनुसार किया जाएगा तथा पोंगल के खास व्यंजन केले के पत्तों पर परोसे जाएंगे।

तिल-गुड़ के लड्डू और खिचड़ी की महाप्रसादी का होगा वितरण

शहर की समृद्ध परंपराओं को जीवंत करते हुए भोजपाल महोत्सव मेला समिति द्वारा पहली बार भोजपाल पतंग महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि पतंग महोत्सव का आयोजन आज सुबह 10 बजे से अवधपुरी चौराहा स्थित हेलीपैड मैदान (भेल) में होगा। इस प्रतियोगिता में शहर भर के पतंगबाज अपनी कला और हुनर का प्रदर्शन करेंगे। त्योहार की मिठास और खुशी बांटने के लिए समिति ने विशेष इंतजाम किए हैं। महोत्सव में आने वाले लोगों को समिति की ओर से 2,000 पतंगें निशुल्क वितरित की जाएंगी। उत्सव के दौरान लोगों के लिए तिल-गुड़ के लड्डू और गरमा-गरम खिचड़ी की महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए समिति ने कड़ा फैसला लिया है। पतंग महोत्सव में चाइनीज डोर (चाइनीज मांझा) का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। केवल सूती और सुरक्षित धागे के उपयोग की अनुमति होगी।

भोपाल में बढ़ा दिन और रात का पारा

ग्वालियर अंचल में कड़ाके की ठंड

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के कई जिलों में दिन व रात का पारा फिलहाल बढ़ रहा है। भोपाल की बात करें तो मंगलवार को यहां दिन का अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया और रात का न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री रहा। यही स्थिति प्रदेश के अधिकांश जिलों में देखी गई। सिर्फ ग्वालियर संभाग में रात का पारा 5 से 7 डिग्री के बीच रिकार्ड किया गया। इस कारण यहां कड़ाके की ठंड रही। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार फिलहाल प्रदेश में सर्दी स्थिर है। अधिकांश जिलों में दिन का तापमान बढ़ रहा है और रात में भी यह 10 डिग्री के आस पास रिकार्ड किया जा रहा है।

संक्रांति के बाद तेज ठंड की संभावना : मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 15 जनवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम स्ट्रॉन्ग है। इस वजह से 2 से 3 दिन बाद एमपी के उत्तरी हिस्से में मावठा गिरने के आसार है। इससे पहले ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभाग में मध्यम कोहरा और तेज ठंड का असर बना रहेगा।वहीं, उत्तरी हिस्से में सर्द हवाओं का असर बना रहेगा। वजह यहां बर्फीली हवाएं सीधे आना है। तेज सर्दी होने से ग्वालियर में न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से नीचे चल रहा है। दतिया, श्योपुर जैसे जिलों में भी सर्दी का असर बरकरार है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और उज्जैन में पारा 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है।

एसआई विवेक ने सीपीआर देकर बचाई युवक की जान

ऑटो में बैठाकर साथी अस्पताल हुआ रवाना

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस मुख्यालय और पुलिस कमिश्नरेट द्वारा पुलिस कर्मियों और अधिकारियों को सीपीआर देने की ट्रेनिंग की काम आने लगी है। दरअसल, नादरा बस स्टैंड पर बैटरी रिक्शा से उतरा युवक गश खाकर गिर गया। वहीं पास ड्यूटी कर रहे हनुमानगंज थाने के एसआई विवेक शर्मा ने तुरंत उसे सीपीआर दिया, जिससे उनकी जान बच गई। होश आने पर उसकी आंखें खुली। इसके बाद उसका साथी आटो में बैठाकर हमीदिया अस्पताल ले गया। जानकारी के मुताबिक, सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे हनुमानगंज थाने में

पदस्थ एसआई विवेक शर्मा और अमित भदौरिया नादरा बस स्टैंड पर ड्यूटी पर तैनात थे। तभी एक बैटरी रिक्शा छोला मंदिर रोड की ओर से नादरा बस स्टैंड चौराहे पर रुका। उसमें दो लोग सवार थे। एक व्यक्ति बैटरी वाले को पैसा देने लगा, तभी दूसरा उतरकर खड़ा हुआ। अचानक वह गश खाकर गिर गया। पास में ही एसआई विवेक शर्मा खड़े थे। यह देख वह तुरंत उसके पास दौड़े। उसे सीपीआर दिया। कुछ देर बाद उसे होश आया और उसकी आंखें खुली। सांस लेने के बाद वह उसने पानी पिया। उसने अपना नाम गुलाब सिंह (35) निवासी जालंधर सिटी पंजाब बताया। इसके बाद उसका साथी उसे आटो में बैठाकर हमीदिया अस्पताल ले गया।

छात्र नेता ने युवक को लाठी-डंडों से पीटा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बागसेवनिया इलाके में एक युवक को छात्र नेता और उसके साथियों से लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट दिया। घटना का वीडियो सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित ने पीड़ित ने मंगलवार को थाने में शिकायत की है। पुलिस ने मारपीट समेत अन्य धाराओं में चार लोगों के नामजद व अन्य आधा दर्जन के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, हिमांशु (19) पिता रंजीत कुमार बागसेवनिया इलाके में रहता है। वह छात्र है। मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे किसी बात को लेकर उसके साथ विकास ठाकुर, रामपाल, राजेश पटेल, अखिलेश त्रिपाठी समेत 5-6 अन्य लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। यह हमला साकेत नगर के मोनारे रेस्टोरेंट के पास की है। हमले में हिमांशु गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि आरोपियों में एक छात्र नेता शामिल है। पुलिस ने आरोपी विकास ठाकुर, रामपाल, राजेश पटेल, अखिलेश त्रिपाठी समेत 5-6 अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विदेशी शराब की बिक्री 54 प्रतिशत बढ़ी

9 महीनों में भोपाल में देशी शराब की बिक्री 61 फीसदी गिरावट हुई

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में इस वित्त-वर्ष के दौरान (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) के शुरूआती 9 महीनों में देशी शराब की बिक्री में तेजी से कमी आई है। भोपाल आबकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 2024 में जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच 6359121 प्रूफ लीटर देशी शराब बिकी थी जो इस साल इसी अवधि में घटकर केवल 2473393 प्रूफ लीटर रह गई। इसके बजाय विदेशी शराब (व्हिस्की, रम, जिन, वोदका आदि) की बिक्री में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस वित्त वर्ष के दौरान भारी इजाफा हुआ है। 2024 में जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच 4056593 प्रूफ लीटर विदेशी शराब बिकी थी, वह आंकड़ा बढ़कर 2025 की इसी अवधि में बढ़कर 6254364 प्रूफ लीटर तक जा पहुंचा है। 2024 और 2025 के आंकड़ों के अनुसार बीयर की बिक्री में भी 19.77 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। 2024 में जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच 7194377 बल्क लीटर बीयर बिकी थी, वहीं 2025 में इसी दौरान 8616781 बल्क लीटर बीयर बेची जा चुकी है।

देशी शराब की बिक्री में गिरावट की वजह नई आबकारी नीति : आबकारी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ठेकेदार अब नई शराब नीति का फायदा उठा रहे हैं। भोपाल में चार अलग-अलग समूहों के पास भोपाल की 80 से अधिक शराब दुकानों के लाइसेंस हैं। आबकारी नीति के अनुसार अब शराब दुकानों के ठेके कंपोजिट आधार पर दिए जाते हैं। इसमें ये प्रवाधान नहीं किया गया है कि ठेकेदार देशी या विदेशी की तय मात्रा आबकारी के वेयरहाउस से खरीदेगा। लाइसेंसी चाहे तो अपनी मर्जी और मांग के हिसाब से देशी और विदेशी शराब की मात्रा खरीद सकता है।

ड्राफ्ट बीयर और वाइन की भी सेल बढ़ी

विदेशी शराब और बीयर की तर्ज पर अब भोपाल में ड्राफ्ट बीयर और वाइन की बिक्री में भी उछाल आया है। 2024 में अप्रैल से दिसंबर के दौरान जहां केवल 61727 लीटर ड्राफ्ट बीयर की बिक्री हुई थी, वहीं 2025 में इस दौरान 87857 लीटर ड्राफ्ट बीयर बिकी है जो 42.33 फीसदी अधिक है।

"भोपाल में विदेशी शराब, बीयर, ड्राफ्ट बीयर और वाइन की बिक्री में इस वित्त वर्ष के पहले 9 माह में काफी इजाफा हुआ है। इसके बजाय देशी शराब की बिक्री घटी है। विभाग का फोकस रेवेन्यू कलेक्शन और अवैध शराब की बिक्री रोकने का होता है।

■ वीरेंद्र धाकड़, सहायक आबकारी आयुक्त, भोपाल।

सभी महिला थानों में लगी सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा ने प्रदेश की महिला पुलिसकर्मियों और थानों में आने वाली पीड़ित महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी महिला पुलिस थानों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें लगा दी हैं। इसके साथ ही सभी महिला थानों में शुद्ध पेयजल के लिए आरओ वाटर प्यूरिफायर भी लगाए गए हैं।स्पेशल डीजी महिला सुरक्षा अनिल कुमार ने बताया कि इसका मकसद महिलाओं के लिए थानों में स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। गौरतलब है कि थानों में आने वाली महिला आवेदकों या ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों को मासिक धर्म के दौरान कई बार असुविधा का सामना करना पड़ता था। इसके बाद एक एनजीओ और फाइनेंस कंपनी से संपर्क कर हर महिला थाने में वेंडिंग मशीनें लगाई गई हैं। इसके साथ ही हर थाने में 1000 सेनेटरी नैपकिन का स्टॉक भी उपलब्ध कराया गया है।

अब सभी पीटीसी में भी मशीनों के साथ लगेंगे इंसिनिरेटर : महिला सुरक्षा शाखा के अनुसार ये प्रोजेक्ट केवल इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित नहीं है। बल्कि महिला पुलिसकर्मियों और आने वाली महिला आवेदकों को मासिक धर्म स्वच्छता और हाईजीन का विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। प्रदेश की पुलिस महिला थानों के बाद अगले चरणों में प्रदेश के सभी पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों (पीटीसी) को भी कवर किया जाएगा। वहां न केवल वेंडिंग मशीनें लगेंगी, बल्कि नैपकिन को नष्ट करने के लिए इंसीनेरेटर (भस्मक) भी लगाए जाएंगे। इसके साथ ही महिला सुरक्षा शाखा ने ट्रेफिक ड्यूटी में तैनात सभी महिला कर्मचारियों को ड्यूटी के लिए स्पेशल हेलमेंट भी प्रदान किए हैं।

मास्टर की से करता था बाइक चोरी, गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हबीबगंज पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से 10 चोरी की बाइक बरामद की हैं, जिसकी कीमत साढ़े आठ लाख रुपए आंकी गई है। आरोपी की फितरत है कि वह आते-जाते मास्टर की बाइक से चोरी करता था। पेट्रोल खत्म होने पर बाइक छोड़ देता था। वह पेशे से पीठे पर मजूदरी करता है। हबीबगंज इलाके में मजदूरी के बाद लौटा तो एक शाम को दस नंबर से बाइक चोरी कर निकल गया। पुलिस ने फुटेज खंगाले तो एक में कैद हो गया। हुलिए के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान की और दबोच लिया। दो के दिन के पीआर के बाद उसे मंगलवार को जेल भेज दिया है। आरोपी ने हबीबगंज से पांच समेत विदिशा व सागर से बाइक चोरी की थीं। हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि 1 दिसंबर 2025 को कोलार रोड निवासी अरविंद सेन (29) की बाइक दस नंबर मार्केट से चोरी हो गई थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस जांच कर रही थी कि 20 दिसंबर को दस नंबर मार्केट से जनता कालोनी निवासी लक्ष्मी झा की एक्टिवा चोरी हो गई। पुलिस ने बारीकी से सीसीटीवी कैमरे खंगालना शुरू किया। कैमरों की चैन बनाकर पुलिस 12 नंबर मल्टी तक पहुंची। फुटेज में एक संदेही दिखा। इसकी पहचान मूलतः विदिशा निवासी रूपेश अहिरवार (33) पिता देवीलाल हाल निवासी बीडीए मल्टी हबीबगंज के रूप में हुई। पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की। उसने चार बाइक चोरी करना कबूल किया।

चौक-चौराहे पर पेन पेंसिल बेचने के नाम पर मांगी जा रही भीख

जागरण संवाददाता, भोपाल। मंगलवार को कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई के दौरान शहर में भिक्षावृत्ति पर रोक न लग पाने का मुद्दा छाया रहा। शिकायतकर्ता सुरेश प्रजापति ने कलेक्टर से कहा कि आपके आदेश के बाद भी भिक्षावृत्ति पर रोक नहीं लग पा रही है। चौक-चौराहों पर बच्चों से भीख मंगवाई जा रही है। बच्चे की-रिंग, पेन-पेंसिंल सहित अन्य सामग्री बेचने के नाम पर भिक्षावृत्ति कर रहे हैं। इससे बच्चों के भविष्य पर संकट खड़ा हो गया है। प्रजापति ने बताया कि कोलार स्थित सेंटर में भी भिक्षुक मौजूद नहीं हैं। कलेक्टर ने प्रजापति को जांच के बाद कार्रवाई के लिए कहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी, एडीएम अंकुर मेश्राम और सुमित कुमार पांडेय मौजूद थे।

बिल्डर ने नहीं दिया फ्लैट का कब्जा : कटारा हिल्स निवासी शंकरलाल मालवीय बताया कि भोजपाल बिल्डर्स के प्रोजेक्ट श्री कृष्णा हाइट्स बर्रई में उन्होंने 30 अप्रैल 2016 को फ्लैट बुक किया था।

2018 में फ्लैट देने का वादा किया गया था। तीन साल बाद नवंबर 2021 में फिर से फ्लैट अधिपत्य करने का वादा किया। इस बीच में फ्लैट की रजिस्ट्री करा दी गई, लेकिन रजिस्ट्री की मूल प्रति मुझे नहीं सौंपी गई। इसकी शिकायत रेरा से भी की गई है। रेरा ने मेरे पक्ष में क्षतिपूर्ति ब्याज की राशि देने का 13 जून 2024 को आदेश बिल्डर को दिया। इसके बाद भी 2 लाख 97 हजार 518 रुपये ब्याज की राशि व रजिस्ट्री की मूल कॉपी नहीं दी गई है। कलेक्टर ने एसडीएम कोलार को जांच के आदेश दिए हैं।

प्रदर्शन — सैंकडों की संख्या में जुटे कार्यकर्ता, सीएम हाउस के प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

गौमांस मामले में सियासत तेज, संगठनों का घेराव

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पुलिस मुख्यालय के सामने मांस से भरे ट्रक में गौमांस की पुष्टि होने के बाद सियासी और सामाजिक हलचल तेज हो गई। जय मां भवानी संगठन के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को पलाश होटल से पैदल रैली निकाली। उन्होंने सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महापौर मालती राय की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर आरोप लगाए और नारेबाजी की। पैदल रैली सीएम हाउस की ओर से जा रही थी। बाणगंगा चौराहे पर बैरीकेडिंग पर पुलिस ने रैली को रोक लिया। इसके बाद पांच लोगों का दल सीएम हाउस गया। जहां सीएम हाउस के प्रतिनिधि ने ज्ञापन लिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि पांच दिन के अंदर वैधानिक कार्रवाई की जाएगा। जय मां

भवानी संगठन के भानू हिंदू ने बताया कि हमने 15 दिन का समय दिया है। यदि इसके बाद भी जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो आमरण अनशन किया जाएगा। यह हंगामा करीब ढाई घंटे तक चला। कार्यकर्ताओं ने आरोपी असलम चमड़ा के खिलाफ एनएसए और बुलडोजर से घर गिराने की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार दोपहर दो बजे हिंदू समाज के लोग पलाश होटल के सामने शनि मंदिर के पास एकत्रित हुए। यह सूचना लगते ही

टेंडर रद्द कर ब्लैकलिस्ट की मांग

संगठन ने मांग की है कि संबंधित व्यक्तियों और उनकी कंपनियों को नगर निगम द्वारा दिए गए सभी टेंडर निरस्त किए जाएं और भविष्य के लिए उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। साथ ही जिन लोगों पर गौहत्या के दो या उससे अधिक मामले दर्ज हैं, उन पर समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और पूरे प्रदेश में रासुका लगाने की मांग की गई है। जय मां भवानी संगठन का कहना है कि जब तक सभी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पुलिस ने बाणगंगा चौराहे पर बैरीकेडिंग कर दी। यहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन आदि लेकर खड़े हो गए। हिंदू समाज के लोग जैसे ही यहां पहुंचे पुलिस ने उन्हें रोक लिया। काफी देर तक जोर-आजमाइश चली। इसके बाद पांच लोगों को दल सीएम हाउस के लिए भेजा गया। इधर, अन्य कार्यकर्ता नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। सरकार से मांग की है कि पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच समिति बनाई जाए।

निलंबित कर एफआईआर में नाम जोड़ने की मांग

संगठन ने फास्ट-ट्रैक कोर्ट के माध्यम से मामले के शीघ्र निपटारे और दोषियों पर कड़ी सजा सुनिश्चित करने की मांग की है। घटनाक्रम में शामिल लोगों पर रासुका लगाने, इस्तेमाल की गई गाड़ी को राजसात करने और संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों की जांच कर अवैध संपत्ति जब्त करने की मांग भी रखी गई है। जय मां भवानी संगठन के भानू हिंदू का कहना है कि जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण 26 टन मांस से भरा ट्रक संबंधित कंपनी को सौंपा गया, उन सभी विभागों के अधिकारियों पर विभागीय जांच होनी चाहिए। जो अधिकारी सीधे तौर पर लिप्त हैं, उन्हें निलंबित कर एफआईआर में नाम जोड़े जाने की मांग की गई है। संगठन ने भोपाल में संचालित स्लॉटर हाउस को स्थायी रूप से बंद करने और अवैध पशुवध करने वालों पर सख्त कार्रवाई की भी मांग की है।

जयप्रकाश अस्पताल का ड्रेसर करेगा बाबूगिरी

नेत्र सहायक को पीसीपीएनडीटी का प्रभार

नगर संवाददाता, भोपाल। जिला अस्पताल में पहले से स्टाफ की कमी है, यहां वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ साथ नर्सिंग स्टाफ और अन्य मेडिकल स्टाफ कम हैं और काम ज्यादा। इसके बाद भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष श्रीवास्तव द्वारा जेपी अस्पताल के एक ड्रेसर को अपने कार्यालय में पदस्थ करने के आदेश जारी किए गए हैं। इस आदेश का असर जेपी अस्पताल की इमरजेंसी सेवा पर देखने को मिलेगा। जहां ड्रेसर की आवश्यकता अत्यंत जरूरी है। जानकारी अनुसार सीएमएचओ द्वारा आदेश जारी किया गया है, जिसमें जेपी अस्पताल के ड्रेसर अंकित दुबे को सीएमएचओ कार्यालय में जावक शाखा का प्रभारी नियुक्त किया गया है। आदेश के मुताबिक राशि जैन से जावक शाखा का काम वापस ले लिया गया है, अब वह सिर्फ स्थापना शाखा एमपी डब्ल्यू का काम देखेंगे। आदेश से पहले राशि जैन के पास उक्त दोनों काम का जिम्मा था।

फार्मासिस्ट और नेत्र सहायक पहले से पदस्थ : भोपाल सीएमएचओ कार्यालय में कई ऐसे कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनका मूल विभाग या मूल पदस्थापना कहीं ओर है। इसी कड़ी में जोनार्थन सिंह का नाम सामने आया है। जोनार्थन मूल रूप से फार्मासिस्ट हैं और इनकी मूल पदस्थापना विधानसभा की फार्मेसी में हैं। लेकिन बीते एक साल से जोनार्थन सिंह के पास सीएमएचओ कार्यालय में नर्सिंग शाखा की जिम्मेदारी है। इसके अलावा प्रहलाद प्रजापति का नाम भी सामने आया है। प्रहलाद सीएमएचओ कार्यालय में पीसीपीएंडडीटी के प्रभारी का काम देख रहें हैं। जबकि प्रहलाद की मूल पदस्थापना जेपी अस्पताल में हैं और यहां पर उसका काम नेत्र सहायक का है। प्रहलाद के बारे में बताया गया है कि वह पिछले 8 साल से सीएमएचओ कार्यालय में जमा हुआ है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

गुणवत्ता नियमों-प्रक्रियाओं को फिर से बनाए इसरो

इसरो को गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले नियमों और प्रक्रियाओं को फिर से बनाना शुरू करना चाहिए। दो दिन पहले जब पीएसएलवी-सी62 मिशन श्रीहरिकोटा से भोर के आसमान में प्रक्षेपित किया गया और उसका तीसरा चरण चालू हुआ, तो सीधे प्रसारण में अचानक रॉकेट के प्रदर्शन एवं प्रक्षेप-पथ को दिखाना बंद कर दिया गया। जैसे ही यह साफ हो गया कि इसके तीसरे चरण में एक गड़बड़ी आने के चलते मई 2025 में प्रक्षेपित पीएसएलवी-सी61 मिशन की तरह ही सी62 मिशन भी असफल हो गया, प्रसारण में बदलाव और भी आम हो गया।

दशकों से, पीएसएलवी भारत की अंतरिक्ष संबंधी महत्वाकांक्षाओं का 'बोझ उठाने वाला घोड़ा' रहा है। रॉकेट तकनीक के परिपक्व होने के मद्देनजर, लब्बोलुआब यह है कि पीएसएलवी के दो प्रक्षेपणों की असफलता की जिम्मेदार गलतियां गुणवत्ता आश्वासन पक्ष से जुड़ी हो सकती हैं। कम से कम, ये संभवतः कभी-कभार होने वाली गड़बड़ियां नहीं है। सी61 मिशन अपने तीसरे चरण में 'चैंबर प्रेशर' खो देने की वजह से असफल हो गया था, लेकिन पता लगाए गए असली कारण का सार्वजनिक रूप से खुलासा करने के बजाय 'फेलियर एनालिसिस कमेटी (एफएसी)' की रिपोर्ट को प्रधानमंत्री कार्यालय में रहने देने का फैसला लिया गया। इसरो ने 'संरचनात्मक मजबूती' का भरोसा दिलाया और पीएसएलवी की अगली उड़ान को मंजूरी दे दी। सी62 की असफलता, जिसे 'रोल रेट डिस्टर्बेंस' कहते हैं, के लक्षण सी61 की असफलता से पहले हुई घटनाओं जैसी ही हैं।

इस असफलता के वित्तीय नतीजे अच्छे नहीं हैं- न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के तहत, इसरो प्रतिस्पर्धी वैश्विक प्रक्षेपण बाजार में पीएसएलवी को एक वाणिज्यिक उत्पाद के तौर पर पेश करता रहा है। अब, इस बाजार में काम करने वाली अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनियां पीएसएलवी के जोखिम वाले पहलू का फिर से आकलन करेंगी और बीमा के प्रीमियम बहुत ज्यादा बढ़ सकते हैं, जिससे यह यान कम किफायती हो जाएगा - यह अंतरिक्ष के क्षेत्र में सकल प्रदाता बनने की चाहत रखने वाले देश के लिए रणनीतिक शर्मिंदगी की बात होगी।

इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के कार्यकाल में इसरो की वैज्ञानिक खुलेपन की पारंपरिक संस्कृति से हटकर अपेक्षाकृत ज्यादा सतर्क एवं नौकरशाही वाले रवैये की दिशा में लगातार बदलाव देखा गया है। प्रक्षेपण की तेज लय बनाए रखने का दबाव तो समझ में आता है, लेकिन अपने पिछले मिशन की जांच रिपोर्ट गोपनीय होने के बावजूद सी62 मिशन को लॉन्च पैड पर ले जाने का उनका फैसला मुश्किल सवाल खड़े करता है। अगर कोई जल्दबाजी थी, तो उसे इस तथ्य से समझने में मदद मिल सकती है कि सी62 मिशन में डीआरडीओ द्वारा निर्मित ईओएस-एन1 उपग्रह भी ले जाया गया था।

अच्छी बात यह है कि नारायणन के कार्यकाल में इसरो ने हाल ही में दिसंबर 2025 में एम6 मिशन के साथ अपने एलवीएम-3 रॉकेट की बढ़ती विश्वसनीयता भी प्रदर्शित की है। लेकिन फिलहाल, इसरो और नारायणन के लिए भरोसा फिर से कायम करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले नियमों एवं प्रक्रियाओं को दोबारा बनाने का मुश्किल काम शुरू करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि अंतरिक्ष विभाग सी61 मिशन की एफएसी रिपोर्ट जारी करे। कर देने वाली जनता और वाणिज्यिक हितधारकों को यह जानने का हक है कि 2025 में क्या गलत हुआ, क्या 2026 में भी ऐसी ही गलती दोहरायी गई और तीसरा चरण फिर से क्यों प्रभावित हुआ।

अंतरराष्ट्रीय कूटनीति

सहयोगियों के नेटवर्क को नये टैरिफ और रोज नए अपमान से तोड़ रहे हैं ट्रंप

अमेरिका को भारत की ज्यादा जरूरत

प्रभु चावला

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में वापसी के बाद से ही अपनी पुरानी आदतों को ज्यादा आक्रामक और अपने सहयोगियों पर ज्यादा दबाव बनाया है। वह कूटनीति को साझेदारी के बजाय प्रदर्शन और सौदेबाजी को संवाद के बजाय वर्चस्व स्थापित करने के रूप में देखते हैं। अपने सहयोगियों के नेटवर्क को नया रूप देने के बजाय वह इस नेटवर्क को नये टैरिफ और नये अपमान के जरिये तोड़ रहे हैं। हालांकि भारत को निशाना बनाते हुए भी वह इसे डरा नहीं पाते। अमेरिका के साथ रिश्ते में भारत जूनियर पार्टनर नहीं है, जो वाशिंगटन की मंजूरी का इंतजार करे। भारत एक सभ्यतागत शक्ति है, जो राजनीतिक स्थिरता, सांस्थानिक परिपक्वता और आर्थिक उभार के जरिये यहां तक पहुंचा है। ऐसे देश के बारे में ट्रंप के नजरिये से ही साफ हो जाता है कि उनकी सोच कितनी पुरानी है। अगर वाशिंगटन टकराव का रास्ता चुनता है, तो वह उस ताकत से हाथ धो बैठेगा, जो चीन को नियंत्रण में रखने और एशिया की स्थिरता बहाल करने में सर्वाधिक सक्षम है। इसके बजाय अगर वह भारत के साथ सहयोग का रास्ता चुनता है, तो उसके पास वैश्विक प्रासंगिकता और नैतिक नेतृत्व को नया रूप देने का अवसर होगा।

पिछले सप्ताह अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने एक पॉडकास्ट में असाधारण टिप्पणी की। उनका कहना था कि भारत के साथ बड़ा व्यापार सौदा नीतिगत असहमति के कारण नहीं, बल्कि इस कारण रद्द हो गया, क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जरूरी वक्त पर अमेरिकी राष्ट्रपति से फोन पर बात नहीं की। यह वैश्विक कूटनीति को स्कूली ड्रामे में तब्दील कर देने जैसा है। लुटनिक ने कूटनीति को ऐसे परिभाषित किया, मानो यह राजसभा की कोई परंपरा हो, जिसमें लाभ पाने के लिए नेताओं के लिए राजा के सामने झुकना जरूरी हो। लुटनिक ने यह टिप्पणी साफतौर पर भारत को अपमानित करने के उद्देश्य से की। संदेश सुस्पष्ट था। देशहित नहीं, ट्रंप के अहं की तुष्टि ही वाशिंगटन द्वारा व्यापारिक निर्णय लेने का आधार है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने तुरंत ही इस अमेरिकी दावे का खंडन किया।

आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि व्यापार, तकनीक और वैश्विक सुरक्षा के मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 2025 में आठ बार वार्ता हुई। जाहिर है, व्यापार वार्ता टेलीफोनिक शिष्टाचार के कारण नहीं, बल्कि अमेरिका की बदलती शर्तों और ट्रंप की व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के कारण अधर में लटक गयी। जाहिर है, यह अमेरिकी सिद्धांत नये भारत को मंजूर नहीं, जो आत्मनिर्भर तथा आत्मविश्वासी है, और जो खुद को छिछले भू-राजनीतिक खेलों में धकेला जाना गवारा नहीं करता। पर ट्रंप यहीं नहीं रुके। वर्ष 2025 के अंत में राष्ट्रवादी नजरिये का परिचय देते हुए ट्रंप ने सैंक्शनिंग रशिया एक्ट पर दस्तखत किया, जिसका उद्देश्य रूस से तेल, गैस और यूरेनियम खरीदने वाले देशों पर 500 फीसदी टैरिफ लगाना है। 'मॉस्को को संसाधनों से वंचित करने के बहाने' इससे दरअसल भारत, चीन और ब्राजील को जबरदस्त नुकसान पहुंचाने की मंशा है। पर भारत ने झुकने से इनकार कर दिया है।

नयी दिल्ली के शांत और उत्तेजनाविहीन प्रतिरोध ने ट्रंप की रणनीति का खोखलापन उजागर कर दिया है। ट्रंप ने अमेरिकी शक्ति को जोर-जबरदस्ती समझ लिया, और यह भूल गये कि आज ताकत दबाव बनाने से नहीं, साझेदारी बनाने से आती है। ट्रंप द्वारा वैश्विक मंचों से अमेरिका को बाहर निकाल लेने से भी स्थिति बदतर हुई है। इसी महीने ट्रंप ने इंटरनेशनल सोलर अलायंस से अमेरिका के बाहर निकलने का आदेश जारी किया। यह भारत की बेहद महत्वाकांक्षी वैश्विक पहल थी, जिसे नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 2015 में फ्रांस के साथ लॉन्च किया था। हालांकि अमेरिका के बाहर निकलने से इस परियोजना पर रत्ती भर फर्क नहीं पड़ा, और भारत ने जापान, यूरोपीय संघ तथा अफ्रीकन डेवलपमेंट बैंक से फंडिंग लेकर भरपाई कर ली।

ट्रंप ने लगातार यह झूठा दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष उन्होंने रोका। उन्होंने बार-बार अपना दावा दोहराया, जैसे कि भारत को उनके प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। इस बीच पाक सैन्य नेतृत्व से नजदीकी जता कर तथा ढाका को आर्थिक मदद देकर ट्रंप ने भारत के क्षेत्रीय हितों के विपरीत जाने का संदेश दिया। चीन की तरफ झुक कर तथा भारत को निशाना बना कर ट्रंप दरअसल उस रणनीतिक रिश्ते को ही नुकसान पहुंचा रहे हैं, जो हिंद-प्रशांत में बीजिंग के विस्तारवाद पर अंकुश लगा सकता है।

यहीं पर सारे समीकरण अमेरिका के विपरीत जाते दिखते हैं। अपनी विराट आर्थिक शक्ति के बावजूद अमेरिका रणनीतिक खिंचाव और आबादी की स्थिरता की चुनौती से जूझ रहा है। दूसरी तरफ भारत के 1.4 अरब उपभोक्ताओं का विशाल बाजार वैश्विक नवाचार तथा विनिर्माण वृद्धि का विराट मंच उपलब्ध कराता है। एप्पल, गूगल, एमेजॉन, टेस्ला- यानी तकनीक क्षेत्र की हर बड़ी अमेरिकी कंपनी अपने अस्तित्व के लिए भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, उपभोक्ताओं और प्रतिभाओं पर निर्भर है। भू-राजनीतिक वास्तविकता तो यह है कि भारत के बिना अमेरिका अपनी प्रतिस्पर्धात्मक श्रेष्ठता बरकार नहीं रख सकता। यदि ट्रंप सचमुच अमेरिका को फिर से महान राष्ट्र बनाना चाहते हैं, तो पहले उन्हें अमेरिका को बुद्धिमान बनाना होगा। उन्हें स्वीकार करना होगा कि 21 वीं सदी में सत्ता संतुलन उन देशों के साथ सहयोग पर निर्भर करेगा, जिनके पास लोकतांत्रिक मूल्य और जनसांख्यिकी की शक्ति है। और इस मामले में भारत से बेहतर साझेदार अमेरिका को नहीं मिलेगा।

अगर वाशिंगटन टकराव का रास्ता चुनता है, तो वह उस ताकत से हाथ धो बैठेगा, जो चीन को नियंत्रण में रखने और एशिया की स्थिरता बहाल करने में सर्वाधिक सक्षम है। इसके बजाय अगर वह भारत के साथ सहयोग का रास्ता चुनता है, तो उसके पास वैश्विक प्रासंगिकता और नैतिक नेतृत्व को नया रूप देने का अवसर होगा। निर्णय ट्रंप को लेना है, जबकि उसका असर अमेरिका पर पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि 2026 में एक सत्य किसी भी शब्दाडंबर से बड़ा है, और वह यह कि भारत को अमेरिका की जितनी जरूरत है, अमेरिका को भारत की आवश्यकता उससे ज्यादा है। वाशिंगटन जितनी जल्दी यह सच्चाई समझे, एक टिकाऊ विश्व व्यवस्था में इन दोनों देशों द्वारा अपनी भूमिकाएं निभाने में उतनी ही सहूलियत होगी।

खुला मंच

कर्मों के हिसाब से खराब है हवा

शमीम शर्मा

आजकल हवा में सिर्फ ऑक्सीजन नहीं, हमारे कर्मों का फल भरा पड़ा है। जो धुआं कारखानों से निकला, जो जहर हमने खेतों में डाला, जो गंदगी हमने शहरों में फैलाई-सब मिलकर हवा का चरित्र प्रमाण-पत्र बना रहे हैं।

एक ठंडी सर्द रात में चूल्हे के सामने बैठी एक नन्ही बच्ची ने अपनी मां से एक मासूम-सा सवाल किया- मां, जब चूल्हे की आग कम हो जाती है तो हम फूंक मारकर उसे तेज कर देते हैं, लेकिन दीये पर फूंक मारें तो वो बुझ क्यों जाता है? हवा भेदभाव करती है क्या? बच्ची का सवाल छोटा था लेकिन उसके भीतर समाज का पूरा सच धधक रहा था। व्यवस्था तो ऐसी होनी चाहिए, जिससे हवा भी चलती रहे और दीया भी जलता रहे।

दरअसल, हवा की यह दोहरी भूमिका हमारे समाज जैसी ही है। एक ओर चूल्हे हैं, जो हवा मिलते ही वह भभक उठते हैं। दूसरी ओर दीपक हैं, जो हल्की-सी हवा से भी फुर्र होकर अंधेरे में बदल जाता है। कहीं हवा मौका बन जाती है और कहीं जोखिम बन जाती है। पर आजकल हवा भी खराब हो गई है। गांव की हवा में कभी मिट्टी की खुशबू होती थी अब तो चिड़ियां भी दिशाओं से पूछती हैं कि किधर उड़ें कि सांस बची रहे?

आज राजनीति से लेकर परिवार तक हर कोई हवा का रुख देखकर हवा में उड़ रहा है, मौका मिलते ही हवा बदल लेता है। जब सच सामने आता है तो आम आदमी की हवा निकल चुकी होती है। नेता हों या अफसर, सब अपनी-अपनी हवा बनाए रखने में जुटे हैं जबकि आम आदमी की जिंदगी की तो हवा निकली पड़ी है। जो बचे हैं उनकी हवा खराब हवा ने निकाल रखी है।

सबसे मजेदार बात यह है कि हम कहते हैं कि हवा खराब है पर खुद को सुधारने की हवा कभी नहीं चलने देते। गाड़ी की खिड़की बंद करके ए.सी. चला लेते हैं और पेड़ काटकर कहते हैं-विकास जरूरी है। विकास जरूरी है, पर सांस भी तो चाहिए ! आजकल हवा में ऑक्सीजन नहीं, हमारे कर्मों का फल भरा पड़ा है। जो धुआं कारखानों से निकला, जो जहर हमने खेतों में डाला, जो गंदगी हमने शहरों में फैलाई-सब मिलकर हवा का चरित्र प्रमाण-पत्र बना रहे हैं। और फिर हम कहते हैं-आजकल हवा खराब है। हवा इतनी बदनाम हो चुकी है कि खिड़की खोलना भी साहसिक खेल बन गया है।

नत्थू के बोल्या....

एक बेर की बात है अक नत्थू छात पै खड़्या ठंडी हवा खावै था अर अचानक यमराज आग्या। बोल्या- तेरी जान लेण आया हूं। नत्थू बेफिक्री तै बोल्या- ले ज्या, पड़ोस म्हं चार घर छोड़ कै रहवै है।

प्रसंगवश

मकर संक्रांति : जीवंत सांस्कृतिक चेतना का पर्व

कमलाकर सिंह

हिंदू पंचांग का पहला बड़ा पर्व मकर संक्रांति भारतीय सभ्यता के उस दुर्लभ क्षण का उत्सव है जब आकाश, धरती और मानव जीवन एक ही लय में प्रवेश करते हैं। यह वही दिन है जब सूर्य अपनी दक्षिणायन यात्रा समाप्त कर उत्तरायण होता है और मकर राशि में प्रवेश करता है। यही कारण है कि यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि ऋतु, कृषि, ऊर्जा और चेतना के नए चक्र का प्रतीक है। भारत के अधिकांश हिस्सों में यह पर्व 14 या 15 जनवरी को मनाया जाता है और यह एकमात्र ऐसा बड़ा त्योहार है जो चंद्र नहीं बल्कि सूर्य की गति पर आधारित है।

मध्य प्रदेश में मकर संक्रांति को स्थानीय बोली में 'सुकरात' या 'सकरात' कहा जाता है। यह नाम अपने आप में बताता है कि यह पर्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि समाज, गाँव और सामूहिक जीवन से गहराई से जुड़ा है। यहाँ यह दिन प्रकृति, नदी, खेत और मनुष्य के बीच एक नए संतुलन का उत्सव बन जाता है। कहते हैं ना कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश एक है। जिसका ताजा उदाहरण है हमारे देश की संस्कृति और त्योहार जो अपनी परंपराओं के जरिए पूरे देश को एक धागे में पिरो देते हैं।

आज उत्तर भारत के लोग 'मकर संक्रान्ति' मना रहे हैं तो वहीं दक्षिण भारत आज 'पोंगल' की तैयारी में जुटा है तो वहीं हमारे दिलकश पंजाब ने एक दिन पहले ही 'लोहड़ी' मनाई है। ये तीनों ही फसलों के त्योहार कहे जाते हैं। उत्तर भारत में मकर संक्रान्ति मनायी जाती है जिसका महत्व सूर्य के मकर रेखा की तरफ़ प्रस्थान करने को लेकर है जबकि दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में पोंगल के जरिये सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने का स्वागत किया जाता है, मतलब कि भाव एक ही है। तमिल लोग इसे अपना न्यू ईयर भी मानते हैं। तमिलनाडु में सूर्य को अन्न-धन का भगवान मान कर चार दिनों तक उत्सव मनाया जाता है साथ ही यह त्यौहार कृषि एवं फसल से सम्बन्धित देवताओं को समर्पित है तो लोहड़ी में भी यही होता है।

इस दिन मध्य प्रदेश की पवित्र नदियों के घाटों पर असाधारण दृश्य देखने को मिलते हैं। तड़के सुबह से ही श्रद्धालु नर्मदा के होशंगाबाद, जबलपुर और अमरकंटक घाटों पर, शिप्रा के उज्जैन तट पर, वैनगंगा के सिवनी जिले के मुंदरा, सिद्धघाट और पंचधारा पर तथा सोन और बनास के किनारों पर स्नान के लिए एकत्र होते हैं। यह स्नान केवल शारीरिक शुद्धि नहीं, बल्कि आत्मिक भार से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। लोकविश्वास है कि मकर संक्रांति का जल-स्पर्श जीवन के भीतर नई ऊर्जा और संतुलन भर देता है।

सकरात के साथ मध्य प्रदेश में मेलों की परंपरा भी गहराई से जुड़ी हुई है। सीधी के जोगदहा और भंवरसेन घाट, सिवनी के वैनगंगा तट, भीमगढ़ बाँध और पंचधारा जैसे स्थानों पर लगने वाले मेले ग्रामीण जीवन की खुली पाठशाला बन जाते हैं। यहाँ केवल वस्तुओं का लेन-देन नहीं होता, बल्कि लोकसंस्कृति, स्मृतियाँ और संबंधों का आदान-प्रदान भी होता है। दान मकर संक्रांति का सबसे गहरा नैतिक पक्ष है। इस दिन खिचड़ी के लिए चावल और दाल, कंबल, कपड़े, तिल और गुड़ का दान किया जाता है। बड़ा अर्थ यह है कि यह समाज में करुणा और साझेदारी की भावना को मजबूत करता है।

खानपान की दृष्टि से भी यह पर्व अत्यंत समृद्ध है। तिल और गुड़ से बने तिलगुल, गजक और रेवड़ी हर घर में मिलते हैं। खिचड़ी, मूंगदाल के पकौड़े और पुरनपोली जैसे व्यंजन सर्दियों में शरीर को गर्मी और शक्ति प्रदान करते हैं। इसीलिए इस दिन खिचड़ी खाने की परंपरा है।

मालवा और निमाड़ के आकाश में इस दिन रंग-बिरंगी पतंगें उड़ती हैं और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह भर देती हैं। 2026 में गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट में आयोजित पतंग महोत्सव इस परंपरा को नए सांस्कृतिक और पर्यटन आयाम से जोड़ रहा है। ग्रामीण अंचलों में शाम होते-होते अलाव जलाए जाते हैं, जिनके चारों ओर लोग बैठकर लोकगीत गाते हैं और भवाई तथा राई जैसे लोकनृत्यों के माध्यम से फसल और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। यह सामूहिक उल्लास केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामुदायिक एकता की अभिव्यक्ति है। प्रकृति के परिवर्तन की बेला में यह पर्व मनाया जाता है।

मध्य प्रदेश की सकरात हमें याद दिलाती है कि त्योहार केवल तिथियों का गणित नहीं होते, बल्कि समाज की आत्मा होते हैं। नदियों के घाटों, मेलों की रौनक, दान की भावना, तिल-गुड़ की मिठास और पतंगों से भरा आकाश मिलकर यह बताते हैं कि मकर संक्रांति वास्तव में धरती, सूर्य और मनुष्य के बीच नए रिश्ते की शुरुआत है। यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि जैसे सूर्य उत्तरायण होता है, वैसे ही हम भी अपने जीवन को अधिक प्रकाश, अधिक साझेदारी और अधिक संतुलन की ओर मोड़ें।

पंचायती राज

पंचायत उन्नति सूचकांक के जरिए जमीनी स्तर पर विकास की योजनाएं बनाना आसान हुआ

पीएआई दिखाता है पंचायतों की ताकत और कमजोरियां

सुशील कुमार लोहानी

भारत के गांवों में एक शांत लेकिन असरदार बदलाव हो रहा है। महाराष्ट्र की एक पंचायत में 'महिला-अनुकूल पंचायत' विषय में कम अंक आने पर सीसीटीवी और स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं, वहीं गुजरात के एक गांव में 'स्वच्छ और हरित पंचायत श्रेणी' में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेजी से स्वच्छता अभियान शुरू किए गए।

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) अब यह तय करने लगा है कि जमीनी स्तर पर विकास की योजना कैसे बने और उसे कैसे लागू किया जाए। कई पंचायतों में पीएआई के जरिए सामने आई कमियां जैसे संस्थागत प्रसव की कम संख्या, खराब कचरा प्रबंधन या पानी की कमी के आधार पर सीधे लक्षित कदम उठाए गए हैं।

ये शुरुआती उदाहरण एक सरल लेकिन मजबूत सच्चाई दिखाते हैं-जब पंचायतें अपनी ताकत और कमजोरियों को साफ-साफ देख पाती हैं, तो वे ज़्यादा तेजी से और सही तरीके से काम करती हैं। कई दशकों तक भारत में ग्रामीण विकास ज़्यादातर हाथ से बनी रिपोर्टों, व्यक्तिगत धारणाओं और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर निर्भर रहा। आज पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) ग्रामीण प्रशासन के केंद्र में एक नया मॉडल लेकर आया है, जो पारदर्शी है, आंकड़ों पर आधारित है और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है।

पंचायती राज मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) भारत का पहला देशव्यापी ढांचा है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायतों की प्रगति को वस्तुनिष्ठ संकेतकों के आधार पर मापा जाता है। इसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, शासन, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचा, पर्यावरणीय स्थिरता आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह मूल्यांकन 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से निकले स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के नौ विषयों के अंतर्गत किया जाता है। तर्कसंगत रूप से, राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी की प्राप्ति के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यवाही आवश्यक है, जहां पंचायतें अहम भूमिका निभा सकती हैं। इस संदर्भ में, पीएआई ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसडीजी और अंततः एसडीजी की प्रगति को मापने और ट्रैक करने के लिए एक साक्ष्य-आधारित व्यवस्था प्रदान करता है।

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) के आंकड़ों का सत्यापन कई प्रशासनिक स्तरों पर किया जाता है, जिसमें ग्राम सभा द्वारा जांच भी शामिल है। प्रत्येक विषय का स्कोर इन संकेतकों के आधार पर 0 से 100 के पैमाने पर तय होता है और इन्हीं से कुल पीएआई स्कोर बनता है। इसी कुल स्कोर के आधार पर पंचायतों को तुलना के लिए पाँच श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

जमीनी स्तर के शासन को मजबूत करने में इसकी बड़ी क्षमता को देखते हुए, राज्य सरकारें पीएआई अंकों को ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से विभिन्न हितधारकों तक पहुंचा रही हैं। पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए पंचायतों ने अपने कार्यालयों के बाहर पीएआई स्कोरकार्ड लगाना भी शुरू कर दिया है।

कई राज्यों में पीएआई साक्ष्य-आधारित योजना बनाने का एक अहम साधन बन गया है, जिससे पंचायतों को अपने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीडीडीपी) में प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने में मदद मिल रही है। कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उच्च अंक पाने वाली ग्राम पंचायतों को पंचायत लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि झारखंड, बिहार, केरल, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्य इन पंचायतों के लिए पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों के लिए विशेष अध्ययन और अनुभव भ्रमण आयोजित कर रहे हैं। अब कई राज्य पीएआई के प्रदर्शन को सम्मान और पुरस्कारों से भी जोड़ रहे हैं। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री योजना के तहत बड़े पुरस्कार दिए जाते हैं; सिक्किम और मध्य प्रदेश में वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं, जबकि पंजाब, झारखंड, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में उच्च अंक प्राप्त पंचायतों को राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाता है। हालांकि, पीएआई अभी नया है। इसलिए ऐसे लंबे समय के अध्ययन अभी कम हैं जो सीधे और मापने योग्य सुधार दिखा सकें। तकनीकी क्षमता में असमानता, आंकड़ों की सही समझ की कमी और रिपोर्टिंग प्रणालियों में एकरूपता न होने के कारण अलग-अलग क्षेत्रों में डेटा की गुणवत्ता भी अलग-अलग है।

ये समस्याएं नहीं, बल्कि अवसर हैं। इन्हीं अनुभवों से सीख लेते हुए मंत्रालय ने पीएआई 2.0 के लिए प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसमें विशिष्ट संकेतकों की संख्या 435 से घटाकर 119 कर दी गई है, जिससे डेटा संग्रह आसान हो और उसकी गुणवत्ता भी सुधरे। मंत्रालय से जारी स्पष्ट संचालन दिशानिर्देशों और सरल प्रक्रियाओं के कारण इसे लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनाया है। पीएआई की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है और इन लक्ष्यों का गांव स्तर पर नवाचारी स्थानीयकरण करता है। विकास को पीएआई अंकों के माध्यम से मापकर यह मॉडल वास्तव में एसडीजी के सिद्धांतों को व्यवहार में उतारता है, जिससे यह एक अनूठा और संभावित रूप से वैश्विक सर्वोत्तम उदाहरण बनता है। संक्षेप में, पंचायत उन्नति सूचकांक भारत में ग्रामीण शासन को नए सिरे से परिभाषित करने वाली एक ऐतिहासिक पहल है।

यह एक महत्वपूर्ण साधन है, जो विकेंद्रीकृत विकास योजना के माध्यम से भारत को वर्ष 2030 तक अपने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करता है। पीएआई पंचायतों को डेटा से विकास की ओर, और समझ से वास्तविक प्रभाव की ओर ले जाने वाला एक मार्गदर्शक प्रकाशस्तंभ बनकर खड़ा है।

(लेखक भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय में अपर सचिव हैं।)

जीवन दर्शन

सत्य जानने के लिए लहरों को नहीं, सागर को देखें

साहसी बनो और सच्चे रहो। फिर पूरे समर्पण के साथ किसी भी मार्ग पर चलो, तुम अवश्य ही संपूर्ण सत्य तक पहुंचोगे। यदि श्रृंखला की एक भी कड़ी को मजबूती से पकड़ लिया, तो धीरे-धीरे पूरी श्रृंखला अपने आप हाथ में आ जाएगी। यदि तुम वृक्ष की जड़ों को पानी दो, तो पूरा वृक्ष अपने आप सिंचित हो जाता है। इसी तरह ईश्वर को पा लेने पर सब कुछ मिल जाता है। एकांगी दृष्टि संसार का सबसे बड़ा दोष है। जितने अधिक पक्ष तुम अपने भीतर विकसित करोगे, उतनी ही अधिक आत्माओं से तुम जुड़ पाओगे, और तब तुम ब्रह्मांड को भक्त की दृष्टि से भी देख सकोगे और ज्ञानी की दृष्टि से भी।

पहले अपने स्वभाव को पहचानो और उसी पर दृढ़ रहो। प्रारंभिक साधक के लिए निष्ठा, यानी एक आदर्श के प्रति अडिग भक्ति ही एकमात्र मार्ग है। परंतु यदि भक्ति और सच्चाई हो, तो यही निष्ठा अंततः सब कुछ प्रदान कर देती है। सिद्धांत, धार्मिक रूप और परंपराएं कोमल पौधे की रक्षा करने वाली बाड़ की तरह हैं, लेकिन बाद में इन्हें तोड़ना ही पड़ता है, ताकि पौधा एक विशाल वृक्ष बन सके। इसी तरह विभिन्न धर्म, बाइबिल, वेद, और मत केवल छोटे पौधे के लिए बनाए गए गमले हैं। पर पौधे को अंततः गमले से बाहर निकलना ही होता है। निष्ठा का अर्थ है संघर्षरत आत्मा को उसके मार्ग पर सुरक्षित रखना। लहर को नहीं, सागर को देखो। चींटी और देवदूत में कोई भेद मत देखो। कौन बड़ा है और कौन छोटा, यह कैसे कहा जा सकता है? हर प्राणी अपने स्थान पर महान है।

आत्मा देश और काल से परे है और सर्वत्र व्याप्त है। हम कहीं सीमित नहीं हैं। हम जादूगर हैं, जो अपनी चेतना की छड़ी से इच्छानुसार दृश्य रचते हैं। हम उस मकड़ी की तरह हैं, जिसने अपना विशाल जाल बुना है और जिसकी किसी भी डोरी पर वह जा सकती है। मकड़ी अभी केवल उसी स्थान को जानती है, जहां वह बैठी है, लेकिन समय आने पर वह पूरे जाल को जान लेगी। वैसे ही हम अभी केवल शरीर तक सीमित चेतना रखते हैं और एक ही मस्तिष्क का उपयोग करते हैं। पर जब हम अतिचेतना को प्राप्त कर लेते हैं, तब सब कुछ जानते हैं और सभी मस्तिष्कों का उपयोग कर सकते हैं।

आज भी हम चेतना को थोड़ा-सा धक्का दे सकते हैं और वह आगे बढ़कर अतिचेतन स्तर पर कार्य करती है। हम केवल होने का प्रयास कर रहे हैं, और कुछ नहीं। वहां कोई अहं नहीं रहता।

हम एक शुद्ध स्फटिक की तरह हो जाते हैं, जो सब कुछ प्रतिबिंबित करता है, फिर भी स्वयं वही रहता है। एक समय ऐसा आएगा, जब सब बुलबुले बनेंगे और ऊपर उठ जाएंगे। किसी को छोटा मत समझें। जीवन में जिसे भी अहंकार हुआ, वह समय की मार की सच्चाई से अवगत हुआ। साहसी व सच्चे रहें, फिर हर मार्ग आपके लिए सदैव खुला रहेगा। सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं और अपनी जिंदगी के साथ-साथ दूसरों के जीवन में भी रंग भरें। अडिग विश्वास और असाधारण प्रयास से जीवन में चमत्कार होते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

सदृशं चेष्टते स्वस्याः प्रकृतेर्ज्ञानवानपि।
प्रकृतिं यान्ति भूतानि
निग्रहः किं करिष्यति॥

भावार्थ

सभी प्राणी प्रकृति को प्राप्त होते हैं अर्थात् अपने स्वभाव के परवश हुए कर्म करते हैं। ज्ञानवान भी अपनी प्रकृति के अनुसार चेष्टा करते है। फिर इसमें किसी का हठ क्या करेगा।

आलीशान गुलाब उद्यान में इक्का-दुक्का ही गुलाब, प्रतिमाएं भी नहीं हुईं शिफ्ट

आम लोगों को आकर्षित करने में रहा नाकाम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। दो दिन पूर्व ही राजधानी में दो दिवसीय गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसे देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में श्रोता जमा हुए, लेकिन राजधानी के व्यापारिक एवं भाजपा बाहुल्य इलाके संत हिरदाराम नगर में जिन उद्देश्य से स्वामी हिरदाराम को समर्पित करते हुए आलीशान गुलाब उद्यान का निर्माण किया गया, वह अपनी पहचान एवं गरिमा को कायम रखने में बुरी तरह से नाकाम रहा है। इस उद्यान में उपनगर में जगह-जगह सार्वजनिक स्थानों पर लगी महापुरुषों की प्रतिमाएं शिफ्ट करने के प्रस्ताव पर 10 साल बाद भी अमल नहीं हो पाया है।

इस गुलाब उद्यान का निर्माण अपना संपूर्ण जीवन मानव सेवा को समर्पित कर देने वाले महान संत 100 वर्षीय संत हिरदाराम के नाम पर किया गया। वह इसलिए क्योंकि उनकी कुटिया में एक गुलाबों की भी बगिया है, जिसमें इतनी अधिक संख्या में गुलाब के पौधे लगे थे कि हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करते हैं, जब भोपाल की महापौर कृष्णा गौर थी, उन्होंने इसका भूमिपूजन किया था, परंतु भूमि पूजन के कुछ समय बाद ही उसे भुला दिया गया बाद में जब आलोक शर्मा महापौर बने, तब गुलाब उद्यान की गतिविधियां प्रारंभ हुई, लेकिन वह भी परवान नहीं चढ़ सकी और धीमा काम चलता रहा। इसके बाद में जब रामेश्वर शर्मा विधायक बने तब उन्होंने नगर निगम के सहयोग से इसमें लगभग 4 करोड़ की लागत से विभिन्न निर्माण करवाए।

चारों तरफ तारों की फैंसिंग, तालाब किनारे के हिस्से को गुलाब उद्यान के रूप में विकसित करने का काम हुआ। आम जनता यहां आकर सुबह एवं शाम की सैर कर सके, उसके लिए विभिन्न हट बनाए गए। उसमें बैठने के लिए बैंचों का बंदोबस्त किया गया, लेकिन उचित रख-रखाव के अभाव में ये सारी व्यवस्थाएं दम तोड़ती गई। हालांकि इसका आखरी छोर जो बड़े तालाब से मिलता है, उसमें गुलाब के कुछ पौधे हैं, लेकिन समूचा उद्यान गुलाबों से सराबोर रहे, इसका कभी प्रयास नहीं किया गया। आम जनता के बैठने के लिए जो हट एवं बैंच स्थापित किए गए, वहां अक्सर शराबियों एवं ताश के पत्ते खेलने वालों का डेरा लगा रहता है।

सूख गए पौधे

पिछले पांच छह सालों में अनेक बार विधायक सहित अन्य नेताओं ने यहां आकर पौधरोपण किया। एक बार तो एक साथ 300 से अधिक पौधे लगाए गए, लेकिन उचित देखभाल के अभाव में सभी ने दम तोड़ दिया।

अपनी मूल पहचान खोता जा रहा उद्यान

गुलाब उद्यान बनाते समय यह घोषणा की गई थी कि इसमें उपनगर के विभिन्न स्थानों जिसमें मुख्य रूप से फायर स्टेशन परिसर में लगी शहीद हेमू कालानी प्रतिमा, शिव मंदिर परिसर की संत कंवरराम प्रतिमा, खीमनदास मार्केट की महात्मा गांधी प्रतिमा, नेहरू पार्क में लगी पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा आदि को गुलाब उद्यान में शिफ्ट किया जाएगा, लेकिन यह प्रस्ताव केवल नस्तियों तक ही सीमित रहा। वर्तमान में गुलाब उद्यान के प्रवेश द्वार के सामने केवल ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम की प्रतिमा ही स्थापित है, जिसे भी जीव सेवा संस्थान ने अपने खर्चे से लगवाया है। यह भी घोषणा की गई थी कि आजादी के बाद से लेकर अब तक तत्कालीन बैरागढ़ एवं मौजूदा संत हिरदाराम नगर के विकास, उत्थान एवं सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में जिन प्रतिष्ठित लोगों का योगदान रहा है, अगर उनके परिजन चाहे तो उनकी प्रतिमाएं भी यहां स्थापित कर सकते हैं, ताकि उनकी जयंती एवं पुण्यतिथि पर यहां प्रोग्राम होते रहें और इस बहाने गुलाब उद्यान का रख-रखाव भी किया जाता रहे, परंतु इसके आज तक गंभीरता से प्रयास नहीं हुए हैं ऐसे में गुलाब उद्यान अपनी मूल पहचान एवं उत्कृष्ठता दिन प्रतिदिन खोता जा रहा है।

बैरसिया क्षेत्र में बिजली कटौती के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कार्यकर्ताओं ने किया बिजली कंपनी कार्यालय घेराव, आंदोलन की चेतावनी

बैरसिया। विधानसभा बैरसिया क्षेत्र के गांव-गांव में हो रही अघोषित बिजली कटौती के खिलाफ किसान कांग्रेस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हर्राखेड़ा के अध्यक्ष बाला प्रसाद लोधी के नेतृत्व में ग्राम गुनगा क्षेत्र, बैरसिया स्थित विद्युत मंडल कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में विद्युत कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बगैर सहमति के स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं एवं अघोषित बिजली कटौती से किसान अत्यधिक परेशान हैं। बिजली नहीं मिलने के कारण सिंचाई प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों की फसलें सूखने की कगार पर हैं और उनकी आजीविका पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। इस अवसर पर जिला

मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनोखी मानसिंह पटेल, जिला ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनीता शर्मा, जिला किसान कांग्रेस भोपाल ग्रामीण अध्यक्ष राम भाई मेहर, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश जाट सहित अमान सिंह ठाकुर, इंद्रजीत सिंह जाट, पहलवान सिंह ठाकुर तथा सैकड़ों ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि किसान कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष राम भाई मेहर ने विद्युत कंपनी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही अघोषित बिजली कटौती बंद नहीं की गई, तो किसान कांग्रेस क्षेत्र के किसानों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में आंदोलन से उत्पन्न होने वाली समस्त जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। किसानों ने मांग की है कि विद्युत आपूर्ति को नियमित किया जाए ताकि फसलों को बचाया जा सके और किसानों को राहत मिल सके।

बैरसिया सांदीपनि सीएम राइज विद्यालय में छात्राओं ने बिना टाट-पट्टी के मैदान में किया योगाभ्यास

बैरसिया। शासकीय सांदीपनि ठाकुर लाल सिंह विद्यालय बैरसिया में सोमवार को स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन युवा दिवस के अवसर पर सामूहिक सूर्य-नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल होने के बाद कायक्रम में अव्यवस्था की चारों तरफ खूब चर्चाएं हैं और इस पर जमकर सवाल खड़े हो रहें हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और तस्वीरों में देखा गया कि एक ओर मंच अथवा मंच के पास जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा शिक्षकों के लिए कारपेट (कालीन) बिछाया गया, जिस पर वह सूर्य नमस्कार और योगाभ्यास कर रहे थे। वहीं मंच के सामने मैदान में कतारों में बैठे सैकड़ों छात्रों को कारपेट (कालीन) बिछाने की तो दूर की बात उनके लिए टाटपट्टी तक नहीं बिछाई गई, जिससे बच्चे ठंडी जगह खाली मैदान में ही सूर्य नमस्कार प्राणायाम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो लोगों में इस बात की चर्चा हुई कि बच्चे के लिए कम-से-कम टाटपट्टी तो बिछाई जानी चाहिए थी। चर्चा है कि क्या करीब 40 करोड़ रुपए से बनने वाले इस संदीपनी (सीएम राइज) विद्यालय में इतनी भी व्यवस्था नहीं।

छात्राओं ने कराटे प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण सहित 33 पदक किए हासिल

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। एक समय था जब कक्षा 8वीं के बाद गांधीनगर जैसे पिछड़े इलाके के विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए संत हिरदाराम नगर या भोपाल के विभिन्न स्कूलों को जाना पड़ता था, लेकिन जब से यहां ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम की नजर पड़ी कि खासतौर पर युवतियों को काफी परेशानी होती है, उन्होंने लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल खोलकर उनकी बहुत बड़ी समस्या हल कर दी। अब तो गांधीनगर में उच्च शिक्षा की व्यवस्था है। यहां ग्रामीण एवं गांधीनगर की छात्राएं पढ़ाई के साथ ही खेलों में भी परचम लहराने लगी हैं। हाल ही में वर्ल्ड ट्रेडिशनल शोटोकन कराटे फेडरेशन चैम्पियनशिप द्वारा आयोजित कराटे प्रतियोगिता में 5 स्वर्ण, 2 रजत के साथ 33 कांस्य पदक हासिल कर नाम कमाया है। दो दिवसीय चले स्टेट टूर्नामेंट में कन्या हायर सेकंडरी स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया।

1100 कंबल वितरण अभियान का समापन

बैरसिया। कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदों के लिए सहारा बनी नई राह शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति द्वारा संचालित निःशुल्क 1100 कंबल वितरण अभियान का समापन समारोह व्हाइट हाउस में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री मुख्य अतिथि थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर ने की। विशेष अतिथि के रूप में एसडीएम आशुतोष शर्मा, सीईओ जनपद पंचायत देवेश सराठे एवं नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र सक्सेना उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुआ। इसके पश्चात समिति के सदस्यों एवं पत्रकार साथियों को प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है और नई राह शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति जिस निष्ठा और समर्पण के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचा रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर ऐसे सेवा कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए, तभी एक सशक्त और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है। विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि नई राह समिति अपने नाम के अनुरूप समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। उन्होंने मानव सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र नागरिकों से उनका लाभ लेने की अपील की। वहीं एसडीएम आशुतोष शर्मा ने कहा कि समाज सेवा से जुड़े ऐसे कार्य प्रेरणादायी होते हैं और भविष्य में प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में दीपक दुबे, अमरजीत गांधी, वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम शर्मा, पत्रकार रत्नेश नामदेव महावीर प्लेस के ओनर अभिषेक जैन, भाजपा पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष अमित साहू, पार्षद प्रतिनिधि आकाश यादव, प्रेम यादव, अनिल धाकड़ सरपंच, डॉ. राकेश शर्मा, बृज गोपाल नामदेव, रूपेश नरवरिया, इदरीश अहमद राजेश शर्मा, सोमत कुशवाहा, जितेंद्र शर्मा, प्रेम सिंह दांगी, ऋषभ सेन, सुनील प्रजापति सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

SUDOKU 118

		3			2			
5	7				1			
		6			9		1	4
	1	9						
	3			6			9	
						7	8	
8	4		3			2		
			5				4	9
			2			3		

SOLUTIONS 117

9	8	6	7	3	2	1	5	4
1	3	4	8	6	5	9	7	2
2	7	5	4	9	1	3	8	6
7	2	8	1	5	6	4	3	9
6	4	9	2	7	3	8	1	5
3	5	1	9	4	8	6	2	7
8	9	3	6	2	7	5	4	1
4	1	7	5	8	9	2	6	3
5	6	2	3	1	4	7	9	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज के दिन आप समृद्ध हैं। बातचीत में खुलापन लाने पर विचार करें। निजी और पेशेवर जीवन, दोनों में समझदार और संवेदनशील रहें। आपका दिन प्रोडक्टिव रहेगा।

वृषभ : आज के दिन ऑफिस की गॉसिप से बचें। ऑफिस के काम पर ध्यान केंद्रित करें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मिथुन : अनुशासन और मेहनत के जरिए करियर जीवन को प्रोडक्टिव बनाए रखें। आज प्रेम जीवन को रोमांटिक बनाएं।

कर्क : लव के मामले में अहंकार को दूर रखें। भविष्य के लिए प्लान करें। अपनी क्षमता साबित करने के लिए ऑफिस में नए काम हाथ में लें। पैसों से जुड़ी कोई समस्या नहीं आएगी।

सिंह : आज आपकी प्रोफेशनल लाइफ बढ़िया रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। धन और स्वास्थ्य दोनों अच्छे रहेंगे, और कुछ महिलाओं को संपत्ति भी विरासत में मिलेगी।

कन्या : आज ऑफिस में नई भूमिकाएं निभाना सुनिश्चित करें। आय के नवीन स्त्रोतों सेधन लाभ होगा। आंख मूंदकर निवेश न करें।

तुला : आज आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। प्रोफेशनल मुद्दों को सुलझाएं। आर्थिक निवेश पर विचार करें, जो सुरक्षित हों। आपकी हेल्थ अच्छी रहेगी। प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक: आज के दिन करियर में जोखिम उठाने पर विचार करें। समृद्धि के बावजूद, आपको खर्चों को लेकर सावधान रहना चाहिए। रिश्तों में प्यार और विश्वास बढ़ेगा।

धनु : आज के दिन रिश्तों की समस्याओं के समाधान के लिए फोकस बनए रखें। बेहतर विकास के लिए पेशेवर अवसरों का लाभ उठाएं।

मकर : आज पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। करियर ग्रोथ के नए अवसर पर नजर रखें।

कुंभ : आज के दिन प्रेम जीवन को रोमांटिक बनाए रखें। धन का आगमन होगा। आज आर्थिक और स्वास्थ्य दोनों अच्छे रहेंगे।

मीन : आज के दिन रिश्ते में सुखद पल आएंगे। अपनी लगन और मेहनत का परिचय देने के लिए कार्यस्थल पर नई चुनौतियों का सामना करें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग: 14 जनवरी बुधवार 2026। **दिशाशूल :** उत्तर दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्यौहार :** षटतिला एकादश । **विशेष :** ऋतु शिशिर, खर मास समाप्त। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु, माघ मास कृष्ण पक्ष की एकादशी 17 घंटे 54 मिनट तक तत्पश्चात द्वादशी, अनुराधा नक्षत्र 27 घंटे 04 मिनट तक तत्पश्चात ज्येष्ठा नक्षत्र, गंड योग 19 घंटे 56 मिनट तक तत्पश्चात वृद्धि योग, वृश्चिक में चंद्रमा।

मकर संक्रांति पर पतंग प्रतियोगिता आज, विजेता किए जाएंगे पुरस्कृत

जागरण प्रतिनिधि औबेदुल्लागंज। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर बुधवार को नगर के दशहरा मैदान में पतंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। पतंग महोत्सव 14 दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगा। प्रतियोगिता में बच्चे, युवा व बुजुर्ग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। मकर संक्रांति के दिन आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सजा नजर आएगा। प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियां रखी जाएंगी, जिनमें प्रतिभागियों को अपनी कला दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। आयोजन के दौरान पारंपरिक उत्सव का आनंद और आपसी भाईचारे का संदेश भी देखने को मिलेगा। आयोजन समिति के सदस्य सपन श्रीवास्तव, मनीष साहू, गुरु यादव, विजय कहार, राहुल जाट, आशू, हिमांशु राजपूत, अमित नागर, अतुल सेन, सुधीर द्विवेदी, विवेक जैन ने नगरवासियों से अपील की है कि वे इस आयोजन में अधिक संख्या में शामिल होकर मकर संक्रांति के पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समापन

छात्राओं ने आत्मविश्वास और कौशल दिखाया

मण्डीदीप। औद्योगिक नगरी में सेवा समिति द्वारा आयोजित 15 दिवसीय रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। बास्केटबॉल मैदान में आयोजित समारोह में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी छात्राओं ने आत्मरक्षा की विविध तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया। 25 दिसंबर से 12 जनवरी तक चले इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, सजगता और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना था। समापन अवसर पर अतिथियों ने प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव, पूर्व नपा अध्यक्ष पूर्णीमा जैन, मंडल महामंत्री राजेश भवरे, उपस्थित थे।

खेल महाकुंभ में क्रिकेट व वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं ने बढ़ाया उत्साह

मंडीदीप। नगर पालिका परिषद मंडीदीप के तत्वावधान में आयोजित खेल महाकुंभ के अंतर्गत सोमवार को क्रिकेट, वॉलीबॉल एवं खो-खो की प्रतियोगिताएं उत्साह और रोमांच के साथ संपन्न हुईं। नगर के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन के साथ शानदार प्रदर्शन किया। मिनी लेदर बॉल क्रिकेट वर्ग में खेले गए मुकाबलों में इंग्लिश फाउंडेशन ने द चाइल्ड स्कूल को 27 रन से पराजित किया।

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना दिनांकः 09.01.2026
No. BPL.L.C.T. 659
उप मुख्य विद्युत अभियंता (कार्य) प.म.रे., निर्माण कार्यालय भवन, डी. आर. एम ऑफिस के पास रानीकमलापति, भोपाल 462024 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदायें प्रतिष्ठित ठेकेदारों से, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा कमांक :** बीपीएल एल सी/टी/659, **कार्य का विवरण :** बीना-कटनी तीसरी लाइन परियोजना के अंतर्गत बीना-कटनी सेक्शन में खुरई, सागर, दमोह स्टेशनों पर स्टेशन बिल्डिंग, सर्विस बिल्डिंग क्वार्टर वायरिंग, केवलिंग, ओवरहेड पावर लाइन और पावर सप्लाई का कार्य तथा प्लेटफॉर्म / एफओबी /सीओपी का विद्युतीकरण, और जनरल सर्विस के विविध कार्य एवं बीना कटनी सेक्शन पर स्थित स्टेशनों पर एटी के लिये एलटी केबल बिछाने के संबंध में।, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह, **अनुमानित कीमत रु :** 33332081.00, **बयाना राशि रु :** 316700.00, **टेडर फार्म की कीमत रू :** निल **टेडर बंद होने की दिनांक :** 04.02.2026 (15.00 बजे) ई-निविदा की पूर्ण जानकारी IREPS की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर एवं इस कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। ई-विड के अलावा कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। इस प्रकाशन में शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त वेबसाइट पर दिखाई देगा और इसे कहीं और प्रकाशित नहीं किया जायेगा।
हस्ता.
उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण)
पश्चिम मध्य रेल, भोपाल
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल
प्रगति भवन प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. B702060027 आवेदन क्रमांक-8917 आवेदन दिनांक-12/09/2025
क्रमांक 1131/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 09/01/2026
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की अप्सरा काम्प्लेक्स इन्द्रपुरी योजना फ्लेट/भूखण्ड/भवन क्रमांक-सीनियर एमआईजी-27 सेक्टर-ए, श्री आर.आर. दोहरे आ. स्व. श्री एच.एल. दोहरे के नाम पर अंकित है। आवंटी श्री आर.आर. दोहरे का स्वर्गवास दिनांक 29/04/2021 को हो जाने के कारण उनके वैध वारिसगण जिनमें पत्नी श्रीमती राम जानकी दोहरे, पुत्र श्री राकेश कुमार दोहरे, पत्नी/पुत्र स्व. श्री आर.आर. दोहरे द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ-पत्र एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के आधार पर उक्त सम्पत्ति का नामान्तरण अपने नाम पर चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/ दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।
राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

उत्तर मध्य रेलवे
खुली निविदा संख्या : JHS-RCNK-M-VBB-25-26-45R
ई-निविदा सूचना
मुख्य कारखाना प्रबंधक, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी और इच्छुक ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
कार्य का नाम : आरसीएनके वर्कशॉप झांसी में एसएस-आई शेड्यूल के दौरान मात्रा और कार्यक्षेत्र के शेड्यूल के अनुसार वंदे भारत बोगी का रखरखाव /मरम्मत और विभिन्न गतिविधियाँ जैसे कोचों को अलग करना, कपलर और वेस्टिब्यूल को अलग करना, कोचों को उठाना, मरम्मत की गई बोगियों पर कोचों को नीचे उतारना और कपलर और वेस्टिब्यूल को फिर से जोड़ना।
कार्य की लागत : Rs. 26,51,408.95/- (18% जीएसटी सहित) | **अग्रिम राशि :** Rs. 53,000.00/-
कार्य पूरा होने का समय : दो महीने / **ऑनलाइन निविदा समापन तिथि एवं समय :** 03.02.2026 समय 11:00 बजे तक
निविदा एवं निविदा प्रारूप के बारे में विस्तृत जानकारी www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। 70/26 (D)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

संचालनालय खेल और युवा कल्याण
टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल, मध्यप्रदेश
ई-निविदा सूचना
संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश, द्वारा **'म.प्र. राज्य खेल अकादमियों के खिलाड़ियों एवं खेल प्रतियोगिताओं/प्रशिक्षण के दौरान लगने वाली ताईक्वांडो, बॉक्सिंग, जूडो एवं कुश्ती खेल की प्लेईग किट/यूनीफार्म क्रय हेतु'** निर्माता अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व निविदा की विस्तृत शर्तें **www.mptenders.gov.in** पर उपलब्ध है। ई-निविदा प्रकाशन उपरांत निविदा में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है तो वह मात्र उपरोक्त उल्लेखित ई-टेण्डर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेगा।
म.प्र. माध्यम/123959/2026 संचालक

मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद
(पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधीन गठित पंजीकृत संस्था)
विकास भवन, चतुर्थ तल, अरेरा हिल्स, भोपाल - 462027
Email ID : comm.nregs@mp.gov.in, दूरभाष : 0755-2551487
क्र.I/725042/2026/NR-18/STORE/2026 भोपाल, दिनांक : 08.01.2026
निविदा सूचना (GeM के माध्यम से क्रय)
मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद, मुख्यालय भोपाल में GIS रिमोट सेंसिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सुविधायुक्त लैब की स्थापना हेतु विशिष्ट विवरण के कम्प्यूटर क्रय हेतु योग्य एवं अनुभवी संस्थाओं/आपूर्तिकर्ताओं से प्रस्ताव/बिड शासकीय ई-मार्केटप्लेस (GeM) पोर्टल पर आमंत्रित किया जाता है।
कम्प्यूटर की संख्या एवं क्रय से संबंधित विस्तृत तकनीकी विवरण, शर्तें एवं समय-सारिणी **दिनांक 09.01.2026** से GeM पोर्टल (https://gem.gov.in/) पर GeM Bid No. : GEM/2026/B/7083558 पर उपलब्ध है।
विभाग को बिना कारण बताये किसी भी/समस्त प्रस्ताव को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
म.प्र. माध्यम/123947/2026 उपायुक्त

KALYAN SINGH SUPER SPECIALTY CANCER INSTITUTE
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-226002
Website: https://cancerinstitute.edu.in, Email: jdmm.sscih@gmail.com
TENDER NOTICE
On-line offers are invited through Custom bid on GeM portal (GEM bid No. GEM/2026/B/7084736 dated: 10-01-2026) for the item: **Maxillofacial Surgical Workstation for OT**, from Original Equipment Manufacture/ Direct Importers/Authorized Distributors (declared be principal firm only) for the supply & installation **Maxillofacial Surgical Workstation for OT. Bidder should submit their Representation only on GeM Portal regarding Equipment within time frame provided by GeM and no Representation will be accepted either physically or through E-mail in this regard.**
The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bids system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal with terms and conditions as mentioned against bidding document.
For more detailed information you may please visit the Gem portal www.gem.gov.in. or our website https://cancerinstitute.edu.in for reference only.
The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.
Advt No. KSSSCI/Tender-17 /2025-26 Director

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

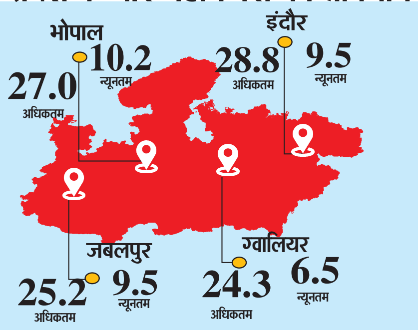

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	21.6	3.0
मुंबई	32.3	20.0
चेन्नई	32.0	19.0
कोलकाता	23.3	13.3

सूर्यास्त 5:54 PM
सूर्योदय 7:04 AM
चन्द्रोदय 2:30 AM
चन्द्रास्त 1:30 PM

जबलपुर में 75 किसानों से ठगी का मामला, पीड़ितों ने एसपी से लगाई गुहार

रिंग रोड निर्माण के नाम पर किराये के ट्रैक्टर लेकर शातिर ठग गायब

जागरण, जबलपुर। प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में किसानों के साथ बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। शहर में निर्माणाधीन रही रिंग रोड के नाम पर एक शख्स ने किसानों से किराये पर ट्रैक्टर लिये थे। किसानों का आरोप है कि ट्रैक्टर देने के बाद आरोपी ने न तो उसका किराया दिया और न ही वह अब किसानों के ट्रैक्टर लौटा रहा है। ठगी का शिकार किसानों ने मंगलवार को पुलिस कप्तान के दफ्तर पहुंचकर कार्रवाई की गुहार लगाई। मालूम हो कि जबलपुर में सबसे बड़ी रिंग रोड बन रही है, जिसके लिए बड़ी-बड़ी मशीनों के साथ ट्रैक्टर भी किराये से लग रहे हैं। गोसलपुर, मंझौली, मझगवां, कुंडम गांव में रहने वाले सैकड़ों किसानों ने जबलपुर के एक शख्स को किराए पर ट्रैक्टर दे दिए। तीन माह तक जब किराया नहीं मिला तो किसान मौके पर पहुंचे। यहां पहुंचकर पता चला कि जिस व्यक्ति को ट्रैक्टर दिए थे वह गायब हैं। इतना ही नहीं 75 किसानों के ट्रैक्टर भी गायब हैं। किसानों ने आसपास बहुत तलाश किया लेकिन ट्रैक्टर नहीं मिले तो गोसलपुर थाने पहुंचे। वहां पर भी सुनवाई नहीं हुई है, लिहाजा किसान एसपी आफिस पहुंचे और शिकायत बताई।

आरोपी ने अचानक किया फोन बंद

पौड़ी खुर्द गांव में रहने वाले किसान गुलाब राय ने बताया कि जबलपुर के रहने वाले दीपक गोस्वामी ने कुछ माह पहले गांव आकर किसानों से कहा कि पास ही रिंग रोड बन रही है। यहां किसान अपना ट्रैक्टर लगवाना चाहते हैं, तो चल सकते हैं। दीपक के कहने पर पौड़ी खुर्द, गोसलपुर, कुंडम गांव में रहने वाले किसानों ने करीब 100 से अधिक ट्रैक्टर लगा दिए। कुछ दिनों तक दीपक लगातार किसानों के संपर्क में था। अचानक एक दिन उसका फोन बंद हो गया। किसान मौके पर पहुंचे तो पता चला कि दीपक के साथ-साथ 75 ट्रैक्टर गायब हैं।

ट्रैक्टर फाइनेंस कराकर मुसीबत में फंसे : किसान गुलाब राय का कहना है कि एक साल पहले ही ट्रैक्टर बैंक से फाइनेंस कराया था। सोचा था कि रिंग रोड के काम में अगर ट्रैक्टर लग जाएगा, तो आराम से किस्त निकाल आती। गुलाब राय ने बताया कि दीपक गोस्वामी का एक साथी भी है, जिसका नाम विमल पटेल है। वह भी ट्रैक्टर देने से इंकार कर रहा है।

दमोह के किसानों के साथ भी कर चुका ठगी : किसानों का आरोप है कि आसपास के कई किसानों के ट्रैक्टर दीपक और विमल लेकर गए हैं। इससे पहले दमोह के भी किसानों के साथ दोनों ने ठगी की थी। इस संबंध में एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि शिकायत पर गोसलपुर थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। किसानों का कहना है कि गोसलपुर के अलावा जिले के कई अन्य गांवों में भी ठगों ने किसानों के साथ ट्रैक्टर ठगी की है। पूछताछ में यह भी पता चला कि दीपक गोस्वामी की पूरी गैंग काम रही है। फिलहाल सभी की तलाश जारी है।

टाइल्स से भरा ट्रक चढ़ाई पर लोडिंग वाहन पर पलटा, तीन लोगों की मौत

बुरी तरह चिपके शवों को क्रेन व जेसीबी से निकाला

जागरण, रतलाम। प्रदेश के रतलाम-झाबुआ रोड पर देर रात टाइल्स से भरा लोडेड ट्रक चढ़ाई चढ़ते समय रिवर्स हुआ और पीछे आ रहे लोडिंग वाहन पर पलट गया। ट्रक के नीचे दबने से लोडिंग वाहन में सवार तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीनों के शव बुरी तरह चिपक गए थे, जिन्हें क्रेन और जेसीबी की मदद से निकालने के लिए पुलिस को करीब ढाई घंटे मशक्कत करनी पड़ी। मृतकों में दो रतलाम और एक झाबुआ का रहने वाला था। हादसा बिलपांक थाना क्षेत्र के गांव उंडवा के पास रात करीब 10 से 10.30 बजे के बीच हुआ। झाबुआ की तरफ से रतलाम आ रहा ट्रक कोयला घाटी की चढ़ाई चढ़ रहा था। इसी दौरान रास्ते में वह असंतुलित होकर रिवर्स हो गया। इससे पीछे चल रहा छोटा लोडिंग वाहन उसकी चपेट में आ गया। ट्रक रिवर्स होकर लोडिंग वाहन पर पलट गया और दोनों वाहन सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरे। लोडिंग वाहन में अंडे के खाली रैकेट रखे थे। हादसे की सूचना पर बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक और लोडिंग वाहन को अलग करने के लिए दो क्रेन और एक जेसीबी की मदद ली गई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद लोडिंग वाहन में दबे तीनों शवों को बाहर निकाला जा सका। शवों को पीएम के लिए एम्बुलेंस से रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजा। हादसे के कारण रास्ता भी प्रभावित रहा, जिसे ट्रक हटाने के बाद पुनः चालू कराया।थाना प्रभारी अयूब खान ने बताया कि संभवतः ट्रक में कोई तकनीकी खराबी आने पर वह रिवर्स हुआ और पीछे चल रहे लोडिंग वाहन पर चढ़ते हुए पलट गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रक धोखाधड़ी के अंतरराज्यीय गिरोह के 6 सदस्य गिरफ्तार

जागरण, ब्यावरा। राजगढ़ जिले में पुलिस ने ट्रकों को खरीदने और फिर राशि जमा न कर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 30 लाख 60 हजार नकद, क्रेन और अन्य सामान जब्त किया है। एसपी अमित तोलानी ने बताया कि गिरोह जिले सहित विभिन्न राज्यों में लोगों से ट्रकों को खरीदने के नाम पर धोखाधड़ी करता है। लीमाचौहान और तलेन थाने में फरियादियों द्वारा दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई कर गिरोह का पर्दाफाश किया।

डिजिटल अरेस्ट कर रिटायर्ड शिक्षक से 29 लाख की ठगी

जागरण, भिंड। जिले के एक रिटायर्ड शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर 29 लाख 50 हजार रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर शहर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीरा कॉलोनी निवासी रिटायर्ड शिक्षक प्रेम सिंह कुशवाह के मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं को साइबर क्राइम/कानून प्रवर्तन एजेंसी का अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके नाम से संदिग्ध लेनदेन हुआ है और वे एक गंभीर मामले में फंसे हैं। इसके बाद ठगों ने वीडियो कॉल के माध्यम से उन्हें डराया धमकाया और जांच पूरी होने तक घर से बाहर न निकलने और किसी से संपर्क न करने की हिदायत दी, जिसे डिजिटल अरेस्ट बताया गया। ठगों ने गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर अलग-अलग खातों में रकम ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। डर के कारण रिटायर्ड शिक्षक ने अपनी जीवन भर की जमा पूंजी सहित कुल 29 लाख 50 हजार विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। बाद में परिजनों से चर्चा करने पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ, जिसके बाद उन्होंने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

नवीं के छात्र विधायक के सामने नहीं बता पाए सीएम का नाम

जागरण, खरगोन। विधायक मुरली भंवरा के निरीक्षण में शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान की जानकारी के स्तर की पोल खुल गई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल करनावद के कक्षा नौंवी के विद्यार्थी क्षेत्रीय विधायक और प्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम नहीं बता पाए। इस दौरान विधायक ने क्षेत्र से संबंधित सामान्य ज्ञान के कई प्रश्न किए लेकिन विद्यार्थियों ने किसी का जवाब नहीं दिया। शाउमावि के आकस्मिक निरीक्षण को लेकर विधायक भंवरा ट्रैक सूट पहनकर विद्यार्थियों से संवाद करने पहुंचे। वे सीधे कक्षाओं में पहुंचे। इस दौरान विधायक ने विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान के कई प्रश्न पूछे। आपका क्षेत्रीय विधायक कौन है? जिसका उत्तर एक भी विद्यार्थी नहीं दे पाया। इसके बाद विधायक ने स्वयं को खेल शिक्षक बताते हुए विद्यार्थियों से प्रश्न पूछते हुए कहा प्रदेश का मुखिया कौन है, इसका जवाब केवल एक विद्यार्थी दे पाया। इसके बाद विधायक ने मुख्यमंत्री निर्वाचन सहित क्षेत्र के सामान्य ज्ञान के कई प्रश्न किए जिसका जवाब कोई भी नहीं दे पाया। इस दौरान विधायक भंवरा ने विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान की जानकारी दी। क्षेत्र के धार्मिक स्थल कर्णेश्वर मंदिर के इतिहास, कावड़िया पहाड़, सीता मंदिर आदि के बारे में विस्तार से बताया।

जिस अफसर पर झूठा बयान देने का आरोप उसे पक्षकार बनाना जरूरी : हाईकोर्ट

जागरण, ग्वालियर। ग्वालियर हाई कोर्ट की डबल बेंच ने भिंड कलेक्टर केएल मीणा के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई किए जाने से जुड़ी राज्य शासन की अपील पर महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि जिस अधिकारी अदालत के समक्ष भी झूठा बयान देने का आरोप है, उसे इस अपील में पक्षकार बनाना जरूरी है। साथ ही कहा कि कलेक्टर भिंड के समर्थन में शपथ पत्र भी पेश किया जाना चाहिए। यह पूरा मामला दंदरौआ धाम ट्रस्ट को 56 हेक्टेयर जमीन के पट्टे से जुड़ा है। दरअसल, यह पूरा मामला राज्य सरकार द्वारा दायर उस रिट अपील से जुड़ा है, जिसमें हाईकोर्ट की एकल पीठ के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें भिंड कलेक्टर केएल मीणा के खिलाफ अदालत के समक्ष कथित रूप से झूठा बयान देने पर अवमानना की कार्रवाई प्रारंभ करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था। साथ ही अलग से कार्रवाई पंजीबद्ध करने के निर्देश जारी कि थे। न्यायालय के समक्ष यह तथ्य आया कि उक्त नोटिस में शपथ पर कथित गलत बयान देने के आधार पर जारी हुआ था।

भिंड कलेक्टर पर चल रहे अवमानना से जुड़े मामले में सुनवाई

लावारिस मिठाई कांड में दूसरी मौत, बुजुर्ग ने भी तोड़ा दम

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले के जुन्नारदेव में सामने आए बहुचर्चित लावारिस मिठाई कांड में मंगलवार की सुबह एक और दर्दनाक मौत हो गई। जिंदगी और मौत से जूझ रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों में से 75 वर्षीय बुजुर्ग सुंदरलाल कथूरिया की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में यह दूसरी मौत है, जिससे इलाके में दहशत और आक्रोश है। सुंदरलाल जिला अस्पताल में भर्ती थे, जहां मंगलवार तड़के उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले इसी मामले में पीएचई विभाग में पदस्थ एक चौकीदार की मौत हो चुकी है। घटना के बाद जिला प्रशासन के खाद्य अमले और स्थानीय पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की, लेकिन अब तक तामिया मार्ग पर मिली लावारिस मिठाई की थैली रखने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है।

काम की तलाश में बंगाल से आई युवती को देह व्यापार में धकेला, दंपति हुए गिरफ्तार

दिल्ली से रतलाम लाकर कमरे में बंद रखा, पुलिस ने किया मामले का पर्दाफाश

जागरण, रतलाम। शहर के अलकापुरी क्षेत्र में पुलिस ने एक घर में चल रहे देह व्यापार के अड्डे का खुलासा किया है। यहां पश्चिम बंगाल की 21 साल की युवती से देह व्यापार कराने वाले दंपति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पत्नी को जेल भेज दिया है, जबकि पति को पुलिस रिमांड पर भेजा है। पश्चिम बंगाल की रहने वाली यह युवती काम की तलाश में रतलाम आई थी, लेकिन दंपति ने उसे धोखे से इस धंधे में धकेल दिया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि कुछ दिन पहले वह खाटू श्याम दर्शन करने गई थी। यहां मिले एक बुजुर्ग ने उसे काम का भरोसा दिलाकर रतलाम की सविता आडवानी का नंबर दिया था। बात करने पर सविता ने काम दिलाने के बहाने उसे बुला लिया। युवती 7 जनवरी को दिल्ली से रतलाम पहुंची, जिसका रेल टिकट भी पुलिस को मिला है। सविता खुद उसे स्टेशन लेने गई थी। आरोप है कि सविता युवती को घर ले आई और कहा कि यहां कस्टमर आते हैं, तुम्हें उन्हें सर्विस देनी है। इसका आधा पैसा तुम्हें मिलेगा। 7 जनवरी से लेकर 11 जनवरी तक युवती को घर के अंदर ही रखा और उससे जबरन देह व्यापार कराया गया। कोर्ट में युवती के बयान दर्ज कराए हैं। फिलहाल उसे वन स्टॉप सेंटर भेजा है। युवती पढ़ी-लिखी नहीं है और पुलिस उसके बारे में और जानकारी जुटा रही है। पुलिस को आरोपी दंपति के मोबाइल में कई अन्य लड़कियों की तस्वीरें भी मिली हैं। जांच में सामने आया है कि दंपति ने ग्राहकों के लिए 1000 से 1500 रुपए का रेट तय कर रखा था।

चाइनीज मांझे से कटा युवक का गला, बाइक से गिरा तो हड्डी टूटी

देर रात ऑपरेशन कर लगाए 14 टांके

जागरण, छिंदवाड़ा। जिले के गुरैया बायपास पर चाइनीज मांझे की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मांझे से युवक का गला बुरी तरह कट गया। मांझे में फंसने के बाद बाइक सवार युवक सड़क पर गिर गया, जिससे उसके कंधे की हड्डी और एक पसली भी टूट गई। बेहद गंभीर हालत में युवक को क्लेरिस हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उसके गले में 14 टांके आए हैं। दरअसल 24 वर्षीय राहुल बट्टी सोमवार शाम को पिता को लेने जा रहा था। इस दौरान वह गुरैया बायपास पर अचानक चाइनीज मांझे की चपेट में आ गया। मांझा उसकी गर्दन में फंस गया, जिससे कुछ सेकंड में उसकी गर्दन गहराई से कट गई। संतुलन बिगड़ने से वह सीधे सड़क पर गिरा, जिससे उसे गंभीर चोटें भी आईं। अस्पताल में राहुल का इलाज कर रहे डॉ. मनन गोगिया ने बताया कि युवक की गर्दन में गहरी चोट आई है। वहां खून जमा हो गया था। देर रात उसका ऑपरेशन किया गया, जिसमें 14 टांके लगाने पड़े। डॉ. गोगिया ने कहा कि युवक गिरने से घायल भी हो गया था, उसके कंधे की हड्डी और एक पसली भी टूट गई। उसका भी इलाज किया जा रहा है। बता दें कि जिले में चाइनीज मांझे से यह पहला हादसा नहीं है। इससे पहले चंदन गांव में काम से लौट रहे एक व्यक्ति का गला मांझे में फंसकर कट गया था। 43 टांके लगने के बाद उसकी जान बचाई जा सकी थी।

घर लौट रहे नपं अध्यक्ष के बेटे को रोककर बदमाशों ने मारे चाकू

जागरण, जबलपुर। जिले के भेड़ाघाट नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे पर देर रात बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। वहीं, नगर पंचायत अध्यक्ष की शिकायत पर पुलिस ने तीन हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। वारदात तिलवारा थाना क्षेत्र के विशाल मेगा मार्ट के पास की है। देर रात नीलेश लोधी जबलपुर से भेड़ाघाट स्थित अपने घर जा रहा था, तभी तीन बदमाशों ने उसे रोका और ताबड़तोड़ चाकू मारकर घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल नीलेश को मेडिकल कॉलेज पहुंचाने के बाद भेड़ाघाट नगर पंचायत अध्यक्ष चतुर सिंह को फोन कर घटना की जानकारी दी। बताया जा रहा है कि नीलेश लोधी प्रॉपर्टी का काम करता था। वहीं, हमलावर जीतू पटेल अपने साथी अंकित और सचिन के साथ इसी व्यवसाय से जुड़ा हुआ है। प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त को लेकर दोनों पक्षों में कुछ समय पहले विवाद भी हुआ था। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि नीरज लोधी की शिकायत पर जीतू पटेल सहित अंकित और सचिन के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)
हाऊसिंग फॉर ऑल प्रकोष्ठ (HFA CELL)
तृतीय तल, आई.एस.बी.टी. भवन, होशंगाबाद रोड, हबीबगंज, भोपाल-462023

NIT No. - 4/HFA / BMC/2026 Date - 13/01/2026

:: निविदा आमंत्रण ::
निविदा क्रमांक 2025_UAD_442892_3

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत गंगा नगर परियोजना (रेरा पंजीयन क्र. P- BPL-24-5259) स्थल के शेष 72 एल.आई.जी. 2 बी.एच.के. में से शेष 02 आवासों का व्ययन उच्चतम निविदा दर के आधार पर किये जाने हेतु ई-निविदा पद्धति के अन्तर्गत www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन निविदाऐं दिनांक 16.01.2026 समय 13:30 PM से 16.02.2026 समय शाम 05:30 PM बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। जो दिनांक 18.02.2026 को प्रात: 10:30 AM बजे निविदा की तकनीकी बिड खोली जावेगी । निविदा प्रपत्र, अनिवार्य शर्तें एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को मध्यप्रदेश शासन के ई-निविदा के पोर्टल www.mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी। यदि निविदा में किसी प्रकार का कोई संशोधन इत्यादि होता है तो वह पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा, केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।
नोट:- ऑनलाईन, ई-निविदा में समस्या होने पर मोबाइल नंबर 9424499880 पर संपर्क करें अथवा ईमेल-bmcmp.hfa@gmail.com पर मेल करें।

नि.क्र. 2980/025/026
जोनल अधिकारी
(एच.एफ.ए.)
नगर पालिक निगम, भोपाल

विजनेस प्लस

रश्मीत कौर की लाइव परफॉरमेंस पर थिरके युवा

भोपाल। रंगीन लेज़र लाइट्स और धुएं के बीच मशहूर गायक रश्मीत ने जब अपना पहला गाना गाया तो ऐसा लगा मानो पूरा आसमान ज़मीन पर उतर आया हो। युवाओं का जोश और संगीत की थाप का तालमेल देखते ही बन रहा था। कैमरे की नजर जहां तक जा रही थी बस युवा ही नज़र आ रहे थे। और जब बाजरे दा सिट्टा मंच से गूंजा तो युवाओं के साथ मौजूद हर उम्र के नौजवान झूमते थिरकते नजर आए। मंच था मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के युवा महोत्सव का जहां करीब बीस हज़ार युवा प्रांगण रश्मीत की लाइव परफॉरमेंस के साथ जुस्थ बैंड की मॉडर्न बीट्स के तड़कों पर जमकर झूमे। इससे पहले मोहित शेवानी एवं समूह ने कृष्णायन की प्रस्तुति देते हुए युवाओं को द्वापर युग में पहुंचा दिया। युवा महोत्सव के दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ मानसरोवर हिनोतिया आलम प्रांगण में प्रातः के योगाभ्यास कार्यक्रम के साथ किया। इसके बाद ब्रह्ममलीन कमलाकांत तिवारी स्मृति अमृत वैद्यम पुरस्कार के लिए चयनित वैद्य मंजूषा राजगोपाल, वैद्य उमा शंकर निगम और वैद्य अनुज जैन से संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मानसरोवर समूह के चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर इंजी. गौरव तिवारी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मानसरोवर समूह में भव्य युवा महोत्सव का आयोजन किया।

एलएनसीटी में फार्मेसी छात्रों को विशेषज्ञों ने दिया मार्गदर्शन

भोपाल। स्कूल ऑफ फार्मेसी, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, द्वारा बी. फार्मा प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए एक आंतरिक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता डॉ. शैलेश जैन, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ फार्मेसी, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एके सिंघई, निदेशक, स्कूल ऑफ फार्मेसी एवं डीन एकेडमिक्स द्वारा स्वागत भाषण एवं पौधारोपण के साथ किया गया। व्याख्यान में डॉ. शैलेश जैन ने फार्मेसी क्षेत्र में उपलब्ध करियर अवसरों, प्रोफेशनल ग्रोथ एवं अपने अनुभवों को साझा किया, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हुए। इस व्याख्यान में संकाय सदस्यों सहित प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की और फार्मेसी क्षेत्र की व्यापक संभावनाओं की जानकारी प्राप्त की।

एलएनसीटी, एआई यू वेस्ट ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी पुरुष प्रतियोगिता

भोपाल। एलएनसीटी विवि भोपाल द्वारा एआईयू (ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी) के तत्वावधान में आयोजित वेस्ट ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (पुरुष) प्रतियोगिता 2025-26 के दूसरे दिन मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम, मयूर पार्क, भोपाल में बेहद रोमांचक मुकाबले खेले गए। दिन के मुकाबलों में पारुल यूनिवर्सिटी, गुजरात ने महाराजा कृष्ण कुमार सिंह यूनिवर्सिटी, भावनगर को 7-0 से पराजित किया। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी ने आरआरवीएमयू, अलवर को 5-3 से हराया। सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने पीडीयूएस, सीकर को एकतरफा मुकाबले में 10-0 से शिकस्त दी। एमडीएसयू, अजमेर ने केबीसीएनएमयू, जलगांव को कड़े संघर्ष में 3-2 से हराया। अन्य मुकाबलों में एसआरटीएम यूनिवर्सिटी, नांदेड़ ने गोवा यूनिवर्सिटी को 6-0 से, जेएनवीयू, जोधपुर ने केएसवी, गांधीनगर को 6-0 से, डीबीएटीयू ने एपीएसयू, रीवा को 5-0 से, संत गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी ने गुजरात यूनिवर्सिटी को 6-0 से तथा शिवाजी यूनिवर्सिटी ने मेज़बान एलएनसीटी यूनिवर्सिटी को 8-0 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता सचिव पंकज जैन ने जानकारी दी कि कल प्रतियोगिता के दूसरे दौर के मुकाबले खेले जाएंगे। एआईयू द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर उपेंद्र सिंह तोमर ने प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण कर प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त टूर्नामेंट डायरेक्टर विश्वामित्र अवॉर्डी लोकेंद्र शर्मा, एशियन गेम मेडलिस्ट मोहम्मद यूसुफ,अरुण पांडे,राजेंद्र तिवारी, ललित पारिख ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।

OFFICE OF THE MUNICIPAL CORPORATION, BHOPAL
Water Work Department
Municipal Corporation Rest House, Shyamla Hills, Bhopal
Ph.No.0755-2701669

NOTICE INVITING e-TENDER

Online tenders are being invited for the following works. The bidder can obtained detailed information and tender documents on website http://mptenders.gov.in.
Corrigendum for this NIT shall not be issued separately in newspapers. Corrigendum regarding correction can be seen on the website http://mptenders.gov.in

S. No.	NIT No.	Tender ID.	Details of Work	Estimated Cost (INR)	Earnest Money (EMD)	Bid Submission End Date
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	70/T.Sec./EE./ W.W.D./2025-26 First call	2026_UAD_474695_1	Designing and constructing RCC ground service reservoir sump of 100000 Liter capacity at Awantika avenue colony under ward 61 of Zone 14.	12,10,287.00	9,077.00	09.02.2026

T. N. 2978/025/026
Executive Engineer (WWD)
Municipal Corporation, Bhopal

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Office of The Dy. General Manager (STM-STC) Division Narmadapuram
Email : dgmstmstcnarmadapuram@gmail.com

NOTICE INVITING E- TENDER

E-Tenders are invited from eligible bidders **(A4 and Above Current Ragistration Certificate)** for carrying out the following works on semi turn key basis :-

T.S. No.	Name of Work	Approx. Cost of Work (In Lakhs)	Last Bid Submission Date & Time	Online Opening of Bid
51 Date 13.01.26	Repl, of 33 KV underground Railway Crossing Cable of 33 KV Jamani Feeder at location Kalmesra under Pathrota DC under O&M Div, Itarsi.	13.95	18.01.2026, 18:30 Hrs. up to 20.01.2026, 15:00 Hrs.	21.01.2026 after 15:30 Hrs.

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in & https://mptenders.gov.in** or the under signed office.
M.P. Madhyam/123972/2026
DGM (STM & STC)

बाजार पर नजर

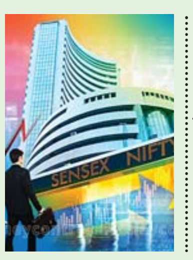

शेयर बाजार में आज

83,628

-250

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
ONGC	244.15	3.42%
Eternal	297.30	3.26%
Tech Mahindra	1,622.90	1.81%
Hindalco	937.90	1.76%
ICICI Bank	1,441.80	1.69%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Trent	4,060.00	-3.32%
Larsen	4,028.00	-3.27%
Reliance	1,485.80	-2.05%
Dr Reddys Labs	1,215.90	-1.99%
Interglobe Avi	4,848.50	-1.87%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	90.190
€ यूरो	105.27
¥ येन	0.5677
£ पौंड	121.58

भारत का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 4 लाख करोड़ पार आईफोन और सेमीकंडक्टर से मिली नई उड़ान

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश से इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। पिछले साल चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों के उत्पादन शुरू होने के बाद इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 11.3 करोड़ रुपये तक पहुंच गया और निर्यात करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये का रहा। वैष्णव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी दी, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 2025 में चार लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया जिससे रोजगार सृजित हुए और विदेशी मुद्रा हासिल हुई। 2026 में भी यह गति जारी रहेगी क्योंकि चार सेमीकंडक्टर संयंत्र व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देंगे।

आईफोन का निर्यात कितना पहुंचा? : देश के इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में वर्तमान में मोबाइल फोन उद्योग का वर्चस्व है। उद्योग जगत के अनुमानों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में 25 लाख से अधिक लोग कार्यरत हैं। मंत्री ने एक रिपोर्ट साझा की जिसमें बताया गया कि भारत से आईफोन का निर्यात 2025 में 2.03 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह वर्ष 2024 में एप्पल द्वारा निर्यात किए गए 1.1 लाख करोड़ रुपये से करीब दोगुना है। मोबाइल विनिर्माताओं के उद्योग निकाय 'इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन' के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक देश में मोबाइल फोन का उत्पादन 75 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 6.76 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचने की उम्मीद है। इसमें 30 अरब अमेरिकी डॉलर या करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये का निर्यात शामिल होगा।

मोबाइल फोन का उत्पादन कितना रहा? : देश में 2024-25 में 5.5 लाख करोड़ रुपये के मोबाइल फोन का उत्पादन हुआ और इस क्षेत्र से निर्यात लगभग दो लाख करोड़ रुपये का रहा। बाजार अनुसंधान एवं विश्लेषण कंपनी काउंटरपॉइंट के सह-संस्थापक तथा अनुसंधान उपाध्यक्ष नील शाह ने कहा कि चीन पर अमेरिकी शुल्क के बाद अपने विनिर्माण का विस्तार करके और भारत से निर्यात को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाकर एप्पल, भारत की सफलता का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया है।

स्मार्टफोन उत्पादन में और बढ़ोतरी की उम्मीद

शाह ने कहा कि भारत में मोबाइल फोन का उत्पादन करीब 30 करोड़ इकाई तक पहुंच जाएगा और 2025 में भारत में उत्पादित होने वाले हर चार स्मार्टफोन में से एक का निर्यात किया जाएगा।'' इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन के 2025 की तीसरी तिमाही के 'वर्ल्डवाइड क्वार्टरली मोबाइल फोन ट्रैकर' के अनुसार, एप्पल ने इस तिमाही में घरेलू बाजार के लिए 50 लाख आईफोन की अब तक की सबसे अधिक आपूर्ति दर्ज की। एप्पल प्रीमियम (53,000-71,000 रुपये प्रति इकाई की कीमत वाले स्मार्टफोन) और सुपर-प्रीमियम (71,000 रुपये प्रति इकाई से अधिक कीमत वाले स्मार्टफोन) दोनों खंड में अग्रणी है जिसने जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के स्मार्टफोन बाजार की वृद्धि को गति दी।

एनपीएस में गारंटेड-रिटर्न की तैयारी

नई दिल्ली, जेएनएन। नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी एक नई स्कीम लाने की तैयारी कर रही है। इसमें सब्सक्राइबर्स को एक तय न्यूनतम रिटर्न का भरोसा मिलेगा। इसके लिए रेगुलेटर ने एक इंटरनल एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया है, जो मिनिमम एश्योर्ड रिटर्न स्कीम का ढांचा तैयार करेगी। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद इसे पब्लिक कंसल्टेशन के लिए जारी किया जाएगा। पीएफआरडीए के चेयरमैन दीपक मोहंती ने बताया कि मिनिमम एश्योर्ड रिटर्न स्कीम की रूपरेखा तय करने के लिए कमेटी बना दी गई है। जैसे ही कमेटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, इसे आम जनता के सुझावों और कमेंट्स के लिए ओपन किया जाएगा। मोहंती के मुताबिक, मकसद एक ऐसा फ्रेमवर्क तैयार करना है जो पेंशन फंड्स के लिए टिकाऊ हो और सब्सक्राइबर्स को रिटर्न की गारंटी दे सके। अभी एनपीएस पूरी तरह से एक मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट है। इसका मतलब है कि आपको मिलने वाला रिटर्न इस बात पर निर्भर करता है कि बाजार में इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड और सरकारी सिक्योरिटी ने कैसा प्रदर्शन किया है।

एक महीने में बिके 15 लाख से ज्यादा बाइक और स्कूटर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही और पूरे कैलेंडर साल 2025 में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की है। दिसंबर 2025 में भी बिक्री काफी अच्छी रही। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक जीएसटी में कटौती, त्योहारी मांग और आसान फाइनेंस की वजह से यह सब संभव हुआ। पैसेंजर व्हीकल की बिक्री अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 20.6 प्रतिशत बढ़कर 12.76 लाख यूनिट हो गई। यह किसी भी तीसरी तिमाही में हुई सबसे ज्यादा बिक्री है। वहीं, पूरे कैलेंडर साल 2025 में पैसेंजर व्हीकल की कुल बिक्री 44.90 लाख यूनिट रही, जो 2024 के मुकाबले 5.0 प्रतिशत ज्यादा है। दिसंबर 2025 में पैसेंजर व्हीकल की बिक्री में तो और भी बड़ी उछाल देखी गई। यह 3,99,216 यूनिट रही, जो दिसंबर 2024 के मुकाबले 26.8 प्रतिशत ज्यादा है। एसआईएएम ने बताया कि ग्रोथ के पीछे कई कारण रहे। जीएसटी दरों में कटौती, पर्सनल इनकम टैक्स में राहत, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा लगातार रेपो रेट में कटौती और त्योहारी सीजन ने मिलकर बिक्री को बढ़ाया। पैसेंजर व्हीकल के एक्सपोर्ट ने भी रेकॉर्ड बनाया।

एआई: एपल ने की गूगल जैमिनी से पार्टनरशिप

नई दिल्ली, जेएनएन। एपल और गूगल के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर समझौता हुआ है। जिसके तहत अब एपल के एआई फाउंडेशन मॉडल्स गूगल के जेमिनी एआई मॉडल, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर तैयार किया जाएगा। गूगल जेमिनी मॉडल एपल के नए सिरी और एपल इंटेलिजेंस फीचर्स को और बेहतर बनाएगा। गूगल ने साझेदारी का ऐलान किया है। गूगल ने कहा, आईफोन, आईपैड और मैकबुक में एपल इंटेलीजेंस फीचर्स को बेहतर और सिरी को अधिक पर्सनलाइज्ड बनाने के लिए यह पार्टनरशिप हुई है। सिरी के नए वर्जन को इसी साल लॉन्च किया जाएगा। इस पार्टशिप पर इलॉन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि गूगल के पास पहले से ही एंड्रॉयड और क्रोम हैं, ऐसे में यह डील उसकी ताकत का गलत इस्तेमाल करने जैसा लगता है। मस्क की कंपनी एआई ग्रोक नाम का एआई चैटबॉट बनाती है, जो सीधे तौर पर गूगल के जेमिनी को टक्कर देता है। मस्क पहले से ही एपल और ओपन एआई के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं।

दिसंबर में रूस से तेल खरीदने में भारत तीसरे स्थान पर खिसका, रिलायंस ने की भारी कटौती

नई दिल्ली, जेएनएन। रिलायंस इंडस्ट्रीज और पब्लिक सेक्टर की रिफाइनरियों द्वारा कच्चे तेल के आयात में भारी कटौती के बाद दिसंबर 2025 में रूस से इस ईंधन को खरीदने के मामले में भारत तीसरे स्थान पर आ गया है। यूरोपीय रिसर्च इंस्टीट्यूट सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार भारत द्वारा रूस से कुल हाइड्रोकार्बन आयात दिसंबर में 2.3 अरब यूरो रहा, जो पिछले महीने के 3.3 अरब यूरो से कम है।

तुर्की बना दूसरा सबसे बड़ा आयातक : रिपोर्ट में कहा गया, तुर्की भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा आयातक बन गया, जिसने रूस से दिसंबर में 2.6 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन खरीदे। चीन नंबर वन खरीदार बना रहा, जिसकी रूस के टॉप पांच आयातकों से होने वाली निर्यात आय में 48 फीसदी (छह अरब यूरो) की हिस्सेदारी रही।

भारत ने रूस से 1.8 अरब यूरो का तेल खरीदा : सीआरईए ने कहा, भारत रूसी जीवाश्म ईंधन का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने दिसंबर में कुल 2.3 अरब यूरो के रूसी हाइड्रोकार्बन का आयात किया। इसके मुताबिक, भारत की कुल खरीद में कच्चे तेल की हिस्सेदारी 78 फीसदी थी, जो कुल 1.8 अरब यूरो रही। इसके अलावा कोयला (42.4 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद (8.2 करोड़ यूरो) आयात किया गया। भारत ने नवंबर में रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 2.6 अरब यूरो खर्च किए थे।

दिसंबर में भारत ने 29% घटाया आयात : सीआरईए ने कहा कि भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में मासिक आधार पर 29 फीसदी की भारी गिरावट हुई। रिपोर्ट के अनुसार इस कटौती की मुख्य वजह रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी रही, जिसने दिसंबर में रूस से अपने आयात को आधा कर दिया। पब्लिक सेक्टर की रिफाइनरियों ने भी दिसंबर में रूसी आयात में 15 फीसदी की कटौती की।

चार लोगों की टीम को ओपन एआई ने 900 करोड़ में खरीदा

नई दिल्ली, जेएनएन। टेक की दुनिया में बड़े सौदे आम बात है, लेकिन इस बार जो हुआ, उसने पूरी इंडस्ट्री को रोक कर सोचने पर मजबूर कर दिया। दुनिया की सबसे पॉपुलर एआई कंपनी और चैटजीपीटी मेकर ने एक छोटे स्टार्टअप को खरीदा है। टीम में सिर्फ चार लोग। ऑफिस छोटा. प्रोडक्ट अभी शुरुआती दौर में. लेकिन कीमत करीब 900 करोड़ रुपए। यह स्टार्टअप हेल्थ टेक पर काम कर रहा है। नाम है टार्च। काम है इंसानी हेल्थ से जुड़े डेटा को एक जगह समझने लायक बनाना। यानी रिपोर्ट, दवाइयों की लिस्ट, डॉक्टर से बातचीत, फिटनेस ऐप्स का डेटा। सब कुछ एक ही सिस्टम में जोड़ना, ताकि एआई किसी इंसान की हेल्थ को कॉन्टेक्स्ट के साथ समझ सके।

अब यही छोटी टीम सीधे दुनिया की सबसे बड़ी एआई कंपनी के अंदर बैठ गई है और उनका काम अब एक नए मिशन का हिस्सा है। चैट बेस्ड एआई को हेल्थ असिस्टेंट बनाने का मिशन। आज हेल्थ डेटा दुनिया का सबसे बिखरा हुआ डेटा है। अलग अस्पताल। अलग ऐप। अलग रिपोर्ट। अलग फाइल। इंसान खुद अपना पूरा हेल्थ रिकॉर्ड एक जगह नहीं रख पाता। ऐसे में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए तो यह और बड़ी चुनौती है। टार्च का पूरा टेक इसी समस्या को हल करने पर बनी थी। हेल्थ डेटा को यूनिफाइड करना, ताकि मशीन सिर्फ सवाल का जवाब न दें। बल्कि इंसान की पूरी मेडिकल स्टोरी समझे और हेल्थ अनालाइज कर ले। एआई की दुनिया अब सिर्फ सवाल जवाब तक लिमिटेड नहीं रहना चाहती। अगला बड़ा क्षेत्र है हेल्थ, जहां लोग अपनी रिपोर्ट समझना चाहते हैं। दवाइयों के असर पर सवाल पूछना चाहते हैं। फिटनेस और बीमारी के पैटर्न जानना चाहते हैं और यह सब वे अब डॉक्टर के अलावा एक डिजिटल असिस्टेंट से भी उम्मीद करने लगे हैं। यहीं से इस सौदे की असली वजह समझ आती है। यह सिर्फ एक कंपनी खरीदना नहीं है। यह फ्यूचर के हेल्थ मार्केट में पहली बड़ी सीट सिक्योर करने की कोशिश है।

'53 करोड़ बैंक खाते, डिजिटल भुगतान ने बदला जेंडर गैप'

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की महत्वाकांक्षी वित्तीय समावेशन मुहिम ने करोड़ों नागरिकों, विशेष रूप से महिलाओं और ग्रामीण आबादी के आर्थिक जीवन को मौलिक रूप से बदल दिया है। ग्लोबल इंक्लूसिव फाइनेंस समिट में बोलते हुए वित्तीय सेवा विभागके सचिव एम. नागराजू ने 28 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री जन धन योजना के शुभारंभ को भारत के इतिहास के परिवर्तनकारी दिनों में से एक बताया। उन्होंने खुलासा किया कि योजना के माध्यम से 53 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं।

ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में अभी शामिल नहीं होंगे भारतीय सरकारी बॉन्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। ब्लूमबर्ग इंडेक्स सर्विसेज लिमिटेड ने फिलहाल भारतीय सरकारी बॉन्ड को अपने प्रमुख ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल न करने का फैसला किया है। कंपनी का कहना है कि भारत के बॉन्ड बाजार से जुड़े कुछ संचालन और ढांचागत पहलुओं पर अभी और गहराई से अध्ययन की जरूरत है। इस संबंध में अगला अपडेट मध्य-2026 तक जारी किया जाएगा। मंगलवार को जारी बयान में बीआईएसएल ने कहा कि ज्यादातर निवेशकों और बाजार के लोगों को भारतीय सरकारी बॉन्ड बाजार के लंबी अवधि में बढ़ने और फायदेमंद होने पर भरोसा है। लेकिन कुछ लोगों ने कुछ ऐसे संचालन संबंधी मुद्दों की भी बात की, जिन्हें ग्लोबल निवेश-ग्रेड इंडेक्स में शामिल करने से पहले ठीक करना जरूरी है।

इन मुद्दों में पूरी तरह ऑटोमेटेड ट्रेडिंग सिस्टम की कमी, पोस्ट-ट्रेड टैक्स प्रक्रियाओं से जुड़ी सेटलमेंट और धन वापसी में लगने वाला समय, और फंड रजिस्ट्रेशन की जटिल व लंबी प्रक्रिया शामिल हैं। बीआईएसएल ने कहा कि इस फीडबैक को ध्यान में रखते हुए भारतीय सरकारी बॉन्ड की समीक्षा प्रक्रिया को खुला और जारी रखा जाएगा। कंपनी आगे भी इंडेक्स उपयोगकर्ताओं, बाजार सहभागियों, कस्टोडियन, नियामकों और संबंधित अधिकारियों के साथ संवाद करती रहेगी, ताकि बाजार अवसंरचना और पोस्ट-ट्रेड प्रक्रियाओं में संभावित सुधारों को बेहतर तरीके से समझा जा सके। बीआईएसएल के अनुसार, जिन चुनौतियों की बात की गई है, वे उभरते बाजारों में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए अपेक्षाकृत सामान्य हैं और बीआईएसएल के इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स के लिए स्वीकार्य मानी जाती हैं।

लेकिन ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स का निवेशक आधार अधिक व्यापक और परिचालन दृष्टि से विविध है, इसलिए वहां मानक अपेक्षाकृत सख्त हैं। बीआईएसएल ने साफ किया कि मध्य-2026 तक इस समीक्षा पर अगला अपडेट दिया जाएगा, जिसके बाद भारतीय सरकारी बॉन्ड को ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल करने को लेकर आगे की दिशा स्पष्ट की जाएगी।

दुनिया में सबसे ज्यादा बार बजट पेश करने वाली महिला होंगी सीतारमण

नई दिल्ली, जेएनएन। मोदी सरकार की ओर से एक बार फिर से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश का बजट पेश करेंगी। यह बजट 1 फरवरी दिन रविवार को पेश किया जाएगा, इसकी तैयारियां जोरों पर हैं। वित्त मंत्री के इस बजट से देश के लोगों को कई सारी उम्मीदें हैं। रेलवे से लेकर शिक्षा तक, स्वास्थ्य से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर और नौकरी तक, हर क्षेत्र के लोगों को इस बजट में कुछ बड़े ऐलान की संभावना है, इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार 9वीं बार देश की संसद के लोकसभा में बजट पेश करने जा रही हैं। इस बजट पेशी के साथ ही वे कई रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं इसके साथ ही कई रिकॉर्ड्स को भी वो तोड़ेंगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास भारत ही नहीं बल्कि दुनिया में महिला वित्त मंत्री के रूप में सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड है। अभी तक उन्होंने कुल और लगातार आठ बार बजट पेश किया है। अब साल 2026 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रिकॉर्ड नौवीं बार देश की संसद में बजट पेश करेंगी। वे इसके साथ ही भारत के साथ दुनिया की भी पहली महिला वित्त मंत्री के रूप में और भी मजबूत हो जाएंगी, जो लगातार 9वीं बजट पेश कर चुकी होंगी। सीतारमण के पास बजट पेश के दौरान सबसे लंबे भाषण देने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2020-21 का बजट पेश करने के दौरान भारत के इतिहास में सबसे लंबा बजट भाषण दिया था। वित्त मंत्री सीतारमण ने तब 2 घंटे 42 मिनट का बजट भाषण दिया था, इस रिकॉर्ड को बनाते हुए उन्होंने साल 2019 में 2019-20 के लिए दिए गए खुद के ही बजट भाषण के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था। साल 2019-20 के बजट पेश के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2 घंटा 17 मिनट की स्पीच दी थी। संभावना जताई जा रही है कि अगर इस बार वित्त मंत्री ने लंबा भाषण दिया तो हो सकता है कि वे अपने ही इस रिकॉर्ड को तोड़ दें। अगर वे इस रिकॉर्ड को तोड़ती हैं तो यह दूसरी बार होगा, जब अपने रिकॉर्ड वे तोड़ेंगी।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

खुली ई-निविदा सूचना सं०-सोनपुर2025-26 (202 एवं 207) मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा की अंतिम तिथि 09.02.2026 को 13:00 बजे तक निर्धारित है। ई-निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है।

कार्य का नाम : 202. सोनपुर स्थित रेलवे अधिकारी क्लब में सम्मेलन सह बैठक कक्ष का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रू. में.):** 5,53,96,708.96, **बयाने की राशि (रू. में):** 4,27,000.00

कार्य का नाम : 207. वमंइ/।।/सोनपुर के अधीन कटरिया में इंजीनियरिंग सह बैलास्ट साइडिंग का प्रावधान एवं थाना बिहपुर में इंजीनियरिंग सह बैलास्ट साइडिंग के संबंध में शंटिंग नेक का प्रावधान। **अनुमानित लागत (रू. में.) :** 14,00,12,502.21, **बयाने की राशि (रू. में) :** 8,50,100.00

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार - किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा। **मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०) पूर्व मध्य रेल, सोनपुर**

पीआर/1609/एसईई/इंजी०/टी/25-26/36

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

बैच संख्या: 40/25 दिनांक: 09.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, पूर्व मध्य रेलवे द्वारा निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदा का आमंत्रण किया जाता है:

क्रम संख्या : 1, **निविदा संख्या :** 03254892, **संक्षिप्त विवरण :** फिंगर कॉन्टेक्ट बीद फ्लेक्सिबल शंट असेम्बली, **मात्रा :** 763 नग, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 2, **निविदा संख्या :** 03254983, **संक्षिप्त विवरण :** ओवरहॉलिंग किट फॉर कंट्रोल पोर्शन आईआर (787776-1994) ऑफ इलेक्ट्रिक सीसीबी सिस्टम, **मात्रा :** 36 सेट, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 3, **निविदा संख्या :** 03254081, **संक्षिप्त विवरण :** ओवरहॉलिंग किट फॉर फीड वल्व (760533/केपी0698141) ऑफ इलेक्ट्रिक सीसीबी सिस्टम, **मात्रा :** 118 सेट, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 4, **निविदा संख्या :** 11250233, **संक्षिप्त विवरण :** विजिबल डाई सॉल्वेंट रिमूवल किट टाईप-।।, **मात्रा :** 18972 सेट, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 5, **निविदा संख्या :** 03253326, **संक्षिप्त विवरण :** बेयरिंग ब्रैकेट सीई ऑफ हिताची टीएम, **मात्रा :** 75 नग, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 6, **निविदा संख्या :** 14225030ई, **संक्षिप्त विवरण :** डिसमैंटलिंग एण्ड स्ट्रिपींग ऑफ एक्जिस्टिंग कंप्लीट सेट ऑफ बेलो डक्ट फ्रॉम कोच साइड एण्ड आरएमपीयू, **मात्रा :** 507 सेट, **निविदा खुलने की तिथि :** 30.01.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 7, **निविदा संख्या :** 03254134, **संक्षिप्त विवरण :** माइक्रोप्रोसेसर बेस्ड इलेक्ट्रॉनिक स्पीड इंडीकेटिंग रिकॉर्डिंग सिस्टम, **मात्रा :** 35 सेट, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 8, **निविदा संख्या :** 03250155ए, **संक्षिप्त विवरण :** ऑयल कूलर रेडिएटर फॉर कन्वर्टर/ट्रांसफॉर्मर ऑफ 3-फेज लोकोमोटिव्स, **मात्रा :** 67 नग, **निविदा खुलने की तिथि :** 09.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

क्रम संख्या : 9, **निविदा संख्या :** 03253853, **संक्षिप्त विवरण :** किट ऑफ वैक्यूम स्विच ट्यूब फॉर सिंगल बॉटल वीसीबी टाईप, **मात्रा :** 23 सेट, **निविदा खुलने की तिथि :** 02.02.26, **निविदा खुलने की समय :** 14:00

नोट: उपर्युक्त सभी निविदाएं ई-टेंडर हैं और सभी निविदाकारों से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं के सभी संशोधन भी केवल IREPS वेबसाइट पर ही ऑनलाइन प्रकाशित किए जाएंगे। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS वेबसाइट देखें।

सहायक सामग्री प्रबंधक (मुख्यालय) पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर

पीआर/1603/एचक्यू/भंडार/टी/25-26/72

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

सं. ईसीआर/सीएओ/कॉन/डब्यू टी/ई.निविदा/उत्तर/31-25-26 दि. 09.01.2026.

ई. निविदा सूचना सं. पूमरे-मुप्रअ-नि-उ-ईटीएन-31-25-26. भारत के राष्ट्रपति के तरफ से निम्न कार्य हेतु ई. निविदा आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम : पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर मंडल में अररिया-सुपौल नई लाईन के निर्माण के संबंध में त्रिवेणीगंज-जडिया के बीच 51.80 किमी. से 64.6 किमी. की दूरी पर वृहत पुलो के सुपर स्ट्रक्चर के लिए कम्पोजिट गर्डर/ओपेन बेव गर्डर और पी.एस.सी. गर्डर/स्लैब की फैबरिकेशन, लाँचिंग/इरेक्शन, असेबली एवं परिवहन, पुल पर ट्रैक को जोड़ना, पथ सामग्री की आपूर्ति फैबरिकेशन और अन्य संबंधित कार्य। 2. कार्य का लगभग मूल्य: ₹21,85,96,592.76, 3. बीड सिक्यूरिटी की राशि: ₹12,43,000.00. 4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 03.02.2026, चौदह तीस बजे। 5. वेबसाईट का विवरण, नोटिस बोर्ड जहाँ पर निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा कार्यालय का पता जहाँ पर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है इत्यादि : उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगें एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/उत्तर/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना के कार्यालय में देखा जा सकता है। द्रष्टव्य : निविदा सूचना में पाए गए किसी भी विसंगति विवरण के मामले में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पन्द्रह दिन पहले वेबसाईट http://www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूमरे/महेन्द्रूघाट, पटना

पीआर/1612/एमएचएक्स/निर्माण/टी/25-26/48

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं०- डी.डी.यू./ईएल/जी/ई०निविदा/2025-26/25 दिनांक: 09.01.2026

मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/जी/डी.डी.यू. एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूची बद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.सं. : 01. कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : डी.डी.यू./ईएल/जी/पी/2025-26/13 विषय: डीडीयू मंडल के डीडीयू के टीएस-1 और एचटी सेक्शन के अंतर्गत आपात कालीन प्रकाश सहित रोशनी में सुधार सहित विद्युत आपूर्ति प्रणाली का उन्नयन में विद्युती कार्य करने के संबंध में। **2. कार्य करने की कुल लागत:** रु० 18512228.68, **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 04.02.2026 15:00 Hrs. **ई-निविदा वेवसाईट का विवरण :** www.ireps.gov.in

क्र.सं. : 02. कार्य क्षेत्र के साथ कार्य का नाम : डी.डी.यू./ईएल/जी/पी/2025-26/14 विषय: डी.डी.यू. मंडल के अन्तर्गत डीडीयू में (ए) पुलिस कॉलोनी में 20 यूनिट टाइप-।। स्टाफ आवास का प्रावधान में विद्युती कार्य करने के संबंध में। (बी) न्यू सेंट्रल कॉलोनी में 20 यूनिट टाइप-।। स्टाफ आवास का प्रावधान में विद्युती कार्य करने के संबंध में। (सी) लोको कॉलोनी में 20 यूनिट टाइप-।। स्टाफ आवास का प्रावधान में विद्युती कार्य करने के संबंध में। **2. कार्य करने की कुल लागत:** रु० 2888155.95, **निविदा बंद करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 04.02.2026 15:00 Hrs. **ई-निविदा वेवसाईट का विवरण :** www.ireps.gov.in

सहायक मंडल विद्युत अभियंता (सा०) पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/1604/डीडीयू/ईएलईसीटी/टी/25-26/48

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सं. JHSW-MNP-26-02 दिनांक- 10.01.2026

ई-टेंडर नोटिस

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए **मुख्य कारखाना प्रबंधक वैगन रिपेयर झाँसी, उत्तर मध्य रेलवे** के द्वारा वैगन रिपेयर कारखाना झाँसी में निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन (ई-टेंडर) आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्याः JHSW-MNP-26-02

कार्य का नामः वैगन रिपेयर वर्कशॉप झाँसी के दो नवनिर्मित ट्रॉली कम व्हील शॉप के बे में 04 नग ईओटी क्रेन क्षमता 10 टन साथ में ढका हुआ प्रकार की डीएसएल की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का कार्य।

अनुमानित लागतः ₹ 1,82,16,000/- (रूपये एक करोड़ बयासी लाख सोलह हजार केवल), **धरोहर राशिः** ₹ 2,41,100/- (रूपये दो लाख इकतालीस हजार एक सो केवल), **कार्य पूर्ण होने की अवधिः** 12 माह, **निविदा बंद होने की तिथिः 09.02.2026** समय 15.00 बजे।

1. निविदा की सम्पूर्ण जानकारी के लिए भारतीय रेलवे की ई-टेंडर वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें।

63/26 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पश्चिम मध्य रेल

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, भोपाल.

No.: C/BPL/e-auction/Jan/2026, Date: 13.01.2026

पार्सल लीज़ के अनुबंध के लिए ई-नीलामी

भोपाल मण्डल के पार्सल लीज़ के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है। विवरण निम्नानुसार है :

Catalogue Number	Type of Contract	Lot No.	Contract Period
C-BPL-SLR-JAN	Leasing	13026-SLR-R1-BPL-HWH-26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		22165-SLR-R1-BPL-SGRL-26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		19712-SLR-F1-BPL-JP-26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		12185-SLR-R1-RKMP-REWA26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		12183-SLR-F1-BPL-MBDP-26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		18235-SLR-F2-BPL-BSP-26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		12185-SLR-F1-RKMP-REWA26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		12001-SLR-F1-RKMP-NDLS26-1 (Parcel-SLR)	3 years
		22145-SLR-F1-BPL-REWA-26-1 (Parcel-SLR)	3 years

Date and Time of start of e-auction for all lots: 20.01.2026 at 12:00 Hrs.

प्रतिभागी ई-नीलामी के माध्यम से आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाकर ई-नीलामी की मानक शर्तों और लॉट की विशेष शर्तों के विवरण के लिए जा सकते है।

सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, कृते मंडल रेल प्रबंधक/भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान - एक कदम स्वच्छता की ओर

IDBI BANK

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, Website : www.idbi.com

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड द्वारा स्वर्ण आभूषणों की नीलामी हेतु आम सूचना

नीचे वर्णित उधारकर्ता को बैंक द्वारा, स्वर्ण आभूषणों को गिरवी रखकर प्रदत्त ऋण की बकाया राशि का भुगतान नहीं करने के कारण बैंक के पक्ष में गिरवी रखें सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। नीलामी दिनांक 16.01.2026 को शाम 5.00 बजे से बैंक के परिसर आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, अरेरा कालोनी शाखा, भोपाल में संपन्न होगी।

खाता क्र. एवं उधारकर्ता का नाम एवं पता	स्वर्ण आभूषणों का विवरण	कुल वजन (ग्राम में)	EMD (रु.)	आरक्षित मूल्य (रु.)
1068671100004930 गोपाल छलोत्रे पता-330 त्रिलंगा कॉलोनी न्यूएरा हॉस्पिटल के पास भोपाल म.प्र. -462039 एवं स्थाई पता-मकान नंबर-54 पोस्ट सोडलपुर तह- टिमरनी आलमपुर हरदा म.प्र.461228	1. Chain with pendant 01nos	11.87 ग्राम	8724/-	174480/-
	2. Chain 01nos	11.18 ग्राम		
	3. Ring 01nos	4.90 ग्राम		

यह नीलामी बैंक द्वारा निर्धारित बिक्री के नियम एवं शर्तों के अधीन होगी, जिसकी एक प्रति आईडीबीआई बैंक लिमिटेड, अरेरा कालोनी शाखा, भोपाल के नोटिस बोर्ड पर दिनांक 14.01.2026 से 16.01.2026 तक प्रदर्शित की जायेगी। नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाता को बिक्री के समस्त नियम एवं शर्तों की पूर्ण जानकारी से अवगत है, यह माना जायेगा। बोली जमा करने की अंतिम तिथि 15.01.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक है।

स्थानः भोपाल हस्ता./-

दिनांक : 14.01.2026 प्राधिकृत अधिकारी

केनरा बैंक Canara Bank — A Govt. of India Undertaking — सिंडिकेट Syndicate

ए.आर.एम. शाखा- प्लाट नं. 04, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

अधोहस्ताक्षरकर्ता केनरा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित ऋणधारी को निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज राशि एवं सहित नोटिस प्राप्ति के 60 दिन की समयावधि के भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था।

ऋणी निर्धारित समय सीमा मे ऋण का भुगतान करने मे असफल रहा है। अतः ऋणी/जमानतदार एव सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8 एवं 9) के अंतर्गत नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा कर लिया है। ऋणग्रहीता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्नलिखित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए **केनरा बैंक की ए.आर.एम. शाखा** के अधीन होगा।

ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (**redeem** कराने) के संबंध में अधिनियम की धारा (13) एवं उपधारा 8 के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है।

ऋणी /बंधककर्ता/ जमानतदारों का नाम	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक	मांग सूचना अनुसार बकाया राशि	कब्जा की गई संपत्ति का विवरण
ऋणी एवं जमानतदारः **मैसर्स माँ भवानी बकरी फार्म एवं श्रीमती संतोष कंवर पत्नि श्री भरत सिंह प्रोपराइटर- मैसर्स मां भवानी बकरी फार्म**	07.10.2025 / 12.01.2026	₹ 66,05,617.52/- (रु. छियासठ लाख पांच हजार छः सौ सत्रह एवं पैसा बावन मात्र) +ब्याज एवं अन्य खर्चे	बंधक संपत्ति डायवर्टेड भूमि स्थित खसरा नं. 170/172/2(एस) ग्राम कुलहोर, तहसील बैरसिया, जिला भोपाल, विदिशा रोड के पास, क्षेत्रफल 4490.00 वर्गमीटर। डीड के अनुसार चर्तुसीमाएं: पूर्वः छतर सिंह की भूमि, पश्चिमः पूरन सिंह की भूमि, उत्तरः तोरण सिंह की भूमि, दक्षिणः सड़क, संपत्ति मालिकः श्रीमती संतोष कंवर, पत्नि श्री भरत सिंह

स्थान- भोपाल, दिनांक : 12.01.2026 प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

वॉटर प्रोजेक्शन और लेजर-शो के साथ हुआ खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ

झीलों की नगरी में खेल महाकुंभ, गेम्स के लोगो, जर्सी, थीम सांग और शुभंकर का अनावरण

भोपाल, खेप्र। शहर के बड़े तालाब पर खेलो एमपी यूथ गेम्स का भव्य रंगारंग शुभारंभ हुआ। वॉटर प्रोजेक्शन, लेजर शो, आतिशबाजी और कलाकार शेफाली अल्वारेस व दिव्या कुमार की दमदार प्रस्तुतियों ने उद्घाटन समारोह को ओलंपिक स्तर की चमक दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स की लॉन्चिंग किसी वैश्विक आयोजन से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, खिलाड़ियों और खेल सुविधाओं के उन्नयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमदार प्रदर्शन कर सकें। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में खेल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। कार्यक्रम में खेलो एमपी यूथ गेम्स का लोगो, थीम सांग, टी-शर्ट और शुभंकर (मैस्कॉट) लांच किया गया। प्रतियोगिताएं 31 जनवरी तक चलेंगी।

खिलाड़ियों का सम्मान, दिए 25 लाख रुपए

इस अवसर पर ब्लाइंड वुमेंस टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की मध्यप्रदेश की खिलाड़ी सुनीता सराठे, दुर्गा येवले एवं सुषमा पटेल को प्रोत्साहन स्वरूप 25 लाख रुपए दिए गए। इसके साथ ही महिला खिलाड़ियों के कोचेस को एक-एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

चार करोड़ की पुरस्कार राशि

राज्य स्तर पर विजेता खिलाड़ियों को लगभग 4 करोड़ रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 31 हजार, द्वितीय 21 हजार एवं तृतीय पुरस्कार 11 हजार रुपए रहेगा। खेलो एमपी यूथ गेम्स-2025 में कुल 28 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

तीन चरणों में 11 खेल प्रतियोगिताएं

तीन चरणों (ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर) में 11 खेलों की प्रतियोगिताएं होंगी। हॉकी, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, खो खो, तैराकी, टेबल टेनिस, मल्लखंब, कुश्ती, जूडो, शतरंज, वेटलिफ्टिंग शामिल हैं। चार चरणों (ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर) में 10 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

भारत के खिलाफ सीरीज के बाद संन्यास लेंगी ऑस्ट्रेलिया की हीली

सिडनी, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटरों में से एक एलिसा हीली मार्च में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। यह 35 साल की खिलाड़ी भारत के खिलाफ पर्थ में होने वाली तीन वनडे और एकमात्र महिला टेस्ट मैच की सीरीज में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करेंगी। हीली भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज में नहीं खेलेंगी, क्योंकि वह इस साल ब्रिटेन में होने वाले टी-20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेंगी। महिला क्रिकेट की सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक हीली ने बयान में कहा कि भारत के खिलाफ आगामी सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा जुनून अभी भी बरकरार है, लेकिन मेरे अंदर वह प्रतिस्पर्धात्मक भावना कुछ हद तक कम हो गई है, जिसने मुझे शुरुआत से ही प्रेरित किया है, इसलिए यह संन्यास लेने का सही समय लगता है। उन्होंने कहा कि यह जानते हुए कि मैं इस साल टी-20 विश्व कप में नहीं खेल पाऊंगी और टीम के पास तैयारी के लिए सीमित समय है, मैं भारत के खिलाफ टी-20 मैचों का हिस्सा नहीं रहूंगी।

45 साल की विलियम्स होबार्ट में पहले दौर में हारकर बाहर

होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया), जेएनएन। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन को शुरू होने में अब जबकि एक सप्ताह से भी कम समय बचा है तब 45 साल की वीनस विलियम्स फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही है। वीनस मंगलवार को होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में तात्याना मारिया से 6-4, 6-3 से हार गईं। वीनस को साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए वाइल्डकार्ड से प्रवेश दिया गया है। उन्हें होबार्ट में खेलने के लिए भी वाइल्डकार्ड मिला था, जहां वह लगभग डेढ़ घंटे तक चले मैच में छठी वरीयता प्राप्त मारिया से हार गईं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन रविवार से शुरू होगा। होबार्ट में पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेज्सिकोवा को पेटन स्टर्न्स से 6-4, 1-6, 7-6 (4) से हार का सामना करना पड़ा।

प्रिटोरिया कैपिटल्स ने एमआई केपटाउन को 53 रन से हराया

सेंचुरियन, जेएनएन। प्रिटोरिया कैपिटल्स ने एमआई केपटाउन को 53 रन से हराकर एसए20 अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बोनस अंक से जीत हासिल करने से प्रिटोरिया कैपिटल्स के 20 अंक हो गए हैं, जबकि सनराइजर्स ईस्टर्न केप (19 अंक) दूसरे स्थान पर खिसक गया है। एमआई की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद को इस हार से करारा झटका लगा है। इस मैच में कैपिटल्स ने शेरफेन रदरफोर्ड (27 गेंदों में 53 रन) के अर्धशतक की मदद से छह विकेट पर 185 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई केपटाउन की टीम सात विकेट पर 132 रन ही बना पाई। एमआई केपटाउन की तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने नाबाद 68 रन बनाए। कैपिटल्स के लिए गिडयोन पीटर्स ने 32 रन देकर तीन विकेट लिए।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे आज दोपहर 1:30 बजे से राजकोट

सीरीज अपने नाम करने उतरेगा भारत

जेएनएन, राजकोट

विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने भारत की कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों को लेकर बढ़ती चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया है और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को होने वाले दूसरे वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके तीन मैच की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। वाशिंगटन सुंदर उस मैच में चोटिल हो गए थे और वह वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने दिल्ली के आयुष बडोनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की ऑलराउंडर को प्राथमिकता देने की रणनीति को देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक और ऑलराउंडर को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। रिषभ पंत पहले वनडे से पूर्व चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गए थे। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल करने का फैसला किया, जो टीम प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में एक और विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम के पास कई विकल्प हैं, लेकिन अगले महीने से शुरू होने वाले टीम टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहेगी। टी-20 टीम में वनडे टीम से बिल्कुल अलग बल्लेबाजी क्रम होगा। भारतीय टीम की इन चिंताओं के बीच सभी की निगाह कोहली और रोहित शर्मा पर टिकी रहेगी, जो अब अपने करियर के अंतिम पड़ाव में हैं। पहले मैच में कोहली वनडे में अपने 54वें शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 91 गेंदों पर खेली गई 93 रन की पारी ने भारत की जीत की नींव रखी। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों में काफी अंतर नजर आता है।

- वडोदरा में हुए पहले मैच में न्यूजीलैंड की नौ मैचों की जीत का सिलसिला रुक गया। जबकि भारत अपने पिछले छह मैचों में तीन मैच ही जीता था।
- नए राजकोट स्टेडियम में केवल चार वनडे हुए हैं, लेकिन अभी तक कोई टीम यहां सफलतापूर्वक लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाई है।

पिच-परिस्थितियां

वडोदरा की तरह राजकोट में भी सुहावना मौसम है। वडोदरा में इतनी ओस नहीं थी कि गेंद पकड़ना मुश्किल हो। वहीं शाम को ठंडे मौसम में पिच थोड़ी तेज हो गई थी। राजकोट में भी टॉस इतना बड़ा फैक्टर नहीं होना चाहिए, क्योंकि टीमें अब इतने ओस से निपटना सीख चुकी हैं।

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे (विकेटकीपर), निक केली, निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्स, मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे।

न्यूजीलैंड की नजरें बराबरी पर

पहले वनडे में हार के बावजूद न्यूजीलैंड को इससे काफी आत्मविश्वास मिला होगा कि कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद उसने भारत को कड़ी टक्कर दी। भारत जब सहजता से लक्ष्य हासिल करने की तरफ बढ़ रहा था, तब काइल जैमीसन ने अपने गेंदबाजी कौशल का शानदार प्रदर्शन करके मैच को रोमांचक बना दिया था। उसकी टीम को आखिरी क्षणों में कैच छोड़ने का खामियाजा भुगतना पड़ा था। बाएं हाथ के बल्लेबाजों डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पहले विकेट के लिए 117 रन जोड़कर न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई थी, लेकिन उसके मध्यक्रम के बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा पाए। उसकी टीम इस विभाग में सुधार करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी।

विदर्भ ने तोड़ा दिल्ली का दिल, मप्र को हराकर पंजाब सेमीफाइनल में

विजय हजारे ट्रॉफी: पंजाब के 345/6 के जवाब में मप्र 162 रन पर आउट

जेएनएन, बेंगलुरु

पंजाब ने मध्यप्रदेश को 183 रन से हराकर मंगलवार को विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यह रनों के लिहाज से पंजाब की टूर्नामेंट में सबसे बड़ी जीत है। वहीं पिछले सत्र के उपविजेता विदर्भ ने दिल्ली को 76 रन से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। विदर्भ सेमीफाइनल में गुरुवार को कर्नाटक का सामना करेगा। पिछले सत्र में इन दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला गया था। सौराष्ट्र शुक्रवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल में पंजाब का सामना करेगा। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर पंजाब ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह (86 गेंद में 88 रन), अनमोलप्रीत सिंह (62 गेंद में 70), नेहाल वढेरा (38 गेंद में 56) और हरनूर सिंह (71 गेंद में 51) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से छह विकेट पर 345 रन बनाए। मध्यप्रदेश के लिए त्रिपुरेश सिंह और कप्तान वेंकटेश अय्यर ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में मध्यप्रदेश की टीम 31.2 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई। मप्र की शुरुआत खराब रही और 17वें ओवर में उसके पांच विकेट 66 रन पर गिर गए थे। रजत पाटीदार 40 गेंद में 38 रन बनाकर आउट हुए तब स्कोर सात विकेट पर 132 रन था। पाटीदार के अलावा त्रिपुरेश सिंह ने 31 रन बनाए। पंजाब के लिए सनवीर सिंह ने छह ओवर में 31 रन देकर तीन विकेट लिए।

टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले

विदर्भ बनाम कर्नाटक 15 जनवरी को

पंजाब बनाम सौराष्ट्र 16 जनवरी को

दिल्ली को खली कप्तान पंत-बडोनी की कमी

यश राठौड़ (86) और सलामी बल्लेबाज अथर्व तायडे (62) की पारियों की बदौलत विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 300 रन का चुनौती पूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में दिल्ली की टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर आउट हो गई। उसे कप्तान रिषभ पंत और उप कप्तान आयुष बडोनी की कमी खली। पंत चोटिल है, जबकि बडोनी को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। विदर्भ की तरफ से तेज गेंदबाज नचिकेत भूटे ने 7.1 ओवर में 51 रन देकर चार विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर और कप्तान हर्ष दुबे ने भी नौ ओवरों में 36 रन देकर तीन विकेट लेकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जबकि नई गेंद के गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने 54 रन देकर दो विकेट लेकर उपयोगी योगदान दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत ने दिल्ली के लिए अकेले संघर्ष करते हुए 98 गेंदों पर 66 रन बनाए, लेकिन यह टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं था। दिल्ली को 64 गेंदों में 98 रन चाहिए थे और चार विकेट शेष थे। रावत आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के प्रयास में आउट हो गए। इसके बाद दिल्ली की पारी को सिमटने में देर नहीं लगी।

- **दिल्ली के कप्तान इशांत शर्मा ने अर्थव तायडे को बोल्ड करके लिस्ट ए क्रिकेट में अपना 200वां विकेट लिया।**

डब्ल्यूपीएल: हरमनप्रीत सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी बल्लेबाज बनी

नवी मुंबई, जेएनएन। मुंबई इंडियंस ने डब्ल्यूपीएल में मंगलवार को गुजरात जाएंट्स को सात विकेट से हराकर तीन मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वहीं गुजरात की टूर्नामेंट में पहली हार थी। भारती फुलमाली (15 गेंद में 36), कनिका आहूजा (18 गेंद में 35), बेथ मूनी (26 गेंद में 33) और जॉर्जिया वेयरहैम (नाबाद 43 रन) की आक्रामक पारियों के दम पर गुजरात ने पांच विकेट पर 192 रन बनाए थे। जीत के लिए कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, जो टूर्नामेंट में उनका दसवां अर्धशतक था। उन्होंने डब्ल्यूपीएल में एक हजार रन भी पूरे कर लिए। वह 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन बनाकर नाबाद रही और मुंबई ने चार गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के भीतर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर (26 गेंद में 40 रन) के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। निकोला कैरी ने 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाए। डब्ल्यूपीएल में नेट सिवर ब्रंट के बाद सर्वाधिक रन बनाने के मामले में हरमनप्रीत का नाम आता है।

डब्ल्यूपीएल: मुंबई की दूसरी जीत, गुजरात की पहली हार

इंडिया ओपन: लक्ष्य ने आयुष को 36 मिनट में हराया

सात्विक-चिराग को मिला वाकओवर

जेएनएन, नई दिल्ली। स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने मंगलवार को हमवतन आयुष शेट्टी को सीधे गेम में हराकर इंडिया ओपन 2026 सुपर 750 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की तीसरी वरीय जोड़ी को पहले दौर के मुकाबले में उतरना था, लेकिन अमेरिका के उनके प्रतिद्वंद्वियों चेन झी यी और प्रेस्ले स्मिथ के प्रतियोगिता से हटने पर भारत की स्टार जोड़ी ने वॉकओवर मिलने पर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। अमेरिका की यह जोड़ी पिछले हफ्ते मलेशिया ओपन के पहले दौर में हार गई थी। वर्ष 2022 के चैंपियन लक्ष्य ने आईजी स्टेडियम में खेले जा रहे इस 9,50,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट के पहले दौर में आयुष को सिर्फ 36 मिनट में 21-12, 21-15 से हराया। आयुष पहली बार इंडिया ओपन में खेल रहे थे। 24 साल के लक्ष्य अगले दौर में जापान के केंता निशिमोतो से भिड़ेंगे, जिन्होंने 21-6, 7-5 के स्कोर पर अपने सातवें वरीय हमवतन प्रतिद्वंद्वी कोडाई नारोका के मुकाबले से हटने पर दूसरे दौर में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत बुधवार को टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

सिटी स्पोर्ट्स

भास्कर की लगातार दूसरी जीत, डीजीपी-11 ने वर्टेक्ट रॉयल को 149 रन से हराया

भोपाल, खेप्र। दैनिक भास्कर ने 31वें आईईएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अन्य मैच में डीजीपी-11 ने वर्टेक्ट रॉयल को 149 रन से शिकस्त दी। बाबेअली मैदान पर नवदुनिया 15.5 ओवर में 112 रन पर ऑलआउट हो गई। सुरेश ने 22, कमलेश शर्मा ने 19 और प्रदीप भट्ट ने 16 रन बनाए। भास्कर की ओर से हेमंत जोशी ने तीन विकेट हासिल किए। जवाब में भास्कर ने 16.4 ओवर में आठ विकेट खोकर जरूरी रन बना लिए। प्रभात शुक्ला ने 29, निखिल शुक्ला ने 18 और कप्तान आरके यदुवंशी ने 17 रन बनाए। नवदुनिया के लिए विनय ने तीन और ललित कटारिया ने दो विकेट हासिल किए।

अन्य मैच में डीजीपी-11 ने विजय सिंह ठाकुर (45 गेंद में 105) के शतक की बदौलत 18 ओवर में चार विकेट खोकर 249 रन बनाए। गौरव सिंह भदौरिया ने 47 और प्रज्ञा बलरे ने 38 रन की पारी खेली। वर्टेक्स रॉयल के प्रशांत कनोजिया ने दो विकेट झटके। वर्टेक्स रॉयल 9 विकेट खोकर 100 रन बना सकी। रंजित शाक्या ने सर्वाधिक 23 रन बनाए। डीजीपी-11 के शुभम चौहान, राहुल रावत और अंकुश ने दो-दो विकेट झटके।

बैडमिंटन: सबसे छोटे ग्रुप में शीर्ष वरीय अदम्य और तन्वीजा चैंपियन

भोपाल, खेप्र। 11वीं भोपाल लाल परेड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सबसे छोटे अंडर-9 ग्रुप में अदम्य तिवारी ने एकांश गुप्ता को 21-8, 21-17 से और तन्वीजा उज्जालिया ने निशिका गोयल को 21-17, 23-21 से हराकर क्रमशः बालक व बालिका वर्ग में खिताबी जीत दर्ज की। जहांगीराबाद स्थित पुलिस जिम्नेशियम हॉल में खेली जा रही प्रतियोगिता में अंडर-11 बालक वर्ग फाइनल में प्रयान सचान ने गर्वित गुरनानी को और बालिका वर्ग में रुद्रांशी विश्वकर्मा ने याशिका चंद को हराया। राघवी ने अन्वी गुप्ता को शिकस्त दी।

गुजरात, पुणे, नांदेड़, जोधपुर, डीबीएटीयू व शिवाजी यूनिवर्सिटी की एकतरफा जीत

भोपाल, खेप्र। भावनगर, पुणे, नांदेड़, जोधपुर, डीबीएटीयू, अमरावती और शिवाजी यूनिवर्सिटी ने वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी प्रतियोगिता में अपने-अपने मुकाबले में एकतरफा जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। एलएनसीटी विश्वविद्यालय द्वारा ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी (एआईयू) के तत्वावधान में शहर के लिंक रोड स्थित मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में पारुल यूनिवर्सिटी (गुजरात) ने महाराजा कृष्णा कुमार सिंह यूनिवर्सिटी (भावनगर) को 7-0 से पराजित किया। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी ने आरआरवीएमयू (अलवर) को 5-3 से और सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी ने पीडीयूएस (सीकर) को 10-0 से शिकस्त दी। एमडीएसयू (अजमेर) ने केबीसीएनएमयू (जलगांव) को 3-2 से हराया। अन्य मुकाबलों में एसआरटीएम यूनिवर्सिटी (नादेड़) ने गोवा यूनिवर्सिटी को 6-0 से, जेएनवीयू (जोधपुर) ने केएसवी (गांधीनगर) को 6-0 से, डीबीएटीयू ने एपीएसयू (रीवा) को 5-0 से, संत गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी ने गुजरात यूनिवर्सिटी को 6-0 से और शिवाजी यूनिवर्सिटी ने एलएनसीटी को 8-0 से पराजित किया।

कराते में प्रियेश, उन्नति, शौर्य, अव्यन और कार्तिक को स्वर्ण

भोपाल, खेप्र। 24वीं वर्ल्ड ट्रेडिशनल शोतोकान कराते (डब्ल्यूटीएसकेएफ) स्टेट कराते चैंपियनशिप में पांच खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं चार को रजत और तीन कांस्य पदक जीते। इस चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। प्रियेश बेले, उन्नति पुरवाल, शौर्य पुरवाल, अव्यन वर्मा और कार्तिक सिंह ने स्वर्ण पदक अर्जित किए। लेहर सिंह जायसवाल, तनुष्का यादव, अनाया चंदनशिवे और यशस्वी पुरवाल चांदी का तमगा हासिल किया। वहीं कनिष्का यादव, शिवांश राठौर और लकी मेंडले ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कनिष्का औरा स्पोर्ट्स क्लब में प्रशिक्षण हासिल करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से की बात

नई दिल्ली, जेएनएन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, परमाणु ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया। जयशंकर ने कहा कि वह और रुबियो इन मुद्दों पर आगे चर्चा करते रहने के लिए सहमत हुए हैं। उन्होंने 13 जनवरी को एक्स पर कहा, अभी-अभी विदेश मंत्री रुबियो के साथ एक अच्छी बातचीत हुई। हमने व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, परमाणु सहयोग, रक्षा और ऊर्जा पर चर्चा की।

बांग्लादेश में ऑटो ड्रायवर को चाकू मारा, 23 दिनों में 7वीं घटना

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के दक्षिणी हिस्से चटगांव डिवीजन के फेनी जिला स्थित दागनभुइयां में अज्ञात बदमाशों ने 28 साल के हिंदू युवक समीर कुमार दास की पीट-पीटकर और चाकू मारकर हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, समीर रविवार शाम करीब 7 बजे ऑटोरिक्शा लेकर घर से निकला था। देर रात तक जब वह नहीं लौटा तो परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। रात करीब 2 बजे जगतपुर गांव के एक खेत में स्थानीय लोगों को उसका शव मिला। दागनभुइयां थाने के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, समीर की हत्या में देसी हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। प्राथमिक जांच में लग रहा है कि हत्या पहले से प्लानिंग के तहत की गई थी।

कश्मीर में 5 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के 5 सरकारी कर्मचारियों को आतंकी संगठनों के लिए काम करने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। एलजी मनोज सिन्हा ने ये कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार ये सभी लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के लिए काम कर रहे थे। 2021 से अभी तक सरकार ने 85 कर्मचारियों पर इस तरह की कार्रवाई की है। निकाले गए कर्मचारियों में मोहम्मद इश्तियाक (शिक्षा विभाग), तारिक अहमद राह (लैब टेक्नीशियन), बशीर अहमद मीर (असिस्टेंट लाइनमैन, पीएचई विभाग), फारूक अहमद भट (फील्ड वर्कर, वन विभाग), मोहम्मद यूसुफ (ड्राइवर, स्वास्थ्य विभाग) शामिल है।

दुनियाभर में एक्स डाउन परेशान हुए करोड़ों यूजर्स

वॉशिंगटन, जेएनएन। एलन मस्क के माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स मंगलवार को दुनियाभर में करोड़ों यूजर्स के लिए डाउन हो गया है। एक्स आज अकेला ऐसा प्लेटफॉर्म रहा, जिसे एक ही समय इतने बड़े पैमाने पर आउटेज का सामना करना पड़ा। डाउन डिटेक्टर डॉटकॉम के मुताबिक दुनियाभर में तमाम यूजर्स के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स डाउन हो गया है, यह कई सोर्स से स्टेटस रिपोर्ट एकत्र करके आउटेज को ट्रैक करता है, उसे स्थानीय समय के मुताबिक 9.19 बजे तक अमेरिका में एक्स के साथ समस्या आने की करीब 23,000 से ज्यादा रिपोर्ट मिल चुकी थीं। रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप की बात करें तो ब्रिटेन यानी यूके (च) में स्थानीय समय के मुताबिक 9ः20 बजे तक 7000 से ज्यादा यूजर्स ने प्लेटफॉर्म डाउन होने की शिकायत की। कनाडा में यूजर्स ने एक्स के डाउन होने पर अपनी तकलीफ के बारे में सोशल मीडिया पर बताया।

ईरान में प्रदर्शनों के दौरान हिंसा में मरने वालों की संख्या 2000 होने का दावा

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज बोले ईरान सरकार का खेल खत्म

वॉशिंगटन, जेएनएन। ईरान में एक न्यूज एजेंसी ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से मरने वालों की संख्या 2000 बताई है। ये हत्याएं पिछले 17 दिनों में हुई हैं। वेबसाइट ने इसे ईरान के आधुनिक इतिहास में बड़ा हत्याकांड बताया है। वहीं वही एक वेबसाइट का कहना है कि यह जानकारी कई सोर्सेज पर आधारित है। इस डेटा की कई लेवल पर जांच की गई और सख्त प्रोफेशनल स्टैंडर्ड के मुताबिक पुष्टि के बाद ही इसे जारी किया गया। ज्यादातर मारे गए लोग 30 साल से कम उम्र के थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ज्यादातर हत्याएं रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और बसीज फोर्स ने गोली मारकर की है और ये सब सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के आदेश पर हुआ। दावा किया गया है कि अधिकतर हत्याएं 8 और 9 जनवरी की रात को हुईं। सरकार इंटरनेट और कम्युनिकेशन को ठप कर अपने अपराध दुनिया से छुपा रही है। वहीं भारत दौरे पर आए जर्मनी के चांसलर फेडरिक मर्त्ज ने मंगलवार को कहा कि ईरान में सरकार का खेल खत्म हो चुका है।

चाबहार पोर्ट पर टैरिफ लागू करना मुश्किल

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन्स के सीईओ अजय सहाय ने कहा कि अमेरिका का 25 प्रतिशत टैरिफ चाबहार पोर्ट प्रोजेक्ट पर लागू नहीं हो सकता, क्योंकि यह एक इन्वेस्टमेंट प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि चाबहार व्यापार की बजाय निवेश पर आधारित है, इसलिए यह नए टैरिफ के दायरे में नहीं आएगा। चाबहार एक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है, जिसका मकसद रीजनल कनेक्टिविटी बढ़ाना, अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया तक पहुंच और चीन के ग्वादर पोर्ट का मुकाबला करना है। भारत ने 2024 में चाबहार को 10 साल के लिए लीज पर लिया है। भारत यहां 120 मिलियन डॉलर निवेश करेगा और 250 मिलियन डॉलर का क्रेडिट लाइन (सस्ता कर्ज) देगा।

बिकाऊ नहीं हैं हम, अमेरिका का हिस्सा नहीं बनेंगे

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार दोहराए जा रहे ग्रीनलैंड खरीदने या नियंत्रण में लेने के बयानों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने ट्रंप को दो टूक जवाब देते हुए कहा कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा नहीं बनना चाहता और नहीं वह बिकाऊ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्रीनलैंड डेनमार्क के साम्राज्य के साथ एकजुट खड़ा है और नाटो गठबंधन पर पूरा भरोसा रखता है। अमेरिका की राष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेंस-फ्रेडरिक नील्सन (और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं) ने बुधवार को संयुक्त बयान में कहा, हम अमेरिकी नहीं बनना चाहते, हम डेनिश नहीं बनना चाहते, हम ग्रीनलैंडर बनना चाहते हैं। ग्रीनलैंड का भविष्य ग्रीनलैंड के लोगों द्वारा ही तय किया जाएगा।

अमेरिका में ग्रीनलैंड पर कब्जे का बिल पेश 51वां राज्य बनाने का अधिकार मिलेगा

अमेरिकी सांसद रैंडी फाइन ने सोमवार को 'ग्रीनलैंड एनेक्सेशन एंड स्टेटहुड एक्ट' नाम से एक बिल पेश किया है। इस बिल का मकसद अमेरिकी सरकार को ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने और बाद में इसे अमेरिका का राज्य बनाने के लिए कानूनी अधिकार देना है। सांसद रैंडी फाइन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके इस बिल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कदम रूस-चीन के प्रभाव को रोकने के लिए बहुत जरूरी है। इसके बाद संसद को राज्य बनने के लिए जरूरी सुधारों की पूरी रिपोर्ट सौंपी जाएगी। अगर ये बिल पास हुआ तो अमेरिका को ग्रीनलैंड को अपना 51वां राज्य बनाने का अधिकार मिल जाएगा।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक बोले- ईरानी शासन का अंतिम दिन

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने आज सुबह भारत में ईरान के ताजा हालात पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन के अंतिम दिन और सप्ताह अब हमारे सामने हैं। क्योंकि अन्य यूरोपीय देशों ने बढ़ती हिंसा के मद्देनजर ईरान के राजदूतों को तलब किया है। मर्ज ने कहा कि जब कोई शासन केवल हिंसा के माध्यम से ही सत्ता में बना रह सकता है, तो वह वास्तव में अपने अंत के करीब होता है।

विधवा महिलाओं के हक में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ससुर की मौत के बाद संपत्ति में विधवा महिलाएं होंगी भरण-पोषण की हकदार

नई दिल्ली, जेएनएन। सर्वोच्च न्यायालय ने विधवा औरतों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ससुर की मृत्यु के बाद विधवा होने वाली बहू हिंदू दत्तक ग्रहण एवं भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के तहत उनकी संपत्ति से भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है। लाइव लॉ वेबसाइट के मुताबिक न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने दीवानी अपीलों के एक समूह को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। पीठ ने कहा, अधिनियम की धारा 21(1-2) के तहत उनके पुत्र की कोई विधवा अभिव्यक्ति स्पष्ट है और इसमें सभी विधवा बहुएं शामिल होंगी, चाहे पुत्र की मृत्यु ससुर से पहले हुई हो या बाद में। यह विवाद दिसंबर 2021 में दिवंगत हुए डॉ. महेंद्र प्रसाद के वारिसों के बीच उत्पन्न हुआ। उनके पति, जो डॉ. प्रसाद के पुत्रों में से एक थे, के मार्च 2023 में निधन के बाद, उनकी बहू गीता शर्मा ने हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम के तहत उनकी संपत्ति से भरण-पोषण की मांग की।

पारिवारिक न्यायालय ने खारिज की थी याचिका

पारिवारिक न्यायालय ने उनकी याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि ससुर की मृत्यु के समय वह विधवा नहीं थीं। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस फैसले को पलटते हुए उन्हें आश्रित माना और पारिवारिक न्यायालय को योग्यता के आधार पर भरण-पोषण की राशि तय करने का निर्देश दिया।

चीन की दादागिरी के खिलाफ दुनिया लामबंद

वॉशिंगटन, जेएनएन। चीन की दादागिरी के खिलाफ पूरी दुनिया लामबंद होती जा रही है। सोमवार को जी7 और दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्रियों ने वॉशिंगटन में बड़ी बैठक की है। इस बैठक में चीन से आने वाले दुर्लभ मृदा तत्वों पर निर्भरता कम करने के तरीकों पर चर्चा हुई। इसमें कीमतें तय करना और वैकल्पिक सप्लाई बनाने के लिए नई पार्टनरशिप बनाने पर चर्चा हुई। इस बैठक में भारत की ओर से केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिस्सा लिया। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट द्वारा बुलाई गई इस बैठक में जी7 सदस्य जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और अमेरिका के वित्त मंत्री, साथ ही ऑस्ट्रेलिया, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और भारत के वरिष्ठ मंत्री और अधिकारी शामिल थे।

जापान ने भी चीनी प्रभाव कम करने के सुझाव दिए

जापानी वित्त मंत्री सात्सुकी कटायमा ने कहा कि दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लिए चीन पर निर्भरता को तेजी से कम करने की आवश्यकता पर व्यापक सहमति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जी7 और समान विचारधारा वाले देशों के लिए गैर-चीनी रेयर अर्थ सप्लाई को बढ़ावा देने के लिए अल्पकालिक, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत दृष्टिकोण बताए।

एसआईआर की पूरी प्रक्रिया अवैध और अनैतिक : ममता

54 लाख नाम हटाने की ड्राफ्ट लिस्ट अब तक जारी नहीं की

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन को लेकर चुनाव आयोग और बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता ने दावा किया कि अब तक 54 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, लेकिन चुनाव आयोग ने उनकी कोई ड्राफ्ट लिस्ट सार्वजनिक नहीं की है। ममता बनर्जी ने कहा, हमने 54 लाख लोगों की वह सूची नहीं देखी है जिनके नाम हटाए गए हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह लिस्ट बीजेपी के पार्टी दफ्तर में तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया अवैध और अनैतिक है, जिसमें खास तौर पर महिलाओं को निशाना बनाया गया है। ममता ने कहा कि शादी के बाद स्थान बदलने वाली कई महिलाओं के नाम जानबूझकर हटाए गए हैं।

चुनाव आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल

ममता ने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा, लोकतंत्र में जनता तय करती है कि सरकार कौन बनाएगा, लेकिन ईसी पहले ही लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी के पास पर्याप्त बूथ लेवल एजेंट नहीं हैं, इसलिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान बीएलए को अंदर नहीं जाने दिया जाता, जबकि माइक्रो ऑब्जर्वर बीजेपी के इशारों पर काम कर रहे हैं।

यश की फिल्म टॉक्सिक का टीजर विवादों में

नई दिल्ली, जेएनएन। कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक अपने टीजर रिलीज के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। जहां एक ओर यश के फैंस इस फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह में हैं, वहीं दूसरी ओर फिल्म का टीजर अब गंभीर विवादों में फंसता नजर आ रहा है। हाल ही में फिल्म के टीजर के खिलाफ एक कानूनी शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें टीजर पर अश्लीलता फैलाने, सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाने और नाबालिगों पर गलत असर डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के बाद फिल्म व मेकर्स की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। दरअसल, यश ने 9 जनवरी को अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को तोहफे के तौर पर फिल्म टॉक्सिक का टीजर रिलीज किया था।

लंदन में 14 साल की सिख लड़की का कराया गैंगरेप

पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ने फ्लैट में बंद किया, 200 सिखों ने छुड़ाया

लंदन, जेएनएन। लंदन में पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग द्वारा सिख लड़की (14) को प्रेम जाल में फंसाकर यौन शोषण का मामला सामने आया है। लड़की को पाकिस्तानी ग्रूमिंग गैंग ने पहले अगवा किया और फिर फ्लैट में बंद कर 5-6 लोगों से उसका रेप कराया। लड़की ने भागने की कोशिश भी की, लेकिन सफल नहीं हो सकी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही इस घटना के बारे में लंदन में रहने वाले सिखों को पता चला तो वे आरोपी के फ्लैट के बाहर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। जैसे-जैसे मामले का पता अन्य सिखों को चलता रहा, आरोपी के फ्लैट पर भीड़ बढ़ती गई। कुछ ही देर में वहां 200 से ज्यादा सिख पहुंच गए और कई घंटे हंगामा किया। इसके बाद सभी ने मिलकर लड़की को रिहा करवा लिया। सिखों का आरोप है कि वेस्ट लंदन में इस तरह छोटी बच्चियों को अगवा करके उनका यौन शोषण करने की घटनाएं आम होने लगी हैं। इस मामले से जुड़ी दो पोस्ट और वीडियो डेविड आर्थर्टन नाम के यूजर्स की ओर से एक्स पर डाले गए। हाल ही में इंग्लैंड में इस तरह के मामले बढ़े हैं। अमेरिकी कारोबारी इलॉन मस्क ने भी इस पर चिंता जताई थी और कार्रवाई नहीं करने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री की कड़ी आलोचना की थी।

यूक्रेन पर हमला: ड्रोन और मिसाइलों से पावर ग्रिड तबाह

कीव, जेएनएन। रूस-यूक्रेन युद्ध को लगभग चार साल का समय पूरा होने वाला है, लेकिन अब तक शांति समझौते पर कोई बात नहीं बनी है। इस युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका समेत कई देशों के प्रयासों के बीच दोनों देशों का संघर्ष और भी गहराता जा रहा है। मामले में रूस ने चार दिनों के भीतर यूक्रेन पर दूसरा बड़ा हमला किया है। मंगलवार को अधिकारियों ने बताया कि रूस ने एक बार फिर यूक्रेन के पावर ग्रिड को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका समेत कई देश दोनों के बीच शांति स्थापित करने की कोशिशें कर रहे हैं। हालांकि रूस ने इन कोशिशों को नजरअंदाज करते हुए हमले तेज कर दिए हैं।

सर्दियों को हथियार बना रहा रूस

रूस लगातार कड़ाके की ठंड में यूक्रेन के बिजली और पानी के ढांचे को निशाना बना रहा है। यूक्रेनी अधिकारी ने कहा रूस सर्दियों को हथियार बना रहा हैं। ओडेसा में भी हमलों से अस्पताल, स्कूल और रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और छह लोग घायल हुए हैं।

ड्रोन और मिसाइलों की बौछार

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने रात भर में आठ क्षेत्रों पर करीब 300 ड्रोन, 18 बैलिस्टिक मिसाइलें और सात क्रूज मिसाइलें दागीं। जेलेंस्की ने कहा कि उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र में एक मेल डिपो पर हुए हमले में चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। राजधानी कीव में कड़ाके की ठंड (-12 डिग्री सेल्सियस) के बीच लाखों घरों की बिजली गुल हो गई है। पूरा शहर जनरेटर के शोर से गूंज रहा है। इससे चार दिन पहले भी रूस ने रातभर में सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलें दागी थीं। इस हमले में उसने शक्तिशाली हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया।

अमेरिका ने की निंदा

अमेरिका ने रूस के इन हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की उप राजदूत टैमी ब्रूस ने कहा कि रूस लड़ाई को खतरनाक तरीके से बढ़ा रहा है। उन्होंने ऊर्जा ढांचे पर हमलों और नागरिकों की मौतों पर गहरा दुख जताया।

यूक्रेन का पलटवार

दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने रात भर में 11 युक्रेनी ड्रोन मार गिराए। इनमें से सात ड्रोन रोस्तोव इलाके में नष्ट किए गए। युक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने तगानरोग शहर में ड्रोन बनाने वाली एक कंपनी को निशाना बनाया था।

नेतृत्व बदलने की अटकलों के बीच राहुल गांधी से हुई डी के शिवकुमार की गुफ्तगू

मैसूर, जेएनएन। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मैसूरु एयरपोर्ट पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। तमिलनाडु दौरे के बाद राहुल गांधी के मैसूरु पहुंचने से पहले दोनों नेताओं ने लगभग 20 सेकेंड बातचीत भी की। बता दें कि कर्नाटक कांग्रेस में सत्ता संघर्ष से जुड़ी अटकलें तब शुरु हुई जब राज्य सरकार ने अपना ढाई साल का कार्यकाल पूरा किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री जी परमेश्वर इस दौड़ में शामिल हैं। रविवार 11 जनवरी 2026 को इससे पहले डीके शिवकुमार ने प्रदेश में चल रहे नेतृत्व संघर्ष के बीच अपने भविष्य के बारे में पार्टी हाई कमान के फैसले पर भरोसा जताया। उन्होंने उद्यमी वोक्कालिगा एक्सपो 2026 कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, मैं किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आता, फिर भी मैं इस मुकाम तक पहुंचा हूं। मुझे विश्वास है कि पार्टी मेरे भविष्य के बारे में फैसला लेगी।

एचडी कुमारस्वामी पर लगाया आरोप

उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनके अपने समुदाय के लोग ही उनकी आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब मैं जेल में था, तब आप सबने मेरे लिए प्रार्थना की थी। मुझे पता है कि आप सब मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हैं और मेरी भलाई की कामना कर रहे हैं। मेरा मानना है कि प्रार्थनाएं कभी व्यर्थ नहीं जातीं, भले ही कोशिश व्यर्थ हो जाएं। हमारे समुदाय के लोग मेरी आलोचना कर रहे हैं। वे सामने से भी वार कर रहे हैं और पीठ पीछे से भी। मेरा अंतरात्मा जानता है कि जब कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे, तब मैं कितना ईमानदार था। अब कुमारस्वामी मुझ पर पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगा रहे हैं। मुझे किसी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है, मेरी अंतरात्मा यह जानती है।

जिंदगी का अहम हिस्सा रहे हैं अर्जुन:मलाइका

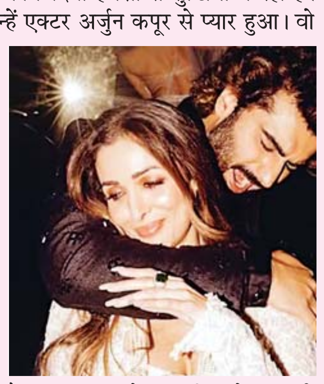

मुंबई, जेएनएन। मलाइका अरोड़ा की जिंदगी हमेशा से सुर्खियों में रही है। अरबाज खान से तलाक के बाद उन्हें एक्टर अर्जुन कपूर से प्यार हुआ। वो हर जगह साथ दिखाई देते थे। हालांकि कुछ साल के बाद दोनों अलग हो गए। लेकिन मलाइका की जिंदगी में आज भी अर्जुन की एक खास जगह है। इस बारे में उन्होंने खुद बताया। एक्टर अर्जुन कपूर के साथ उनका रिश्ता और फिर ब्रेकअप भी खूब सुर्खियों में रहा। अर्जुन मलाइका के पिता के देहांत के वक्त भी उनके पास मौजूद रहे थे। वो बिल्डिंग के बाहर से ही उनकी देखभाल करते दिखे थे। एक शो में बातचीत के दौरान मलाइका ने कहा कि लोग उनकी निजी जिंदगी में हद से ज्यादा झांकने की कोशिश करते हैं, जिसे उन्होंने बॉर्डरलाइन वॉय्यरिज्म कहा। वो आगे बोले- मुझे लगता है गुस्सा और दुख जिंदगी के किसी एक दौर में होते हैं। हम सब इंसान हैं, हर कोई कभी न कभी गुस्सा, उदासी और निराशा से गुजरता है। लेकिन समय के साथ चीजें बदलती हैं। भले ही यह बात घिसी-पिटी लगे, लेकिन समय सच में सब ठीक कर देता है। उन्होंने आगे कहा- सब कुछ चाहे जैसा भी रहा हो, अर्जुन मेरी जिंदगी का बहुत अहम हिस्सा रहे हैं। मैं अपने अतीत या भविष्य के बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहती। इस पर पहले ही बहुत कुछ लिखा और दिखाया जा चुका है। मेरी निजी जिंदगी मीडिया के लिए जैसे एक फीडिंग ग्राउंड बन गई है।

तकनीक | कंपनी का दावा स्पेन के सैटेलाइट को कोई नुकसान नहीं

रॉकेट फेल, फिर भी सैटेलाइट ने भेजा सिग्नल

नई दिल्ली, जेएनएन। इसरो का पीएसएलवी-सी62 मिशन सोमवार को फेल हो गया। उड़ान भरने के 8 मिनट बाद पीएसएलवी रॉकेट तय रास्ते से भटक गया। इसी रॉकेट से एक सैटेलाइट भेजने वाली स्पेन की कंपनी ने मंगलवार को कहा है कि उसे इसका सिग्नल मिला है।

स्पेन की स्टार्टअप कंपनी ऑर्बिटल पैराडाइम ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि तकनीकी गड़बड़ी से पहले ही उनका केआईडी (केस्ट्रेल इनिशियल डेमोंस्ट्रेटर) सैटेलाइट रॉकेट से अलग हो चुका था। इसी वजह से उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा। ऑर्बिटल पैराडाइम ने यह भी बताया कि अब यह पता लगाया जा रहा है कि सैटेलाइट किस रास्ते से अंतरिक्ष में पहुंचा। उसके ट्रैजेक्ट्री से जुड़े पूरे तकनीकी आंकड़े और विश्लेषण बाद में एक विस्तृत रिपोर्ट के रूप में जारी किए जाएंगे।

इसरो के मुताबिक पीएसएलवी-सी62 मिशन थर्ड स्टेज के आखिर में गड़बड़ हुआ। टेलीमेट्री डेटा में पता चला कि रॉकेट के रोल रेट (घूमने की गति/कंट्रोल) में डिस्टर्बेंस आ गई, यानी रॉकेट अनियंत्रित होकर घूमने लगा और अपना तय फ्लाइट पाथ छोड़कर भटक गया। इसरो चीफ वी. नारायणन ने कहा कि तीसरे स्टेज के अंत तक प्रदर्शन सामान्य था, उसके बाद रोल रेट में गड़बड़ी और फ्लाइट पाथ में डेविएशन दिखा। फिलहाल इसरो डेटा एनालिसिस कर रहा है।

वायुमंडल में दोबारा एंट्री नहीं कर पाया सैटेलाइट

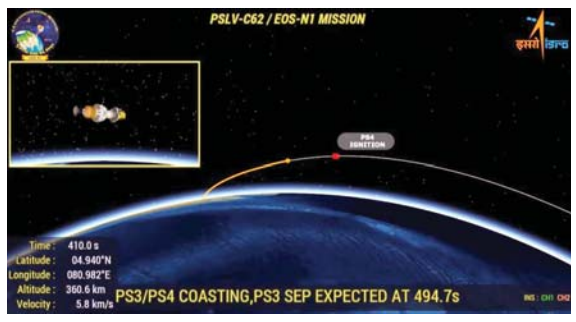

मिशन फेल होने के बावजूद कैप्सूल का सक्रिय हो जाना स्पेनिश कंपनी के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। यह एक टेस्ट और डेमोंस्ट्रेशन मिशन है, जिसका मकसद भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए तकनीक को परखना था। कंपनी के मुताबिक, केआईडी कैप्सूल का मकसद अंतरिक्ष में कुछ समय तक सक्रिय रहकर सिग्नल और तकनीकी डेटा भेजना था। इसके बाद योजना यह थी कि कैप्सूल धरती के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करे, इस दौरान बनने वाली तेज गर्मी (हीट) को झेले और अंत में समुद्र में गिरकर (स्प्लेशडाउन) अपना मिशन पूरा करे। हालांकि, फिलहाल कैप्सूल अंतरिक्ष में ही सक्रिय है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
डिस्प्ले क्लासीफाइड ₹50/- per sqcm.
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 580/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

दिव्यांगों ने 1500 रुपए पेंशन देने की रखी मांग

जागरण, बालाघाट। दिव्यांगों ने शिक्षा, रोजगार और पेंशन में बढ़ोतरी की मांग को लेकर सरकार से गुहार लगाई। मुख्यालय पहुंचे दिव्यांगों ने अपनी शिकायत कलेक्टर को सौंपी। दिव्यांगों ने बताया कि उन्हें वर्तमान में केवल 600 रुपए मासिक पेंशन मिलती है, जबकि लाडली बहनों को 1500 रुपए दे रही है। पेंशन राशि को बढ़ाकर कम से कम 1000 या 1500 रुपए करने की मांग की।

रानी दमयंती संग्रहालय का 20 करोड़ से जीर्णोद्धार

जागरण, दमोह। रानी दमयंती संग्रहालय का जीर्णोद्धार कार्य 20 करोड़ रुपए की लागत से चल रहा है। मंगलवार दोपहर पर्यटन विभाग के आर्किटेक्ट और दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह ऐतिहासिक किला, जिसे रानी दमयंती का किला भी कहा जाता है, लंबे समय से जीर्ण-शीर्ण स्थिति में था।

"ट्वीट ऑफ द डे"

संजय मल्होत्रा
आरबीआई गवर्नर

भारत की मजबूत घरेलू ग्रोथ और इकोनॉमी की रेजिलिएंस विदेशी निवेशकों को लगातार आकर्षित करेगी। बैंकिंग, टेक्नोलॉजी और ब्रॉडर इकोनॉमी में क्वॉलिटी इन्वेस्टमेंट्स का फ्लो बना रहेगा। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और टेक्नोलॉजी सेक्टर में हालिया बड़ी डील्स इस भरोसे को दिखाती हैं कि ग्लोबल निवेशक भारत को लॉन्ग टर्म ग्रोथ स्टोरी मान रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बंगाल में दो नर्सों में मिले निपाह के लक्षण

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं। बंगाल स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि उत्तर 24 परगना जिले के बारासात स्थित एक निजी अस्पताल में काम करने वाले दो नर्सों में निपाह वायरस के लक्षण पाए गए हैं। इनमें एक नर्स पुरुष और दूसरी महिला है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। दोनों के सैंपल एम्स कल्याणी की वायरस रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लैब में जांच के लिए भेजे गए थे। शुरुआती रिपोर्ट में निपाह संक्रमण की आशंका जताई गई है। एक नर्स नदिया जिले की रहने वाली है, जबकि दूसरी पूर्व बर्दवान जिले के कटवा का निवासी है। फिलहाल दोनों को उसी अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है, जहां वे काम करते हैं।

असम के गायक समर हजारिका का निधन

गुवाहाटी, जेएनएन। असम के संगीतकार और गायक समर हजारिका का मंगलवार को गुवाहाटी में निधन हो गया। उनकी उम्र 75 साल थी। वह कुछ समय से बीमार थे और हाल ही में अस्पताल से घर लौटे थे। हजारिका का निधन गुवाहाटी के निजारापार इलाके में उनके घर पर हुआ। इसी इलाके में हजारिका परिवार के सभी सदस्य पहाड़ी पर बने अलग-अलग घरों में रहते हैं। परिवार ने उनकी मौत की पुष्टि की है। समर भारत रत्न से सम्मानित सिंगर भूपेन हजारिका के सबसे छोटे भाई थे। वो दस भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उन्होंने रेडियो, एल्बम और फिल्मों के लिए कई गाने गाए और संगीत भी तैयार किया। हजारिका ने 1960 के दशक में अपने म्यूजिक करियर की शुरुआत की। उनका पहला एल्बम उत्तर कोंवर प्रोतिमा बरुआ देवी 1968 में रिलीज हुआ था। एल्बम के अलावा उन्होंने असमिया फिल्मों में प्लेबैक सिंगर के तौर पर भी काम किया। उन्होंने उपोपथ, बोवारी और प्रवती पोखिर गान जैसी फिल्मों के लिए गाने गाए। वह भूपेन हजारिका की विरासत को सम्मान देने वाले कार्यक्रमों में भी शामिल हुए थे। इन मौकों पर उन्होंने मोई बिसारिसु हेजार सोकुट जैसे प्रसिद्ध असमिया गीत भी गाए।

ग्वारीघाट स्टेशन पर रुकेंगी चार ट्रेनें

जागरण, जबलपुर। मकर संक्रांति और वसंत पंचमी पर आसपास से श्रद्धालु स्नान के लिए ग्वारीघाट पहुंचते हैं, उनकी आवाजाही की सुविधा के लिए इस बार रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। जबलपुर-नैनपुर रेलखंड पर संचालित चार एक्सप्रेस ट्रेनों का संबंधित दोनों तिथियों पर ग्वारीघाट रेलवे स्टेशन पर अस्थाई ठहराव घोषित किया है।

बच्चों की एक और दवा में मिला जहरीला रसायन, कंट्रोलर ने लगाई बिक्री पर रोक

अल्मोंट किड सिरप में निकला एथिलीन ग्लाइकोल, छिंदवाड़ा में इसी रसायन से गई थी 25 बच्चों की जान

नगर संवाददाता, भोपाल। छोटे बच्चों को सर्दी, जुकाम और एलर्जी में दी जाने वाली दवा अल्मोंट किड सिरप में वहीं जहरीला रसायन मिला है। जो कुछ महीने पहले कोल्ड्रिफ सिरप में मिला था। इस कोल्ड्रिफ सिरप के सेवन से छिंदवाड़ा में करीब 25 मासूमों की जान चली गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मप्र के औषधि नियंत्रक ने प्रदेश में इस दवा की बिक्री पर रोक लगा दी है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस दवा का नमूना तेलंगाना राज्य की जांच में अमानक पाया गया है। जिसके बाद तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन ने बच्चों को दी जाने वाली अल्मोंट-किड सिरप को लेकर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश जारी किया है। इसी के साथ देश के सभी राज्यों को भी यह सूचना दी गई है। सूचना मिलते ही मप्र शासन ने भी राज्य में इस दवा की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। विभाग ने इस संबंध में अर्जेंट एडवाइजरी जारी करते हुए बताया है कि इस सिरप में इथाइलीन ग्लाइकॉल नामक अत्यंत जहरीला रसायन पाया गया है। यह कार्रवाई केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन कोलकाता से प्राप्त लैब रिपोर्ट के आधार पर की गई है। रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि बिहार स्थित कंपनी ट्रिडस रेमेडीज द्वारा निर्मित यह दवा मिलावटी और जानलेवा है। आमतौर पर यह सिरप बच्चों में एलर्जी, हे फीवर और अस्थमा के इलाज के लिए डॉक्टरों द्वारा लिखी जाती है।

जांच में क्या निकला

जांच के दौरान पाया गया कि सिरप में इथाइलीन ग्लाइकॉल की मात्रा तय मानकों से कहीं अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार, इथाइलीन ग्लाइकॉल एक इंडस्ट्रियल सॉल्वेंट है, जिसका इस्तेमाल एंटी-फ्रीज और कूलेंट बनाने में होता है। यदि यह शरीर में चला जाए तो यह किडनी को गंभीर नुकसान, तंत्रिका तंत्र पर असर और खासकर बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। राच्य के सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को आदेश दिया गया है कि वे मेडिकल स्टोर, दवा वितरकों और अस्पतालों से इस बैच का स्टॉक तुरंत जब्त करें और इसकी बिक्री पूरी तरह रोकें। प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि यदि उनके पास अल्मोंट-किड सिरप मौजूद है, तो इसका इस्तेमाल बिल्कुल न करें और तुरंत संबंधित दवा नियंत्रण अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

कानूनी कार्रवाई शुरू

मिलावटी दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए जिम्मेदार कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। बच्चों की दवाओं में इस तरह की मिलावट ने एक बार फिर देश की ड्रग रेगुलेटरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने साफ कहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

भोपाल में दवा बाजार में छानबीन

औषधि नियंत्रक का निर्देश मिलते ही प्रदेश के अलग अलग जिलों के ड्रग इंस्पेक्टर सक्रिय हो गए हैं। मंगलवार को भोपाल में औषधि निरीक्षकों ने दवा बाजार सहित अन्य मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया और अल्मोंट किड सिरप का स्टॉक चैक किया। इसके अलावा सभी दवा डिस्ट्रीब्यूटर को सूचना दे दी गई है कि वह अपने अपने स्टॉक को चैक करे और अल्मोंट सिरप की बोतलों को शासन के पास जमा कराए।

बिहार में बना है सिरप

जांच रिपोर्ट में बताया गया है कि अल्मोंट किड सिरप के जिस बैच को केंद्रीय जांच में अमानक पाया गया है, वह बैच बिहार के हाजीपुर स्थित फैक्ट्री में तैयार किया गया है। यहीं से देश के अन्य राज्यों को इस सिरप की आपूर्ति की गई है।

इन समस्याओं में दिया जाता है सिरप

- **एलर्जिक राइनाइटिस:** बहती नाक, बंद नाक, छींकें आना, और नाक में खुजली जैसे लक्षणों का इलाज।
- **आंखों की एलर्जी:** आंखों से पानी आना और खुजली होना।
- **त्वचा की एलर्जी:** खुजली और लाल दाने जैसी समस्याओं में राहत।
- **अस्थमा के लक्षण:** यह खांसी, घरघराहट और सांस लेने में कठिनाई जैसे अस्थमा के लक्षणों को कम करने में भी मदद कर सकता है।

इनका कहना है

हमने अल्मोंट किड सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है। सभी जिलों में कार्रवाई की जा रही है। अभी तक प्रदेश में इस सिरप से किसी प्रकार के कोई नुकसान की सूचना नहीं है।

■ **दिनेश श्रीवास्तव**
ड्रग कंट्रोलर मप्र

फर्जी दस्तावेजों के जरिए हड़पी 5.5 एकड़ जमीन

सोसाइटी बनाकर करोड़ों में बेच दिए 29 प्लॉट

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में ईओडब्ल्यू ने के करोड़ों के बाजार भाव वाली जमीन में घोटाले का पर्दाफाश कर पुष्प मयूर गृह निर्माण सहकारी संस्था के अध्यक्ष नवाब खान और सहयोगी रामनिवास शर्मा एवं अन्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। मामला भोपाल से सटे खुदागंज इलाके का है। ईओडब्ल्यू को अमानउल्ला खान नाम के व्यक्ति ने शिकायत कर आरोप लगाया था कि उसकी और उसके परिवार के स्वामित्व वाली बेशकीमती 5.50 एकड़ जमीन फर्जी दस्तावेजों के जरिए एक संस्था ने अपने नाम पर करा ली और उस पर प्लॉट काटकर अवैध रूप से बेच दिए। ईओडब्ल्यू ने छानबीन की तो उजागर हुआ कि न केवल जमीन को हड़पने के लिए फर्जी दस्तावेजों का उपयोग किया बल्कि सरकारी महकमों को भी गलत जानकारी देकर लाखों के राजस्व की चोरी की गई। खुदागंज इलाके में खसरा नंबर 84 की कुल 13.25 एकड़ जमीन 1980-81 से अमानउल्ला खान और उनके परिवार के नाम दर्ज है। इस जमीन में से 5.70 एकड़ जमीन वैध तौर पर बेची जा चुकी थी और शेष 7.55 एकड़ भूमि पर इसी परिवार का हक था। जालसाजों ने इसमें से 5.50 एकड़ जमीन को ह?पने के लिए 1985 में तीन फर्जी विक्रय पत्र तैयार किए। जांच में पाया गया कि इन रजिस्ट्रियों पर भू-स्वामियों के हस्ताक्षर पूरी तरह फर्जी थे और सभी दस्तावेजों पर एक ही व्यक्ति की हैंडराइटिंग थी। इन रजिस्ट्रियों में जफर उल्ला खान द्वारा अपने पिता को दी गई जिस पावर ऑफ अटॉर्नी का जिक्र किया गया, उसका रिकॉर्ड उप पंजीयक कार्यालय में था ही नहीं। घोटाले की परतें तब और खुलीं जब राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण की जांच हुई। आरोपियों ने रजिस्ट्री में बताए रकबे से अलग हटकर राजस्व रिकॉर्ड में हेरफेर करवाकर अवैध तरीके से संस्था का नाम दर्ज करा लिया था।

ये घोटाला भी हुआ उजागर

ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी सलाफ हुआ कि जिन 29 लोगों को प्लॉट बेचे गए, वे तो इस संस्था के वैध सदस्य ही नहीं थे। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक संस्था के कुल 161 सदस्य थे, जबकि विक्रय पत्रों में सदस्यता क्रमांक 328 तक दर्शा दिए गए। इतना ही नहीं इस संस्था ने 1986 से 2011 तक के अपनी ऑडिट रिपोर्ट में इस जमीन के सौदे को पूरी तरह छुपा कर रखा। इस पूरे खेल में न केवल भू-स्वामियों के साथ ठगी की गई, बल्कि स्टांप ड्यूटी की चोरी और टीएनसीपी शुल्क न चुकाकर शासन को भी आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। मामले की छानबीन के बाद ईओडब्ल्यू की भोपाल यूनिट ने आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120-बी के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रेलवे ने किसानों की सड़क बनाने डाली मिट्टी, ठेकेदार ने बिल्डर को बेची

नगर संवाददाता, भोपाल। कोच फैक्ट्री के पास रेलवे द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस का मेंटेनेंस हब बनाया जा रहा है। यहां आस पास किसानों की जमीन है, लेकिन उस जमीन पर जाने के लिए रास्ता नहीं है। हाल ही में किसानों ने धरना प्रदर्शन कर रेलवे से अपने लिए सड़क मांगी, जिसे रेलवे ने मुहैया करा दी। इतना ही नहीं इस सड़क को कच्चे तौर पर बनाने का जिम्मा भी रेलवे ने लिया। सड़क बनाने के लिए रेलवे ने जहां मिट्टी डाली थी, अब उस मिट्टी को एक बिल्डर द्वारा चोरी करने का मामला सामने आया है। इसकी शिकायत स्थानीय लोगों द्वारा रेलवे के गति शक्ति विभाग से की गई है।

100 से ज्यादा डंपर मिट्टी उठाई

शिकायतकर्ता ने बताया कि कच्ची सड़क निर्माण के लिए रेलवे द्वारा सौ से ज्यादा डंपर मिट्टी डाली गई थी। यह मिट्टी वंदे भारत मेंटेनेंस हब के लिए जो ट्रैक तैयार किया जा रहा है, उसकी खुदाई से निकली थी। जिसे ठेका कंपनी द्वारा दिन के समय में सड़क पर बिछा दिया जाता था। किसान इस बात से खुश थे कि उनके लिए जल्द सड़क बन जाएगी।

रात के अंधेरे में हो रही चोरी

ठेका कंपनी के किसी जिम्मेदार अधिकारी की मिलीभगत से बिल्डर यह मिट्टी चोरी कर रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात के अंधेरे में चार से पांच डंपर आते हैं और एक पोकलेन मशीन आती है। पूरी रात सड़क से मिट्टी भरने का काम चलता है। एक रात कम से कम 40 से 50 डंपर मिट्टी चोरी हो कर ली जाती है। यह सिलसिला चार से पांच दिन चला। एक दिन किसानों ने रात में जाकर जब पहरा दिया तो फिर डंपर नहीं आए।

पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए कोर्ट की एनओसी जरूरी नहीं : हाईकोर्ट

जबलपुर । हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बीपी शर्मा की एकलपीठ ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध अदालत में कोई प्रकरण लंबित है, तो महज इस आधर पर उसके पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए संबंधित न्यायालय से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेना अनिवार्य नहीं है। याचिकाकर्ता जिनेंद्र जैन की ओर से अधिवक्ता आकाश सिंघई ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पासपोर्ट अधिनियम व संबंधित नियमों में ऐसा कोई प्रविधान नहीं है, जो प्रत्येक लंबित प्रकरण में न्यायालय से एनओसी प्राप्त करना आवश्यक बनाता हो। लिहाजा, पासपोर्ट प्राधिकरण द्वारा पासपोर्ट नवीनीकरण से इंकार नहीं किया जा सकता। दरअसल, इसीलिए रीजनल पासपोर्ट आफिस, भोपाल द्वारा आवेदन दरकिनार किए जाने की सूरत में याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट आना पड़ा। उसके विरुद्ध कोर्ट में प्रकरण लंबित होने के आधार पर कोर्ट की एनओसी मांगी जा रही थी। कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर याचिकाकर्ता के हक में आदेश सुना दिया। यह निर्णय उन नागरिकों के लिए बड़ी राहत है, जिनके विरुद्ध लंबित मामलों के कारण पासपोर्ट नवीनीकरण में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न की जा रही थीं। इस आदेश से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित होगी।

85 लीटर अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

भोपाल। शाहजहांनाबाद पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई कर शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 47 हजार रूपए की 85 लीटर शराब जब्त की है। पुलिस के अनुसार 12 जनवरी को ईदगाह हिल्स चौकी क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर टीम ने मजदूर नगर इलाके में दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी के घर से रेत की बोरियों के बीच छिपाकर रखी देशी मदिरा बरामद की गई। पुलिस ने 472 क्वार्टर शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान डेनी मकवाना (46) निवासी मजदूर नगर के रूप में हुई। उसके खिलाफ पहले से अवैध शराब के 9, मारपीट के 11 और सार्वजनिक स्थान पर जुआं खेलेने के 4 मामले अलग-अलग थाने में दर्ज है।

सिगरेट तस्करी के काले धन को अखबार के जरिए किया सफेद

कोर्ट ने लिया किशोर वाधवानी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर में सिगरेट के अवैध कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कस दिया है। ईडी की इंदौर यूनिट ने किशोर वाधवानी, नितेश वाधवानी, पूनम वाधवानी और दबंग दुनिया पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट पर स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने सोमवार को संज्ञान ले लिया है। ईडी की चार्जशीट में दावा किया गया है कि समूह के प्रमोटर किशोर वाधवानी ने अपने सिंडिकेट के जरिए अवैध कमाई को मीडिया हाउस की आड़ में ठिकाने लगाया था। अखबार की आड़ में ब्लेक मनी की लॉन्ड्रिंग की जड़ें इंदौर के तुकोगंज थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ी हैं, जिसमें किशोर वाधवानी और उनके साथियों पर सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा था। ईडी की जांच में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया था कि दबंग दुनिया पब्लिकेशंस और एलोरा टोबैको कंपनी लिमिटेड के बीच गुप्त कनेक्शन था। गौरतलब है कि सीजीएसटी की इंदौर यूनिट ने भी वाधवानी और उससे जुड़ी 20 से अधिक फर्मों के खिलाफ 2000 करोड़ से अधिक के टैक्स रिकवरी नोटिस विगत दिनों जारी किए थे।

किशोर वाधवानी

जीएसटी विभाग की जांच और ईडी की कड़ियां जोड़ने पर पता चला कि एलोरा टोबैको द्वारा अवैध रूप से बेची गई सिगरेट से मिलने वाले नकद रकम को दबंग दुनिया अखबार के खातों के जरिए वैध बनाया जा रहा था। इसके लिए वाधवानी फर्जी विज्ञापन और गलत सर्कुलेशन के आंकड़े देकर काले धन को सफेद कर रहा था। किशोर वाधवानी और उनके सहयोगियों ने दबंग दुनिया अखबार की प्रसार संख्या को कागजों पर कई गुना बड़ाकर दिखाया। इसके अलावा, भारी-भरकम राशि के फर्जी विज्ञापन और नकली टैक्स इनवॉइस तैयार किए गए। इसका मकसद था कि अवैध सिगरेट व्यापार से आए करोड़ों की कमाई को लीगल इनकम में बदला जा सके। ईडी ने जांच में पाया कि इस बड़े पैमाने की जालसाजी के जरिए अपराध की कमाई को छिपाने के लिए कई स्तरों पर लेन-देन किए गए। इस मामले में ईडी अब तक 11.66 करोड़ रुपए से अधिक की अपराध आय का पता लगा चुकी है और वाधवानी और उसके परिवार की 11.33 करोड़ रुपए की संपत्ति को पहले ही अटैच कर चुकी है।

स्वास्थ्य लिवर और फेफड़े ट्रांसप्लांट की योजना, जरूरतमंदों को मिलेगा इलाज

एम्स में तेजी से होंगे ऑर्गन ट्रांसप्लांट, छह करोड़ की मिली मदद, निजी बैंक से एमओयू

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (एम्स) में किडनी और हार्ट ट्रांसप्लांट की सेवा जरूरतमंदों को मिल रही है। संस्थान द्वारा नए साल में लिवर और फेफड़े ट्रांसप्लांट की योजना भी है, इसके लिए तैयारियां जारी हैं। अब इसी कड़ी में देश की एक निजी बैंक ने एम्स को आर्थिक मदद मुहैया कराने का निर्णय लिया है।

इस राशि का उपयोग एम्स के ऑर्गन ट्रांसप्लांट कार्यक्रम को गति देना है। एम्स से मिली जानकारी अनुसार एम्स भोपाल और एचडीएफसी बैंक के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह सहयोग एचडीएफसी बैंक की कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत किया गया है। इस समझौते के तहत बैंक द्वारा एम्स भोपाल को लगभग छह करोड़ रुपये मूल्य के अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिनका उपयोग अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम को मजबूत करने और प्रत्यारोपण उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना में किया जाएगा। इस सहयोग से एम्स भोपाल में उन्नत गंभीर देखभाल और सर्जरी से जुड़े उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जो जटिल अंग प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक हैं। इससे संस्थान की अंग प्रत्यारोपण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, रोगियों के उपचार परिणाम बेहतर होंगे और मरीजों को समय पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों के लिए यह पहल अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

एम्स भोपाल और एचडीएफसी बैंक के बीच हुए एमओयू से मरीजों को मिलेगा लाभ।

रीजनल ट्रांसप्लांट सेंटर बनेगा एम्स

एमओयू साइन के मौके पर एम्स भोपाल के प्रभारी निदेशक डॉ. माधवानन्द कर ने कहा कि प्रत्यारोपण उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना से न केवल नैदानिक सेवाएं सशक्त होंगी, बल्कि प्रत्यारोपण चिकित्सा के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण, अनुसंधान और बहुविषयक सहयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। नई सुविधाओं के माध्यम से एम्स भोपाल भविष्य में संपूर्ण अंग प्रत्यारोपण देखभाल के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में उभर सकेगा। एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि प्रभावी स्वास्थ्य पहलों का समर्थन करना उनके समावेशी और सतत विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।